सूर्योदय 5:23 सूर्यास्त 7:13

आज का तापमान

शिमला	20.4 न्यू	29.4 अधि
धर्मशाला	18.2 न्यू	35.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	75,200
निफ्टी	23,618
सोना	1,59,000
चांदी	2,70,000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | बुधवार, 20 मई 2026 | 6 ज्येष्ठ, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 141, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

वायुसेना को मिलेंगे नए सुखोई-30 लड़ाकू विमान

एजेंसी, नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने भारतीय वायुसेना के लिए 12 नए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की समय-सीमा तय कर दी है। पहला विमान वित्त वर्ष 2027-28 में और बाकी 11 विमान 2028-29 में सौंपे जाएंगे। 13,500 करोड़ रुपए के इस सौदे पर 12 दिसंबर 2024 को अनुबंध हुआ था। ये विमान एचएएल के नासिक डिवीजन में बन रहे हैं और इनमें 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी। इनके शामिल होने से वायुसेना की परिचालन क्षमता और मारक शक्ति में बढ़ोतरी होगी। (अनंत ज्ञान)

रूसी राष्ट्रपति पुतिन सितंबर में आएंगे भारत

एजेंसी, नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल सितंबर में भारत का दौरा करेंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को पुष्टि की कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को

नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2025 में रूस यात्रा के दौरान उन्हें औपचारिक रूप से इस समिट में आमंत्रित किया था। यह एक साल के भीतर पुतिन का दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले वह दिसंबर 2025 में भारत आए थे, जहां उन्होंने भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी के साथ भाग लिया था। पीएम मोदी भी इसी वर्ष रूस यात्रा पर जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

पंजाबी गायिका इंद्र कौर की हत्या

एजेंसी, लुधियाना। छह दिनों से लापता मशहूर पंजाबी गायिका यशइंद्र कौर उर्फ इंद्र कौर

की निर्मम हत्या कर दी गई है। पुलिस ने मृतका का शव नीलो नहर से बरामद किया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड के पीछे एकतरफा प्यार और सनक की रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी सामने आई है। गायिका की मौत की पुष्टि के बाद से संगीत जगत और उनके परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर समराला के सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ रुपए देगा ईरान

एजेंसी, तेहरान। ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को ₹500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- तकनीकी संस्थानों से निकलेगा आत्मनिर्भर हिमाचल का मॉडल -पेज 2
- पर्यावरण मित्र उद्योगों व कौशल विकास कार्यक्रमों की उठी मांग -पेज 5
- 5.34 करोड़ से बनेंगी दो मल्टी स्टोरी पार्किंग -पेज 9

खतरनाक कुत्तों को दें मौत का इंजेक्शन : सुप्रीम कोर्ट

कहा-लोगों की सुरक्षा बहुत जरूरी; जो अफसर निर्देश न माने, उस पर चलेगा अवमानना का केस

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है। लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है।

इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे। जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों,

अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हाईवे जैसे पब्लिक प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश जारी किए थे।

कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को जहां से पकड़ें, नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं न छोड़ें। ऐसे कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखें। अदालत ने सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी बैन लगाया था।

इसके बाद कई डॉग लवर्स और एनजीओ ने इन निर्देशों को रद्द कराने के लिए कई याचिकाएं दाखिल की थीं। हालांकि, इन याचिकाओं की संख्या की जानकारी नहीं दी गई है। राज्य सरकारें पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को मजबूत करें और सही तरीके से लागू करें।

हर जिले में पूरी तरह काम करने वाला एक एबीसी सेंटर (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) बनाया जाए। जहां आवारा कुत्तों की आबादी ज्यादा है, वहां जरूरत के हिसाब से एबीसी सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए। जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर भी ये नियम लागू करने पर फैसला लिया जाए और उसे तय समय में लागू किया जाए। एंटी-रेबीज दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एनएचएआई नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए, जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट वाहनों का इस्तेमाल कर उन्हें हटाना। एनएचएआई इसकी मॉनिटरिंग भी करे। रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक कुत्तों को कानून के तहत और जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया (दया मृत्यु) जैसे कदम उठाए जा सकते हैं ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे।

कोर्ट के आदेश लागू करने वाले नगर निगम और सरकारी अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए। सामान्य तौर पर उनके खिलाफ एफआईआर और सख्त कार्रवाई न की जाए। (अनंत ज्ञान)

सुप्रीम कोर्ट ने गिनाई कुत्तों के काटने की घटनाएं

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें चेहरों पर गहरे घाव शामिल हैं। तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में कुत्तों के काटने की लगभग 2 लाख घटनाएं दर्ज की गईं। सूरत में एक जर्मन यात्री को कुत्ते ने काट लिया।

पेट्रोल-डीजल 90 पैसे और महंगा

4 दिन पहले बढ़ाए थे 3-3 रुपए, 15 राज्यों में पेट्रोल 100 के पार

एजेंसी, नई दिल्ली

देशभर में पेट्रोल और डीजल मंगलवार यानी 19 मई से औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी, यानी पांच दिन के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है।

देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बिक रहा है। वहीं, 17 में डीजल का दाम 90 रुपए लीटर से ज्यादा है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और किल्लत का असर दिखने लगा है। महाराजगंज में सोमवार रात से ही लोग पेट्रोल पंपों के बाहर लाइन में लगे रहे। जिले में ज्यादातर पेट्रोल पंप बंद पड़े हैं। वहीं, बस्ती में बाइक सवारों को 200 रुपए का तेल और कार वालों को 1000 रुपए का ही तेल दिया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

हिमाचल में पेट्रोल 99 .27 और डीजल 91 .26 महंगा

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। तेल कंपनियों द्वारा 90 पैसे प्रति लीटर की नई बढ़ोतरी के बाद राजधानी शिमला में पेट्रोल 99.27 रुपए और डीजल 91.26 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। हमीरपुर के सुजानपुर में पेट्रोल 98.27 रुपए और डीजल 88.66 रुपए, मंडी में पेट्रोल 98.73 रुपए और डीजल 90.51 रुपए, जबकि ऊना में पेट्रोल 96.93 रुपए और डीजल 88.91 रुपए प्रति लीटर दर्ज किया गया। लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया है।

जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल महंगा होने का सीधा असर अब महंगाई पर दिखाई देने लगा है। परिवहन खर्च बढ़ने से बस किराए, टैक्सी सेवाओं और मालभाड़े में वृद्धि तय मानी

सेब सीजन से पहले बढ़ी तेल कीमतों और प्रस्तावित सेस से बागवानों पर दोहरी चोट

जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि ईंधन की कीमतें बढ़ने से खाद्य वस्तुओं, सब्जियों और रोजमर्रा के सामान की ढुलाई महंगी होगी, जिसका असर बाजार में वस्तुओं के दाम पर पड़ेगा।

उधर, अगले महीने शुरू होने वाले सेब सीजन से पहले बागवानों की चिंता भी बढ़ गई है। ट्रक यूनियनों द्वारा मालभाड़ा बढ़ाने की तैयारी के बीच अब सेब ढुलाई का खर्च बढ़ना लगभग तय माना जा रहा है। बागवानों का कहना है कि पहले ही खाद, दवाइयों और मजदूरी की लागत बढ़ चुकी है, ऊपर से डीजल महंगा होने से फसल को मंडियों तक पहुंचाना और मुश्किल हो जाएगा। जानकारों का मानना है कि इसका असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और फल कारोबार दोनों पर दिखाई देगा।

सेस लगाने के प्रस्ताव से फिर बढ़ेंगे दाम

इसी बीच हिमाचल सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर अधिकतम पांच रुपए प्रति लीटर तक अनाथ एवं विधवा सेस लगाने की तैयारी ने बहस को और तेज कर दिया है। सरकार इसे कल्याणकारी योजनाओं के लिए जरूरी बता रही है, जबकि विपक्ष और आम लोग इसे जनता पर दोहरी आर्थिक मार करार दे रहे हैं। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है तो पहले से बढ़ी तेल कीमतों के बीच लोगों को और अधिक आर्थिक बोझ झेलना पड़ सकता है।

हरियाणा में वीटा दूध में 2 रुपए बढ़ोतरी

चंडीगढ़। पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी के बीच अब हरियाणा में दूध की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। वीटा ने दूध के दामों में प्रति लीटर 2 रुपए की बढ़ोतरी की है। नए रेट 20 मई से लागू होंगे। नई दरों के अनुसार आधा लीटर दूध अब 35 रुपए से बढ़कर 36 रुपए और एक लीटर दूध में 2 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा अन्य डेयरी उत्पादों के दामों में 1 से 24 रुपए तक की वृद्धि की गई है। कंपनी का कहना है कि उत्पादन लागत में लगातार बढ़ोतरी के चलते यह फैसला लिया गया है। इससे पहले भी जुलाई में वीटा ने लस्सी और दही के दाम बढ़ाए थे।

निष्क्रिय सरकारी फंड पर हिमाचल सरकार की 'सर्जिकल स्ट्राइक'

- अभी तक 1170 करोड़ सरकारी खजाने में वापस
- 32 बैंकों की मदद से खंगाले गए पुराने खाते

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता को लेकर सख्त कदम उठाते हुए वर्षों से विभिन्न विभागों के बैंक खातों में निष्क्रिय पड़ी सरकारी राशि को वापस सरकारी कोषागार में जमा करवाने की मुहिम तेज कर दी है। सरकार की इस कार्रवाई से विभागों में हलचल तेज हो गई है, क्योंकि स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि जिन खातों में बिना उपयोग की राशि पड़ी है, उसे तीन दिन के भीतर सरकारी खजाने में वापस जमा करवाना अनिवार्य होगा। वित्त विभाग ने साफ संदेश दिया है कि अब सरकारी धन को वर्षों तक अलग-अलग खातों में रोककर रखने की व्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वित्त सचिव डॉ. अभिषेक जैन द्वारा जारी निर्देशों के बाद अब तक विभिन्न सरकारी विभागों से करीब 1170 करोड़ रुपए सरकारी खाते में वापस लौटाए जा चुके हैं। जानकारी के अनुसार यह राशि कई मामलों में वर्षों से निष्क्रिय पड़ी हुई थी। सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई विभाग योजनाओं और परियोजनाओं के नाम पर अलग-अलग बैंक खाते तो खोल देते हैं, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद भी खाते बंद नहीं किए जाते। ऐसे में करोड़ों रुपए लंबे समय तक बैंकों में पड़े रहते थे, जिससे सरकारी धन का सही उपयोग प्रभावित हो रहा था।

सरकार की इस सख्त कार्रवाई को प्रशासनिक सुधार और वित्तीय अनुशासन की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। वित्त विभाग अब ऐसे खातों की नियमित मॉनिटरिंग करेगा और भविष्य में एक ही विभाग द्वारा कई बैंक खाते खोलने पर भी नियंत्रण की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इससे सरकारी धन का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा और विकास कार्यों के लिए फंड की उपलब्धता भी मजबूत होगी।

सूत्रों के अनुसार वित्त विभाग ने इस पूरी प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के 32 बैंकों का सहयोग लिया। बैंकों के माध्यम से विभागों के पुराने और निष्क्रिय खातों की पहचान की गई, जिसके बाद संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए। सरकार का मानना है कि इस अभियान से न केवल वित्तीय पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि वर्षों से रुकी सरकारी राशि को विकास कार्यों में दोबारा उपयोग करने का रास्ता भी साफ होगा।

अब लापरवाही पर होगी सीधी निगरानी

सरकार ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि भविष्य में सरकारी विभागों के खातों की नियमित समीक्षा की जाएगी और निष्क्रिय राशि को लंबे समय तक बैंक खातों में रखने पर जवाबदेही भी तय की जा सकती है। वित्त विभाग का कहना है कि सरकारी धन जनता की संपत्ति है और उसका समयबद्ध व पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा नक्सलवाद का पूरी तरह हुआ खात्मा

एजेंसी, बस्तर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को बस्तर में कहा कि देश से नक्सलवाद तय समय 31 मार्च 2026 से पहले ही पूरी तरह समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर नक्सल-मुक्त हो चुका है और यहां विकास एवं आत्मविश्वास का माहौल है।

इस अभियान में कांग्रेस ने नहीं दिया हमारा साथ

उन्होंने सेंट्रल रीजनल काउंसिल की 26वीं बैठक में कहा कि क्षेत्र के लोगों में भविष्य को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। शाह ने यह भी कहा कि नक्सल-मुक्त अभियान को कई सरकारों का समर्थन मिला, हालांकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने इसमें सहयोग नहीं किया। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर 2023 के बाद केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अभियान तेज किया और सुरक्षा बलों ने प्रभावी कार्रवाई की।

अमित शाह ने कहा कि बस्तर में बनाए गए करीब 200 सुरक्षा कैंपों को अब 'वीर शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा' में बदला जाएगा। इनमें से पहले चरण में लगभग 70 कैंपों को सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम क्षेत्र में स्थायी शांति, विकास और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। (अनंत ज्ञान)

सरकार बोली-रूसी कच्चा तेल खरीदता रहेगा भारत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका की ओर से मिलने वाली प्रतिबंध छूट खत्म होने के बाद भी रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रहेगी। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों का भारत के आयात कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि भारत का रुख पहले से स्पष्ट रहा है और देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के अनुसार रूस से तेल खरीदता रहा है। छूट से पहले, छूट के दौरान और आगे भी यह खरीद जारी रहेगी। इस बीच वैश्विक आपूर्ति स्थिति को देखते हुए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के जहाजों से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों का अस्थायी लाइसेंस जारी

अमेरिकी प्रतिबंधों से इंपोर्ट प्लान पर नहीं पड़ेगा असर

किया है। अमेरिकी ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इससे बाजार में स्थिरता आएगी और ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत ने मई महीने में रूस से रिकॉर्ड 23 लाख बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का आयात किया है। सरकार का कहना है कि देश में क्रूड ऑयल की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति के लिए पहले से पर्याप्त व्यवस्था की गई है। (अनंत ज्ञान)

हिमाचल में हवाई सफर अब होगा आसान

छह महीने पहले या आखिरी दिन बुकिंग पर भी किराया रहेगा समान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश आने-जाने वाले हवाई यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। एलायंस एयर ने शिमला से संचालित उड़ानों में डायनेमिक प्राइसिंग व्यवस्था समाप्त कर दी है। अब यात्रियों को चाहे छह महीने पहले टिकट बुक करनी हो या एक दिन पहले, किराया समान रहेगा।

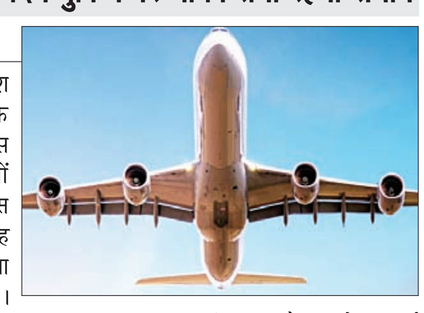

नई व्यवस्था से खासकर उन यात्रियों को राहत मिलेगी जिन्हें आपात स्थिति में यात्रा करनी पड़ती थी और पहले अधिक किराया देना पड़ता था। यह फैसला पर्यटन सीजन के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नई व्यवस्था के तहत दिल्ली-शिमला, शिमला-धर्मशाला और धर्मशाला-शिमला रूट पर किराए स्थिर रहेंगे। पहले यात्रा की तारीख नजदीक आने पर टिकट के दाम बढ़ जाते थे, जिससे यात्रियों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। एलायंस एयर के 18 से 24 मई के शेड्यूल के अनुसार दिल्ली-शिमला किराया 778 रुपए, शिमला-दिल्ली 7740 रुपए, शिमला-धर्मशाला 4424 रुपए और धर्मशाला-शिमला 4997 रुपए तय किया गया है। इन रूटों पर एटीआर-42 विमान सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

पर्यटन सीजन के चलते शिमला-दिल्ली रूट पर मांग बढ़ी है, जहां 20 मई की उड़ान की सभी सीटें पहले ही बुक हो चुकी हैं।

ऊना सबसे गर्म, पारा 43^0 के पार

मौसम विभाग ने लू का येलो अलर्ट किया जारी, किसानों की बढ़ी चिंता

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले चार दिनों से मौसम साफ रहने के कारण मैदानों से लेकर पहाड़ी क्षेत्रों तक गर्मी का असर तेजी से बढ़ गया है। कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया जा रहा है, जिससे लोगों को मई में ही जून जैसी तपिश का सामना करना पड़ रहा है।

ऊना में तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि देहरा में पारा 40 डिग्री के करीब दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने 19 से 21 मई तक प्रदेश के कुछ मैदानी इलाकों में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। शिमला सहित कई पहाड़ी क्षेत्रों में भी तेज धूप और उमस से जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

गर्मी का असर कृषि क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। बारिश न होने से खेतों की नमी कम हो रही है, जिससे किसान मक्की की फसल को बचाने के लिए लगातार सिंचाई कर रहे हैं। मोटर, ट्यूबवेल और पाइपों के माध्यम से खेतों में पानी पहुंचाया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार मक्की की फसल इस समय महत्वपूर्ण चरण में है और पानी की कमी से उत्पादन पर असर पड़ सकता है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 20 से 25 मई के बीच मौसम में बदलाव संभव है और 22 मई को कई क्षेत्रों में बारिश की संभावना है। विभाग ने अगले दो से तीन दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री तक और वृद्धि का अनुमान जताया है, जिसके बाद बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। विभाग ने लोगों को धूप से बचने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

चिंता

गिरी-अश्विनी योजनाएं पड़ रहीं कम, शहर को चाहिए दीर्घकालिक जल समाधान

बढ़ती आबादी व घटते संसाधन, सोलन में पेयजल संकट के संकेत गंभीर

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। सोलन में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बढ़ती आबादी के कारण साल दर साल पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। वर्तमान में शहर को करीब एक लाख आबादी को 3 से 4 दिन के अंतराल के बाद रोटेशन प्रणाली के तहत पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं को गुजारा मुश्किल से हो पाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते कोई बड़ी और दीर्घकालिक पेयजल योजना तैयार नहीं की गई तो आने वाले 10 वर्षों में स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। अभी शहर को गिरी और अश्विनी पेयजल योजनाओं से प्रतिदिन लगभग 70 से 80 लाख लीटर पानी मिल रहा है, जबकि शहर की दैनिक मांग करीब 1 करोड़ लीटर तक पहुंच चुकी है। अनुमान है कि अगले

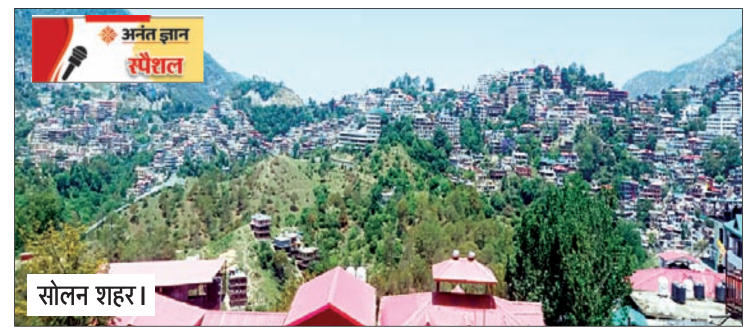

सोलन शहर।

पांच वर्षों में यह मांग बढ़कर डेढ़ करोड़ लीटर प्रतिदिन तक पहुंच सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा गिरी और अश्विनी योजनाओं से इतनी बड़ी मात्रा में अतिरिक्त पानी लिफ्ट करना संभव नहीं है।

सोलन और आसपास तेजी से नई आवासीय कॉलोनियों का निर्माण हो रहा है। वर्तमान में शहर में करीब 15 हजार आवासीय भवन हैं, जबकि अगले 10 वर्षों में लगभग 2 हजार नए भवन और जुड़ने की संभावना है। वर्ष 2050 तक शहर की आबादी दोगुनी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसे में पानी की मांग भी तेजी से बढ़ेगी, लेकिन इसके अनुरूप अभी तक कोई बड़ी योजना तैयार नहीं की गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार सतलुज नदी और गिरी नदी ही भविष्य में सोलन की जल जरूरतों को पूरा करने के प्रमुख विकल्प हैं। शिमला की तर्ज पर यदि कोल डैम से पानी लिफ्ट कर सोलन तक पहुंचाने की योजना बनाई जाए तो आने वाले 30 वर्षों तक शहर को राहत मिल सकती है। करीब 500 करोड़ रुपए की इस योजना से सोलन के साथ-साथ रास्ते में पड़ने वाली सैकड़ों पंचायतों के ग्रामीण भी लाभान्वित हो सकते हैं। वहीं, गिरी नदी से नई योजना विकसित करने में 200 से 300 करोड़ रुपए खर्च आने का अनुमान है।

पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कुलराकेश पंत का कहना है कि सरकार और प्रशासन को अभी से दीर्घकालिक जल नीति तैयार करनी होगी, अन्यथा आने वाले वर्षों में सोलन को भीषण पेयजल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

प्रदेश में अब तबादला मामलों में सीधे कोर्ट जाना पड़ेगा भारी

अनंत ज्ञान

◆ सरकार ने कर्मचारियों के लिए जारी किए सख्त नियम

◆ विभागीय प्रक्रिया छोड़ अदालत पहुंचने पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल सरकार ने तबादला मामलों को लेकर सरकारी कर्मचारियों के लिए सख्त रुख अपनाते हुए नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब बिना विभागीय प्रक्रिया अपनाए सीधे अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कार्मिक विभाग ने व्यापक मार्गदर्शक सिद्धांत-2013 में संशोधन करते हुए स्पष्ट किया है कि तबादलों से संबंधित किसी भी शिकायत को पहले सक्षम प्राधिकारी के समक्ष उठाना अनिवार्य होगा। सरकार का कहना है कि कई कर्मचारी निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना सीधे न्यायालयों में याचिकाएं दायर कर रहे थे, जिससे मामलों में स्थगन आदेश मिलने और प्रशासनिक कार्य प्रभावित होने की स्थिति बन रही थी।

सरकार द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि फरवरी 2025 में सीजीपी-2013 में पैरा 22ए जोड़ा गया था, जिसके तहत तबादला शिकायतों के निवारण की स्पष्ट व्यवस्था तय की गई थी। अब इसमें नया प्रावधान जोड़ते हुए चेतावनी दी गई है कि यदि कोई कर्मचारी इन निर्देशों की अवहेलना करेगा तो उसके खिलाफ केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1965 सहित अन्य लागू नियमों के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सरकार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस फैसले की जानकारी प्रत्येक कर्मचारी तक पहुंचाई जाए, ताकि भविष्य में तबादला मामलों में निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित हो सके।

बता दें कि प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों से जुड़े सेवा मामलों में भी बड़ा प्रशासनिक स्पष्टीकरण जारी किया है। मुख्य सचिव की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि हैंड बुक ऑन पर्सोनल मैटर्स केवल संदर्भ दस्तावेज है और किसी भी सेवा मामले में अंतिम एवं वैधानिक आधार मूल सरकारी अधिसूचनाएं, आदेश और निर्देश ही होंगे।

तकनीकी संस्थानों से निकलेगा आत्मनिर्भर हिमाचल का मॉडल

एआई व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जोड़कर युवाओं के लिए तैयार हो रही रणनीति

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को लेकर बड़े बदलाव की पृष्ठभूमि तैयार होती दिखाई दे रही है। राज्य सरकार अब पारंपरिक डिग्री आधारित शिक्षा व्यवस्था से आगे बढ़कर युवाओं को सीधे कौशल, तकनीक और स्वरोजगार आधारित मॉडल से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

जानकारी के अनुसार राज्य में तकनीकी संस्थानों को केवल पढ़ाई तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नवाचार, उद्यमशीलता और स्थानीय समस्याओं के समाधान का केंद्र बनाने की रणनीति तैयार की जा रही है। ऐसे में बदलते दौर में रोजगार के नए अवसरों और आधुनिक तकनीक की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार तकनीकी शिक्षा के ढांचे को पूरी तरह नए स्वरूप में ढालने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि आने वाले समय में प्रदेश को उत्तर भारत के प्रमुख स्किल हब के रूप में विकसित करने की योजना पर गंभीरता से काम चल रहा है। राज्य के युवाओं को एआई, सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीक और स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए विशेष प्रशिक्षण मॉडल तैयार किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं तकनीकी संस्थानों में ऐसे पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा जिनका सीधा संबंध उद्योगों और बाजार की वर्तमान जरूरतों से होगा, ताकि विद्यार्थी पढ़ाई पूरी करते ही रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जुड़ सकें। सूत्रों के मुताबिक प्रदेश में सूक्ष्म, लघु उद्योगों और स्टार्टअप इको सिस्टम को मजबूत करने के लिए तकनीकी संस्थानों की भूमिका बढ़ाई जा रही है। प्रशिक्षुओं को उद्योग जगत के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन दिलाने की योजना भी बनाई गई है, ताकि युवा केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें बल्कि व्यवहारिक अनुभव भी प्राप्त कर सकें।

इतना ही नहीं सुक्खू सरकार तकनीकी शिक्षा को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में भी बड़ा कदम उठाने जा रही है। साथ ही बागवानी, प्राकृतिक खेती, डेयरी तकनीक और कृषि आधारित आधुनिक कौशल को तकनीकी संस्थानों के पाठ्यक्रमों में शामिल करने की तैयारी है। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों और कृषि महाविद्यालयों के साथ समन्वय स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है।

इसी बीच औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को स्थानीय समस्याओं के समाधान से जोड़ने की पहल भी चर्चा में है। मंडी में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को सुधारने में आईटीआई प्रशिक्षुओं की भागीदारी को एक सफल मॉडल के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार तकनीकी संस्थानों को अब केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि स्थानीय प्रशासन और विकास कार्यों के तकनीकी सहयोगी के रूप में विकसित करने की सोच पर काम हो रहा है।

तकनीकी शिक्षा से बदलेगी राज्य की आर्थिक तस्वीर

प्रदेश में स्किल अकादमी व डिजिटल यूनिवर्सिटी की स्थापना को लेकर भी गतिविधियां तेज हुई हैं। तकनीकी संस्थानों की ग्रेडिंग, ऑनलाइन परीक्षाओं की व्यवस्था और तकनीक आधारित शहरी विकास योजनाओं पर भी मंथन जारी है। शिमला, कांगड़ा और कुल्लू जैसे जिलों के लिए क्षेत्रीय स्तर की तकनीकी कार्य योजनाएं तैयार करने की दिशा में भी पहल की जा रही है, ताकि पहाड़ी भूगोल और पर्यावरणीय जरूरतों के अनुरूप विकास मॉडल तैयार किए जा सकें।

शरण गांव में भालू ने गोशाला का दरवाजा तोड़ गाय को मार डाला

शरण गांव में गोशाला व प्लम उजाड़ने का दृश्य। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

◆ प्लम के बगीचे को भी उजाड़ा, रातभर पहरा देने को मजबूर ग्रामीण

ब्यूरो, शिमला। शिमला जिले के ननखड़ी क्षेत्र की नीरथ पंचायत के शरण गांव में भालुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते देर रात एक भालू ने गोशाला का दरवाजा तोड़कर भीतर घुसते हुए दर्शन दास की गाय को मौत के घाट उतार दिया। यही नहीं, भालू ने पास के बगीचों में भी भारी तबाही मचाते हुए सुरेश कुमार के लगभग 20 प्लम के फलदार पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। पेड़ों पर लगे फलों को बर्बाद करने के साथ कई शाखाएं भी तोड़ दी गईं, जिससे बागवानों को बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले एक माह से क्षेत्र में 5 से 6 भालुओं की आवाजाही लगातार देखी जा रही है, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। रातभर जागकर पहरा देने के बावजूद जंगली जानवर नुकसान पहुंचा रहे हैं। स्थानीय निवासी राजेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले एक छोटे भालू को पिंजरे में पकड़ा गया था, लेकिन अब भी इलाके में कई भालू घूम रहे हैं। उधर, वन विभाग के रेंज अधिकारी नरेंद्र ठाकुर ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही विभाग सक्रिय हो गया है और भालुओं को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाने के साथ साउंड सिस्टम भी स्थापित किया जा रहा है।

हिमाचल में शिक्षा व्यवस्था ने भरी ऊंची उड़ान पीजीआई रैंकिंग में 13वें से छठे स्थान पर पहुंचा

अनंत ज्ञान

◆ हमीरपुर बना प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला, 11 जिलों ने हासिल की उत्तम-3 श्रेणी

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) 2024-25 में लंबी छलांग लगाई है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश 13वें स्थान से सीधे छठे स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश के कुल पीजीआई स्कोर में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो वर्ष 2023-24 में 573.8 था, वह अब बढ़कर 659.2 हो गया है।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने इसे प्रदेश की शिक्षा नीतियों, शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सुधारों का सकारात्मक असर अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देने लगा है। रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश ने समानता, पहुंच, शिक्षक शिक्षा एवं प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया है। सबसे अधिक सुधार सीखने के परिणाम और शैक्षिक गुणवत्ता में दर्ज हुआ, जहां स्कोर 54.2 से बढ़कर 117.9 पहुंच गया।

वहीं आधारभूत सुविधाओं और स्कूल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी हिमाचल ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जिला स्तर की रैंकिंग में हमीरपुर 417 अंकों के साथ प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला बनकर उभरा है, जबकि शिमला दूसरे और कांगड़ा तीसरे स्थान पर रहा। 12 में से 11 जिलों ने 'उत्तम-3' श्रेणी प्राप्त कर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की मजबूती को साबित किया है। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति ने भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है।

हालांकि रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि शासन प्रक्रियाओं और डिजिटल प्रबंधन व्यवस्था में अभी और सुधार की आवश्यकता है। विशेष रूप से आधार सीडिंग, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की डिजिटल उपस्थिति, इंटरनेट आधारित स्कूल प्रबंधन प्रणाली और समय पर डाटा अपडेट करने जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत बताई गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत किया गया तो आने वाले वर्षों में हिमाचल देश के शीर्ष शिक्षा राज्यों में शामिल हो सकता है। शिक्षा विभाग अब स्कूलों में डिजिटल निगरानी और जवाबदेही व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में काम करेगा, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता को और ऊंचाई तक पहुंचाया जा सके।

नड्डी जिपलाइन परियोजना से साहसिक पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

पठानिया ने परियोजना प्रगति की समीक्षा बैठक में विभागों को एनओसी व औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान

परियोजना की प्रगति को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते उप-मुख्य सचेतक। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में साहसिक पर्यटन को नई पहचान देने की दिशा में नड्डी ज़िपलाइन परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश सरकार इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए विभागीय प्रक्रियाओं में तेजी लाने पर जोर दे रही है।

इसी कड़ी में उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया की अध्यक्षता में रोपवे एवं तीव्र परिवहन विकास निगम (आरटीडीसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें परियोजना की वर्तमान स्थिति, विभिन्न विभागीय औपचारिकताओं तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में अधिकारियों ने परियोजना से जुड़े तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में आरटीडीसी अधिकारियों ने बताया कि नड्डी ज़िपलाइन परियोजना का आवंटन 18 फरवरी 2026 को किया जा चुका है।

प्रस्तावित ज़िपलाइन स्टेशनों के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया के तहत 5 मई 2026 को लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड, वन विभाग तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण भी किया गया। संबंधित पटवारियों एवं फील्ड कानूनगो द्वारा राजस्व अभिलेखों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। परियोजना के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया विभिन्न विभागों में जारी है, जबकि गैर-वन भूमि उपलब्ध न होने संबंधी प्रमाण पत्र के लिए मामला उपायुक्त कांगड़ा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। सभी औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद वन भूमि डायवर्जन का प्रस्ताव परिवेश पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना से संबंधित सभी प्रक्रियाएं तय समयसीमा में पूरी की जाएं ताकि कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो। उन्होंने उपायुक्त कांगड़ा को एनएसी प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा लोक निर्माण विभाग, विद्युत बोर्ड और जल शक्ति विभाग को आवश्यक एनओसी शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए। वहीं वन विभाग को पेड़ों की गणना एवं अन्य औपचारिकताएं जल्द पूरी करने को कहा गया।

पठानिया ने कहा कि नड्डी ज़िपलाइन परियोजना प्रदेश में साहसिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए द्वार खोलेगी और हिमाचल को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक मजबूत पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगी। बैठक में आरटीडीसी के निदेशक अजय वर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जज करेंगे कार पूलिंग और आधे कर्मचारी दो दिन करेंगे घर से काम

अनंत ज्ञान

◆ हाईकोर्ट का बड़ा फैसला ईंधन और सरकारी खर्च घटाने की पहल

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने बढ़ते सरकारी खर्च और ईंधन की खपत को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। हाईकोर्ट प्रशासन ने न्यायाधीशों के लिए कार पूलिंग व्यवस्था लागू करने के साथ-साथ कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था के तहत एक ही वाहन में कई जज अदालत आने-जाने का कार्य करेंगे, जिससे सरकारी वाहनों और ईंधन के उपयोग में कमी आएगी।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल भूपेश शर्मा की ओर से जारी आदेशों में कहा गया है कि रजिस्ट्री की प्रत्येक शाखा और सेक्शन के 50 प्रतिशत कर्मचारियों को सप्ताह में अधिकतम दो दिन घर से काम करने की अनुमति दी जाएगी। बाकी कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया ने इस व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं और सभी शाखाओं को साप्ताहिक रोस्टर तैयार करने को कहा गया है। आदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि घर से काम करने वाले कर्मचारियों को हर समय मोबाइल फोन पर उपलब्ध रहना होगा। आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तुरंत कार्यालय बुलाया जा सकता है। जिन विभागों में काम की प्रकृति के कारण वर्क फ्रॉम होम संभव नहीं है, वहां यह सुविधा लागू नहीं होगी। ऐसे मामलों में संबंधित रजिस्ट्रार को अंतिम निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है, ताकि न्यायिक कार्य प्रभावित न हों।

उधर, प्रदेश में पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त सेस लगाए जाने की चर्चाओं के बीच हाईकोर्ट की यह पहल सरकारी खर्च कम करने की दिशा में अहम मानी जा रही है। इससे पहले राज्यपाल कविंद्र भी सरकारी वाहनों का काफिला घटाने और हेलिकॉप्टर का सीमित उपयोग करने जैसे फैसले ले चुके हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में अन्य सरकारी विभाग भी खर्च नियंत्रण के लिए इसी तरह के कदम उठा सकते

ग्लोबल मंच पर मोदी का डंका: डॉ. सिकंदर

कहा-31वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान हासिल कर प्रधानमंत्री ने रचा नया इतिहास

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। विश्व राजनीति व कूटनीति के मंच पर भारत ने एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीडन के सर्वोच्च राजकीय सम्मान कमांडर ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार से सम्मानित किए जाने के बाद देशभर में गर्व और उत्साह का माहौल है। गोटेनबर्ग में आयोजित भव्य समारोह में स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया ने प्रधानमंत्री मोदी को यह ऐतिहासिक सम्मान प्रदान किया। सिकंदर ने इसे 140 करोड़ भारतीयों के आत्मविश्वास, बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और भारत की मजबूत विदेश नीति की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नाम अब 31 अंतरराष्ट्रीय सम्मान दर्ज हो चुके हैं, जो किसी भी भारतीय राष्ट्रप्रमुख के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। प्रोफेसर कुमार ने कहा कि 1748 से शुरू हुए स्वीडन के इस प्रतिष्ठित सम्मान को पाने वाले प्रधानमंत्री मोदी पहले एशियाई नेता बन गए हैं, जिससे विश्व मंच पर भारत का गौरव और अधिक ऊंचा हुआ है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विदेश नीति को नई दिशा और नई शक्ति दी है। आज अमेरिका, फ्रांस, रूस, यूएई, सऊदी अरब और अब स्वीडन जैसे देशों के साथ भारत के संबंध अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंच चुके हैं। प्रोफेसर सिकंदर कुमार ने कहा कि जी-20 की सफल अध्यक्षता से लेकर विकासशील देशों की आवाज बनने तक भारत ने पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। स्वीडन यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ग्रीन हाइड्रोजन और डीप-टेक विनिर्माण में निवेश के लिए वैश्विक कंपनियों को आमंत्रित कर यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब दुनिया का सबसे भरोसेमंद आर्थिक और निवेश केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में जब दुनिया आर्थिक अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है।

राजीव गांधी के शहादत दिवस पर कल होगा श्रद्धांजलि कार्यक्रम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। नगर निगम शिमला द्वारा भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के शहादत दिवस पर 21 मई को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10 बजे सद्भावना चौक, छोटा शिमला स्थित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा के समीप आयोजित होगा। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त की ओर से विभिन्न सामाजिक संगठनों और गणमान्य लोगों को आमंत्रण भेजा गया है। नगर निगम प्रशासन ने लोगों से इस अवसर पर पहुंचकर दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित करने की अपील की है। कार्यक्रम के दौरान राजीव गांधी के देश निर्माण, आधुनिक भारत की नींव मजबूत करने तथा तकनीकी विकास में दिए गए योगदान को भी याद किया जाएगा।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की नई उड़ान अब ड्रोन से पहुंचेंगे सैंपल और दवाएं

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा और दूरगामी कदम उठाया है। अब प्रदेश के दुर्गम और जनजातीय क्षेत्रों से मरीजों के ब्लड, यूरिन तथा अन्य चिकित्सीय सैंपल ड्रोन के माध्यम से मेडिकल कॉलेजों और जोनल अस्पतालों तक पहुंचाए जाएंगे।

सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को ड्रोन पॉलिसी लागू करने के निर्देश दे दिए हैं। इस नई व्यवस्था का सबसे अधिक लाभ बड़ा भंगाल, किन्नौर, लाहौल-स्पीति, पांगी, भरमौर और मंडी के दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को मिलेगा, जहां अब तक छोटी जांच के लिए भी मरीजों को लंबा सफर तय करना पड़ता था। ड्रोन ट्रायल पहले ही सफल हो चुका है और अब इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने की तैयारी चल रही है। प्रदेश के अनेक स्वास्थ्य केंद्रों में जांच सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण मरीजों के सैंपल बसों या अन्य साधनों से जोनल अस्पतालों की प्रयोगशालाओं तक भेजे जाते हैं। इस प्रक्रिया में तीन से पांच दिन तक का समय लग जाता है। कई बार मौसम खराब होने, सड़क बंद होने या बर्फबारी के कारण रिपोर्ट आने में और देरी हो जाती है। नई ड्रोन व्यवस्था लागू होने के बाद सैंपल उसी दिन लैब तक पहुंच सकेंगे और जांच रिपोर्ट शाम तक ऑनलाइन संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों तथा चिकित्सकों को उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे मरीजों के उपचार में तेजी आएगी और गंभीर रोगों की पहचान समय रहते हो सकेगी। सरकार का मानना है कि ड्रोन तकनीक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगी। इससे न केवल जांच प्रक्रिया तेज होगी, बल्कि दूरदराज के क्षेत्रों तक दवाइयों की आपूर्ति भी आसान हो जाएगी। प्रदेश के अस्पतालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी के बीच यह तकनीक स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती देने में मददगार साबित हो सकती है।

ड्रोन पॉलिसी पूरी तरह से तैयार: निपुण जिंदल

आईटी निदेशक निपुण जिंदल व एनएचएम निदेशक प्रदीप कुमार ने कहा कि ड्रोन पॉलिसी तैयार है और इसे जल्द पूरी तरह लागू किया जाएगा। वहीं पांगी, होली और भरमौर के लोगों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे अब मरीजों को छोटी बीमारी के इलाज और जांच के लिए बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तथा समय पर उपचार मिल सकेगा।

◆ दुर्गम क्षेत्रों के मरीजों को राहत, शाम तक ऑनलाइन मिलेगी जांच रिपोर्ट

प्रेमनाथ डोगरा के राष्ट्रवादी योगदान को नमन

राज्यपाल कविंद्र ने जम्मू-कश्मीर एकीकरण का सच्चा शिल्पकार बताया

अनंत ज्ञान

प्रेमनाथ डोगरा को श्रद्धांजलि अर्पित करते राज्यपाल। अनंत ज्ञान

◆ एक निशान, एक विधान, एक प्रधान आंदोलन के संघर्ष को किया याद

ब्यूरो, शिमला। जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ पूर्ण एकीकरण के प्रखर समर्थक और प्रजा परिषद आंदोलन के प्रमुख स्तंभ पंडित प्रेमनाथ डोगरा को याद करते हुए राज्यपाल ने उन्हें राष्ट्रवादी विचारधारा का अमिट प्रतीक बताया। जम्मू स्थित प्रेमनाथ डोगरा भवन में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि पंडित डोगरा ने अपने दृढ़ नेतृत्व, अटूट संकल्प और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण के बल पर इतिहास में विशिष्ट स्थान बनाया।

उन्होंने कहा कि शेर-ए-दुग्गर के नाम से प्रसिद्ध पंडित प्रेमनाथ डोगरा ने जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ बिना शर्त एकीकरण के लिए आजीवन संघर्ष किया और उनका योगदान स्वतंत्र भारत के राष्ट्रवादी इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है।

राज्यपाल ने कहा कि 'एक निशान, एक विधान, एक प्रधान' आंदोलन ने देशभर में राष्ट्रीय चेतना को नई दिशा दी और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ पंडित डोगरा का संघर्ष जम्मू-कश्मीर के संवैधानिक एकीकरण का आधार बना। उन्होंने यह भी कहा कि पंडित प्रेमनाथ डोगरा ने राजनीति के साथ-साथ आम जनकल्याण, डोगरी भाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए। इस अवसर पर उनके पैतृक गांव समीलपुर में उनकी प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा को ऐतिहासिक श्रद्धांजलि बताया गया, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनके राष्ट्रसेवा और त्याग से प्रेरणा ले सकेंगी।

ठियोग में अब थाथल आंगनबाड़ी केंद्र में होगा मतदान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। ठियोग विकास खंड की ग्राम सभा धरकंदरू के वार्ड नंबर-1 थाथल के मतदान केंद्र में आंशिक संशोधन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह बदलाव निर्वाचन आयोग के पत्र संख्या एसईसी (एफ)-1-4/2024-7749 दिनांक 18 मई 2026 के संदर्भ में लागू किया गया है।

पूर्व में अधिसूचित मतदान केंद्र राजकीय प्राथमिक पाठशाला क्यार जुब्बड़ निर्धारित किया गया था, जिसे अब बदलकर आंगनवाड़ी केंद्र थाथल किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित क्षेत्र के मतदाताओं से संशोधित मतदान केंद्र की जानकारी ध्यान में रखते हुए मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।

उलझन नई जांच समितियों और कड़े सत्यापन नियमों से बागवानों में बढ़ी बेचैनी

प्रदेश में एमआईएस पर घिरी कांग्रेस सरकार

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मंडी मध्यस्थ योजना को लेकर राज्य की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। सरकार द्वारा हाल ही में जारी किए गए नए दिशा-निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया ने बागवानों की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। जिस योजना को बागवानों को राहत देने और उनकी उपज का सुरक्षित विपणन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किया गया था, अब उसी योजना में कठोर सत्यापन, जांच समितियों और बहुस्तरीय पड़ताल की व्यवस्था ने बागवानों को संदेह और अविश्वास के घेरे में ला खड़ा किया है। भाजपा ने इसे कांग्रेस सरकार की प्रशासनिक विफलता बताते हुए तीखा हमला बोला है।

भाजपा के राज्य सोशल मीडिया एवं आईटी प्रभारी चेतन सिंह बरागटा ने कहा कि सरकार द्वारा जारी एमआईएस दस्तावेज स्वयं इस बात का प्रमाण हैं कि पूरी व्यवस्था में गंभीर अनियमितताओं और फर्जी दावों की आशंका रही है। उन्होंने कहा कि अब एसडीएम की अध्यक्षता में जांच समितियों का गठन कर राजस्व विभाग, उद्यान विभाग और एचपीएमसी अधिकारियों को किसानों की भूमि, सेब के पेड़ों की संख्या, उत्पादन क्षमता, बैंक खातों और आपूर्ति अभिलेखों की जांच के निर्देश दिए गए हैं। बरागटा ने सवाल उठाया कि यदि पहले पूरी प्रक्रिया पारदर्शी व विश्वसनीय थी, तो फिर इतनी व्यापक जांच व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता आखिर क्यों पड़ी।

उन्होंने आरोप लगाया कि एसओपी में आधार सत्यापन, बैंक खातों का मिलान, भूमि अभिलेखों की जांच, डुप्लीकेट प्रविष्टियों को रोकने और बड़े मामलों की अलग से जांच जैसी शर्तें स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं कि सरकार को स्वयं एमआईएस व्यवस्था पर भरोसा नहीं रहा। बरागटा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बिना मजबूत सत्यापन व्यवस्था के पूरी योजना चलाई और अब जब सवाल उठने लगे हैं तो जांच समितियों और नए नियमों के पीछे छिपने का प्रयास किया जा रहा है। उनके अनुसार सरकार की नीतियों ने मेहनतकश बागवानों को राहत देने के बजाय उन्हें संदेह, कागजी प्रक्रियाओं और प्रशासनिक उलझनों में धकेल दिया है।

बागवानों का सम्मान बचाए सरकार, दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई

बरागटा ने कहा कि भाजपा हिमाचल के बागवानों को ईमानदार और परिश्रमी मानती है, लेकिन कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली ने पूरे तंत्र को शक के घेरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने मांग की कि एमआईएस-2025 के अंतर्गत हुए सभी मामलों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच सुनिश्चित की जाए तथा जहां कहीं भी फर्जीवाड़ा, भ्रष्टाचार या नियमों के दुरुपयोग के मामले सामने आएं, वहां दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को बागवानों को राहत और विश्वास देने की दिशा में काम करना चाहिए, न कि नई शर्तों और जांच प्रक्रियाओं के माध्यम से उन्हें मानसिक और प्रशासनिक बोझ तले दबाने का प्रयास करना चाहिए। बरागटा ने आगे बताया कि अगर सरकार ने बागवानों का शोषण बंद नहीं किया तो जल्द ही सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आएंगे।

कांगड़ा में बढ़ने लगा गर्मी का प्रकोप तपने लगे मैदानी और पहाड़ी क्षेत्र

धर्मशाला, पालमपुर और बैजनाथ में वाटर रिसोर्सस की मैपिंग के निर्देश

◆ **जलापूर्ति न हो बाधित विभाग को गाइडलाइन जारी**

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। मैदानी क्षेत्रों के साथ पहाड़ भी तपने लगे हैं। प्रदेश के सबसे बड़े कांगड़ा जिले में भी गर्मी के प्रकोप का असर दिखने लगा है। ऐसे में पानी की आपूर्ति बाधित न हो, इसको लेकर जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

धर्मशाला, पालमपुर, बैजनाथ में वाटर रिसोर्सस की मैपिंग के निर्देश जारी किए गए हैं, साथ ही जिला में कहीं भी जलापूर्ति न हो बाधित, इसके लिए विभाग को गाइडलाइन जारी की गई है। एडीएम कांगड़ा शिल्पी बेक्टा ने बताया कि जिले में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। धर्मशाला, पालमपुर और बैजनाथ में पर्यटकों की संख्या अधिक रहती है। इन क्षेत्रों में वाटर रिसोर्सस की मैपिंग हो, जिससे कि लोगों को दिक्कत न हो, इस बारे में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

जवाली उपमंडल में पूर्व में आती रही हैं शिकायतें

एडीएम ने बताया कि गर्मियों में अभी तक पेयजल सप्लाई बाधित होने की शिकायतें नहीं आई हैं, लेकिन पिछले आंकड़ों के हिसाब से ज्वाली में इस तरह की समस्या आती रही है, जिसके चलते जल शक्ति विभाग के एसई को इस बारे में उचित कदम उठाने को कहा गया है।

फतेहपुर, नूरपुर सहित छह क्षेत्रों में गर्मियों में जल संकट पर प्रशासन सतर्क

एडीएम ने बताया कि फतेहपुर, नूरपुर, ज्वाली, इंदौरा, ज्वालामुखी और देहरा क्षेत्रों में गर्मियों के दौरान पानी की गंभीर किल्लत देखी जाती है, जिसके कारण कई बार एक-एक सप्ताह तक जलापूर्ति बाधित रहती है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बाधित न हो और नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। यदि कहीं सूखे जैसी स्थिति उत्पन्न होती है तो विभाग तुरंत आवश्यक कार्रवाई करे और इसकी जानकारी जिला प्रशासन को अनिवार्य रूप से दे, ताकि समय रहते राहत और वैकल्पिक व्यवस्था की जा सके। प्रशासन ने यह भी कहा कि जनता को परेशानी से बचाने के लिए टैंकर सप्लाई और वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग बढ़ाया जाएगा। इस व्यवस्था की लगातार समीक्षा करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

पहले तोड़ की चाय का 19 हजार किलो उत्पादन

मई में 16 हजार किलो से अधिक उत्पादन की संभावना, इस वर्ष डेढ़ लाख उत्पादन का लक्ष्य तय

अनंत ज्ञान

राजेश कुमार, धर्मशाला। पहले तोड़ की चाय का 19 हजार किलोग्राम उत्पादन दर्ज किया गया है। अप्रैल माह की चाय को पहले तोड़ की चाय कहा जाता है, जिसकी विदेशों में काफी डिमांड रहती है। मई माह में 16 हजार से अधिक किलोग्राम उत्पादन होने की संभावना है, जबकि इस वर्ष डेढ़ लाख किलोग्राम उत्पादन का लक्ष्य तय किया गया है।

धर्मशाला चाय उद्योग के प्रोडक्शन मैनेजर सुजीत रॉय ने अनंत ज्ञान से विशेष बातचीत में बताया कि अप्रैल माह में 19 हजार किलोग्राम से अधिक चाय तैयार की गई है। मार्च में 1000 किलोग्राम चाय बनाई गई थी। मई तक 30 हजार किलोग्राम चाय तैयार हो चुकी है। मई जून में भी उत्पादन अच्छा होने की आस है।

धर्मशाला स्थित चाय बागान।

मई में भी बढ़ेगा उत्पादन: सुजीत रॉय ने बताया कि मई में पिछले वर्ष 13 हजार किलोग्राम चाय बनी थी, जबकि इस बार अब तक 10 हजार किलोग्राम चाय बनाई जा चुकी है, उम्मीद है कि मई में 16 हजार किलोग्राम से चाय बन जाएगी। वर्तमान में मौसम चाय के अनुरूप है, बारिशें अच्छी हुई हैं, अब मौसम गर्म है, जिससे रात में भी गर्माहट जो कि चाय उत्पादन के लिए अच्छा है।

फ्रांस से चल रही बातचीत

धर्मशाला चाय उद्योग के प्रोडक्शन मैनेजर ने बताया कि इस बार 1 लाख 50 हजार किलोग्राम चाय उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, क्योंकि मौसम भी साथ दे रहा है। विदेशों से अभी कोई ऑर्डर नहीं आया है, जबकि फ्रांस से बातचीत चल रही है। दिल्ली व कोलकाता में चाय बेची गई है।

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग आज आएंगे धर्मशाला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग बुधवार को जिला कांगड़ा दौरे पर धर्मशाला पहुंचेंगे। वे सुबह सवा आठ बजे कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां से धर्मशाला के लिए प्रस्थान करेंगे। 21 मई को सिक्किम के सीएम धर्मशाला में ही रहेंगे और 22 को उनका वापस लौटने का कार्यक्रम निर्धारित है। सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग के साथ सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष मिंगमा नोरबू शेरपा, बिल्डिंग एंड हाउसिंग डिपार्टमेंट के मंत्री भिन हंग सुब्बा, विधायक संजीत खरेल, सुदेश कुमार सुब्बा, आईपीएस अश्वनी कुमार सहित अन्य लोग धर्मशाला आएंगे।

न्यूज ब्रीफ

सुराखानी नाला मार्ग 30 मई तक रहेगा बंद

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिसूचना जारी की है कि सुराखानी नाला से राजिंदर कुमार हाउस रोड का मरम्मत कार्य 20 मई से 30 मई तक चलेगा। इस दौरान यह मार्ग सभी प्रकार के वाहनों के लिए पूर्ण रूप से बंद रहेगा। वाहन चालकों को गाड़ियों की आवाजाही के लिए पटोला से मोहली होते हुए फटी रोड का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

सुरानी की काजल ने पहाड़ी गीत में बिखेरा जादू

अनंत ज्ञान, गरली। सुरानी गांव की बेटी काजल ने अपनी मधुर आवाज से पहाड़ी संगीत जगत में धमाकेदार वापसी की है। उनका नया भक्ति एवं सांस्कृतिक वीडियो सॉन्ग सोहणे दरबार रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और दर्शकों का भरपूर प्यार बटोर रहा है। गीत में काजल की सुरीली आवाज ने भक्ति और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम पेश किया है। लवनीश काजल म्यूजिक के बैनर तले यह गीत युवाओं और संगीत प्रेमियों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

धनोटू बल्ला, सूरजपुर में कल बंद रहेगी बिजली

अनंत ज्ञान, पिंकी, डाडासीबा। विद्युत उप-मंडल ढलियारा के अंतर्गत आने वाले 11केवी फीडर धनोट बल्ला में उचित रख-रखाव और मुरम्मत कार्य के चलते 21 मई को विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता ई. मनीष कुमार सन्धू के अनुसार, धनोटू बल्ला, सूरजपुर, टिन्डी, मचकुंड महादेव, बस्सी और जल शक्ति विभाग की स्कीमों में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक अथवा कार्य पूर्ण होने तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।

एचपीएसओएस 2026 परीक्षा शेडयूल में संशोधन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) के तहत सितंबर 2026 में होने वाली 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के शेड्यूल में संशोधन किया है। अब अभ्यर्थी 28 मई तक बिना लेट फीस के ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 29 मई से 24 जून तक आवेदन करने पर 1000 रुपये अतिरिक्त शुल्क लगेगा, जबकि 25 जून से 13 जुलाई तक 2000 रुपये लेट फीस देनी होगी। परीक्षा शुल्क फ्रेश एडमिशन, टीओसी, री-एडमिशन और री-अपीयर श्रेणियों के लिए अलग-अलग निर्धारित किया गया है।

पुडुचेरी से 48 छात्र पहुंचे हिमाचल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की पहल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत - युवा संगम' के तहत हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में एनआईटी पुडुचेरी के 48 छात्रों और पांच फैकल्टी समन्वयकों का स्वागत किया गया। पांच दिवसीय इस दौरे में छात्र हिमाचल की संस्कृति, पर्यटन और सामाजिक जीवन का अनुभव करेंगे। कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने बताया कि इसका उद्देश्य युवाओं में भावनात्मक जुड़ाव और अनुभव आधारित सीख बढ़ाना है। कार्यक्रम के दूसरे दिन राज्यपाल कविंदर गुप्ता छात्रों के साथ संवाद करेंगे और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन होगा। छात्र दल जून में पुडुचेरी रवाना होगा।

द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 21 से

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। विश्वविद्यालय और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में 21-22 मई को शाहपुर परिसर में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'पर्यावरणीय स्थिरता, जलवायु अनुकूलन एवं आपदा प्रबंधन-2026 (श्वस्त्ष्ठ-2026)' आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ अपने व्याख्यान और शोध अनुभव साझा करेंगे। प्रतिभागी पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शोध साझा करेंगे, जबकि श्रेष्ठ प्रस्तुतियों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

कांगड़ा में आज खुलेगा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्वास्थ्य केंद्र

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक एसोसिएशन के सौजन्य से कांगड़ा शहर में 20 मई को सुबह 9:30 बजे नया स्वास्थ्य केंद्र खोला जाएगा। राज्य संयोजक सुरेंद्र ठाकुर ने बताया कि इस केंद्र का संचालन सर्वोदय इंस्टीट्यूट ऑफ इलैक्ट्रोहोम्योपैथी धर्मशाला के सहयोग से होगा। यहां वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ प्रशिक्षु भी मरीजों को सेवाएं देंगे। केंद्र में प्राकृतिक उपचार प्रणालियों के माध्यम से इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी। एसोसिएशन का पहला केंद्र टांडा रोड गुप्त गंगा में पहले ही जनता को सेवा दे रहा है।

पांच दिन में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के रेट, बोझ बढ़ा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। पेट्रोल व डीजल के रेट में फिर से वृद्धि हुई है। पांच दिन में दूसरी बार रेट बढ़ाए गए हैं। पिछले शुक्रवार को भी पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ाए गए थे, उस दौरान प्रीमियम पेट्रोल का रेट 2 रुपए 95 पैसे, नार्मल पेट्रोल 2 रुपए 90 पैसे और डीजल रेट में 2 रुपए 73 पैसे की बढ़ोतरी की गई थी।

अब पेट्रोल नार्मल व प्रीमियम के रेट 85 पैसे और डीजल के रेट 88 पैसे बढ़ाए गए हैं। लोगों का कहना है कि मिडल ईस्ट संकट का असर अब दिखने लगा है यानी आने वाले दिनों में पेट्रोल व डीजल के रेट और बढ़ सकते हैं, जिससे महंगाई भी बढ़ेगी। एक वर्ग का कहना है कि केंद्र सरकार रेट्स को मैनेज नहीं कर पा रही है, जबकि एक वर्ग का कहना है कि अन्य देशों में पहले से रेटस काफी बढ़ाए गए हैं और भारत में धीरे-धीरे रेट बढ़ाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि विश्व के अन्य देशों के मुकाबले, भारत की केंद्र सरकार रेटस को अच्छे से मैनेज कर रही है।

◆ **लोग बोले- बढ़ेगी महंगाई; रहना होगा तैयार**

धर्मशाला में पेट्रोल पंप पर तेल भरवाते वाहन चालक। अनंत ज्ञान

अच्छे से मैनेज कर रही केंद्र सरकार : निहरंजन

पंजाब बठिंडा से आए निहरंजन ने कहा कि मिडल ईस्ट संकट के चलते ऐसी स्थिति आना लाजमी है। उनका कहना था कि यह रेट अधिक तेजी से बढ़ने चाहिए थे, लेकिन केंद्र सरकार अच्छे से रेटस को मैनेज कर रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इसका असर काफी कम नजर आ रहा है। यही उम्मीद है कि मिडल ईस्ट संकट जल्द सुलझे और सभी को पेट्रो पदार्थों की बढ़ोतरी व अन्य समस्याओं से निजात मिले।

मिडल ईस्ट संकट का असर : बज्र

सुधेड़ निवासी बज्र सिंह ने कहा कि पेट्रोल व डीजल रेट बढ़ोतरी से महंगाई में इजाफा होगा। मिडल ईस्ट संकट का असर अन्य देशों में भी पड़ रहा है। महंगाई भी बढ़ेगी, इसके लिए हमें तैयार रहना होगा।

केंद्र सरकार फेल : किशन

दिल्ली से आए किशन कुमार ने कहा कि क्रूड ऑयल रेट कम होने के बावजूद भी पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। पीएम मोदी हमें गाड़ियों में जाने के लिए मना कर रहे हैं, खुद जहाज में विदेश जा रहे हैं। केंद्र सरकार फेल है, जनहित में कोई कार्य नहीं हो रहा है।

नशा तस्कर सोनिका राणा व उसके बेटों की 96,77,350 की संपत्तियां फ्रीज

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। कांगड़ा पुलिस द्वारा नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए सोनिका राणा पत्नी विनोद कुमार निवासी गांव मलेहड़ डाकघर कुदैल तहसील बैजनाथ तथा उसके पुत्रों प्रिंस राणा व आकाश राणा द्वारा कथित रूप से नशा तस्करी से अर्जित 96,77,350 की संपत्तियों को फ्रीज किया है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि फ्रीज की गई संपत्तियों में दो महिंद्रा बोलेरो मैक्स पिक-अप वाहन, एक रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल, एक निर्मित आवासीय मकान, सोने एवं चांदी के आभूषण, विभिन्न बैंक खातों में जमा राशि और एफडीआर एवं एलआईसी पॉलिसियां शामिल हैं। 24 फरवरी 2026 को पुलिस थाना बैजनाथ में एफआईआर संख्या 28/2026 दर्ज की गई थी, जिसमें 32.56 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। इस मामले में प्रिंस राणा निवासी गांव मलेहड़, डाकघर कुड़ैल, तहसील बैजनाथ व सुधांशु सोनी निवासी जिला मंडी को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि आरोपी सोनिका राणा पत्नी विनोद कुमार निवासी गांव मलेहड़ डाकघर कुदैल तहसील बैजनाथ, उसका दूसरा पुत्र आकाश राणा तथा अन्य सहयोगियों की भी कथित संलिप्तता भी इस प्रकरण में पाई गई, जिन्हें 25 फरवरी व 1 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस द्वारा मामले में शामिल आरोपियों की संपत्ति की वित्तीय जांच की गई, जो वित्तीय जांच के उपरांत पुलिस थाना बैजनाथ द्वारा सोनिका राणा पत्नी विनोद कुमार व उसके पुत्रों प्रिंस राणा व आकाश राणा के नाम पर कथित रूप से नशा तस्करी से अर्जित 96,77,350 की संपत्तियां पाई गई। थाना बैजनाथ पुलिस ने 19 अप्रैल 2026 को 96,77,350 की संपत्तियां फ्रीजिंग आदेश जारी किया। जो 18 मई 2026 को सक्षम प्राधिकारी नई दिल्ली द्वारा उक्त फ्रीजिंग आदेश की पुष्टि की गई है।

कालेश्वर महादेव में ब्यास नदी में डूबा पंजाब का 19 वर्षीय युवक

अनंत ज्ञान

◆ **फगवाड़ा से दोस्तों संग मंदिर में माथा टेकने आया था विशाल**

गरली। कालेश्वर महादेव में मंगलवार को श्रद्धालुओं की यात्रा अचानक दर्दनाक हादसे में बदल गई। फगवाड़ा का 19 वर्षीय विशाल ब्यास नदी में नहाने के दौरान तेज बहाव में बह गया और कुछ ही क्षणों में पानी की आगोश में समा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विशाल दोस्तों के साथ मंदिर दर्शन के बाद नदी किनारे पहुंचा था। सभी युवक नहाने लगे, लेकिन विशाल गहरे पानी की तरफ चला गया और बहाव के कारण खुद को संभाल नहीं पाया।

दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही सेकंड में वह पानी में ओझल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। रक्कड़ पुलिस थाना प्रभारी इलमदीन की टीम स्थानीय ग्रामीणों और युवकों की मदद से नदी से विशाल को बाहर निकालने में सफल हुई। गंभीर हालत में उसे ज्वालामुखी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर सुनते ही उसके दोस्तों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और फगवाड़ा में परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बताया जा रहा है कि विशाल हिमाचल घूमने और मंदिर में माथा टेकने आया था, लेकिन यह उसकी जीवन यात्रा का आखिरी पड़ाव बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर ब्यास नदी किनारे सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोग बताते हैं कि गर्मियों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां आते हैं, लेकिन खतरनाक घाटों पर पर्याप्त चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं। एसपी देहरा मयंक चौधरी ने घटना की पुष्टि की और कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है तथा कानूनी प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है।

जिला उपभोक्ता शिकायत निवारण आयोग ने वरिष्ठ नागरिक दंपती के पक्ष में सुनाया फैसला

अनंत ज्ञान

◆ **बीमा कंपनी और अस्पताल को ठहराया जिम्मेदार**

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला उपभोक्ता शिकायत निवारण आयोग धर्मशाला ने वरिष्ठ नागरिक दंपती के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी और अस्पताल को संयुक्त रूप से जिम्मेदार ठहराया है। पुरी सुनवाई के बाद आयोग ने माना कि बीमा पॉलिसी के बावजूद मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज के समय भारी आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी है।

पालमपुर के सुंगल टी एस्टेट निवासी वीसी शर्मा और उनकी पत्नी ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से नेशनल सीनियर सिटीजन मेडिक्लेम पॉलिसी ली थी, जिसमें 5 लाख रुपए का बीमा कवर था। जनवरी 2024 में शशि शर्मा का नई दिल्ली स्थित मैक्स देवकी देवी हार्ट एंड वैस्कुलर इंस्टीट्यूट में ऑपरेशन हुआ। अस्पताल का कुल बिल 2,51,098 रुपए बना, लेकिन बीमा कंपनी ने केवल 92 हजार रुपए की कैशलेस मंजूरी दी। शेष 1,59,098 रुपए की व्यवस्था शिकायतकर्ताओं को रिश्तेदारों से उधार लेकर करनी पड़ी। आयोग ने माना कि बीमित राशि 5 लाख रुपए होने और उपचार खर्च उसके भीतर होने के बावजूद पूरा क्लेम न देना सेवा में कमी है। आयोग ने पाया कि अस्पताल ने निर्धारित पैकेज दरों से अधिक शुल्क वसूला और इसके लिए मरीज या परिजनों से कोई स्पष्ट सहमति नहीं ली। साथ ही, मरीज को सुबह डिस्चार्ज के लिए फिट घोषित किए जाने के बावजूद देर शाम तक अस्पताल में रोके रखा गया, जिसका कारण बीमा स्वीकृति को लेकर अस्पताल और बीमा कंपनी के बीच विवाद था। आयोग के अध्यक्ष हेमांशु मिश्रा तथा सदस्य आरती सूद और नारायण ठाकुर की पीठ ने कहा कि बीमा कंपनी और अस्पताल के आपसी प्रशासनिक विवाद का खामियाजा उपभोक्ता को नहीं भुगतना चाहिए। विपक्षी पक्षों 1 और 3 को संयुक्त रूप से और अलग-अलग शिकायतकर्ता को 1,59,098 रुपए की राशि 9 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज सहित भुगतान करने तथा शिकायतकर्ता को 20,000 रुपए का मुआवजा और 10,000 रुपए का मुकदमेबाजी खर्च भी देने के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी कर्मियों को चुनाव करवाने वाली पार्टी के लिए खाना बनाने के आदेश का किया विरोध

◆ **आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर यूनियन बोली- फैसले को लिया जाए वापस**

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। आंगनबाड़ी वर्कर्स हेल्पर यूनियन (संबद्ध सीटू) जिला कमेटी कांगड़ा ने चुनाव आयोग द्वारा चुनाव ड्यूटी के दौरान पोलिंग पार्टियों के लिए भोजन तैयार करने संबंधी आदेश का कड़ा विरोध किया है। मंगलवार को जारी प्रेस बयान में यूनियन की जिला प्रधान सुदेश देवी और जिला सचिव लज्या ठाकुर ने इसे अव्यवहारिक और महिला विरोधी निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पहले से ही अत्यधिक कार्यभार से जूझ रही हैं और चुनाव दिवस पर उन्हें अवकाश भी दिया जाता है। ऐसे में उनसे भोजन व्यवस्था की अतिरिक्त जिम्मेदारी लेना अनुचित है। यूनियन ने सवाल उठाया कि जब पोलिंग पार्टियां एक दिन पहले बूथ पर पहुंच जाती हैं, तो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने केंद्र का काम करें या उनके लिए भोजन बनाएं। यूनियन ने यह भी कहा कि आंगनबाड़ी कर्मियों में 100 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि चुनावी दलों में अधिकतर पुरुष होते हैं, जिससे देर रात तक भोजन व्यवस्था करने में सुरक्षा संबंधी जोखिम भी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि रात 10-11 बजे तक काम कराना महिलाओं की सुरक्षा और श्रम नियमों के खिलाफ है। यूनियन ने हिमाचल प्रदेश सरकार और चुनाव आयोग से इस आदेश पर पुनर्विचार कर इसे तुरंत वापस लेने की मांग की है

डरोह के दूहकी गांव में पानी की भारी किल्लत, ग्रामीण परेशान

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा, डरोह। भारी गर्मी के चलते डरोह के दूहकी गांव में पीने के पानी की समस्या गंभीर हो गई है। गांव में लगभग 57 परिवार रहते हैं। वहीं, सैकड़ों पुलिस जवान अपने परिवारों के साथ तैनात हैं। इन सभी को पीने के पानी की भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन विभाग समय-समय पर नए आदेश जारी कर उनकी परेशानी बढ़ा रहा है। बीते तीन दिनों से विभाग के नए जेई ने फरमान दिया कि इस गांव को हर दो दिनों में केवल एक बार पानी दिया जाएगा, और वह भी केवल एक घंटे के लिए। इससे ग्रामीणों और तैनात पुलिस जवानों के लिए पानी की भारी किल्लत पैदा हो गई। गांव का एकमात्र प्राकृतिक जल स्रोत भी सूखने लगा है, जिससे लोग तीन किलोमीटर दूर पानी लेने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्या का स्थायी समाधान शीघ्र नहीं किया गया, तो वे एसडीओ कार्यालय डरोह में परिवार सहित धरने पर बैठेंगे।

उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी विभाग की होगी। वहीं, विभाग के पास इस इलाके में कोई नियमित जेई नहीं है। अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे जेई रजत राणा ने माना कि समस्या पिछले एक सप्ताह से चल रही थी, जिसका कारण पालमपुर से पानी की सप्लाई न होना था। उन्होंने बताया कि सप्लाई को ठीक कर दिया गया है। अब ग्रामीणों और पुलिस जवानों को दिन में दो बार पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे यह समस्या जल्द ही हल हो जाएगी।

नशा तस्करी में सक्रिय आरोपी को 3 माह की निवारक हिरासत में भेजा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पुलिस नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में राहुल उर्फ रोली, निवासी गांव तरसूह, डाकघर सकौत, तहसील एवं जिला कांगड़ा को पीआईटी एनडीपीएस एक्ट 1985 के तहत तीन माह के लिए निवारक हिरासत में भेजा गया है।

एसपी कांगड़ा अशोक रत्न के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना कांगड़ा में चार मामले दर्ज हैं। उसके कब्जे से हेरोइन/चिट्टा और चरस जैसे नशीले पदार्थ बरामद किए गए थे। बार-बार गिरफ्तारी और जमानत के बावजूद आरोपी नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी करता रहा। पुलिस और अन्य खुफिया रिपोर्टों से स्पष्ट हुआ कि वह क्षेत्र में मादक पदार्थों की आपूर्ति और वितरण में सक्रिय है, जिससे विशेषकर युवाओं के स्वास्थ्य और समाज की शांति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सार्वजनिक हित और जन-सुरक्षा की दृष्टि से आरोपी की गतिविधियों को रोकना आवश्यक पाया गया। इसी के आधार पर जिला कांगड़ा पुलिस ने 6 अप्रैल 2026 को आरोपी के खिलाफ निवारक हिरासत के लिए प्रस्ताव तैयार किया और उच्चाधिकारियों के माध्यम से सक्षम प्राधिकारी को भेजा।

सक्षम प्राधिकारी ने पीआईटी एनडीपीएस एक्ट 1988 की धारा 3(1) के तहत कार्रवाई करते हुए राहुल उर्फ रोली को तीन माह के लिए जिला जेल कांगड़ा, धर्मशाला में निरुद्ध करने के आदेश पारित किए। 17 अप्रैल 2026 को जिला कांगड़ा पुलिस ने आदेशों का पालन करते हुए अधीक्षक जिला कारागार धर्मशाला के माध्यम से आरोपी को नियमानुसार हिरासत में सौंपा। यह कदम क्षेत्र में नशा तस्करी रोकने और समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया।

भनेड़ पंचायत में पारिवारिक मुकाबले से दिलचस्प हुआ प्रधान पद का चुनाव

अनंत ज्ञान, पिंकी, डाडासीबा। जसवां-परागपुर विधानसभा क्षेत्र के तहत परागपुर ब्लॉक की भनेड़ पंचायत में प्रधान पद के लिए पारिवारिक रिश्तों के बीच सीधा चुनावी मुकाबला देखने को मिल रहा है, जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में जोरों पर है। जानकारी के अनुसार प्रधान पद के लिए कुल चार उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। खास बात यह है कि इनमें दो उम्मीदवार आपस में देवरानी-जेठानी हैं, जबकि अन्य दो उम्मीदवार सगी बहनें बताई जा रही हैं। एक ही परिवार के सदस्यों के आमने-सामने चुनाव लडने से पंचायत चुनाव ने अलग ही रंग पकड़ लिया है और ग्रामीणों में इसे लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। गांव-गांव और चौपालों में इस अनोखे मुकाबले की चर्चा हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पंचायत चुनाव सामान्यत: विकास कार्यों, जनहित और पंचायत की तरक्की के मुद्दों पर लड़े जाते हैं, लेकिन इस बार भनेड़ पंचायत में पारिवारिक रिश्तों ने चुनाव को खास बना दिया है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी है कि जब एक ही परिवार के सदस्य चुनावी मैदान में उतरते हैं, तो इसका असर सामाजिक और पारिवारिक संबंधों पर भी पड़ सकता है। हालांकि सभी उम्मीदवार अपने-अपने स्तर पर जनता के बीच जाकर समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं और विकास, पारदर्शिता तथा पंचायत हित को अपनी प्राथमिकता बता रहे हैं।

नवनियुक्त एवं पदोन्नत प्राचार्यों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू, शिक्षा व्यवस्था सुधार पर जोर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग की पहल पर धर्मशाला स्थित राजकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में स्कूल प्राचार्यों के लिए पांच दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नवनियुक्त एवं पदोन्नत प्राचार्यों को स्कूल प्रशासन, शैक्षणिक नेतृत्व और विभागीय नीतियों की विस्तृत जानकारी देना है, ताकि सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाया जा सके।

उद्घाटन सत्र में प्राचार्यों के अधिकार एवं कर्तव्यों, शैक्षणिक नेतृत्व तथा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में परिवर्तन के दौरान आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान शिक्षा सचिव हिमाचल प्रदेश का विशेष संबोधन भी आयोजित हुआ। दूसरे दिन नवीनतम शैक्षिक सुधारों, स्कूल

शैक्षणिक नेतृत्व और विभागीय नीतियों की मिलेगी जानकारी।

कॉम्प्लेक्स प्रणाली, बीएड-डीएलएड प्रशिक्षुओं के दिशा-निर्देश, मोबाइल फोन प्रतिबंध और प्री-प्राइमरी प्रवेश नियमों पर चर्चा होगी। साथ ही आरटीआई एक्ट-2005 और नई शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। तीसरे दिन वित्तीय एवं प्रशासनिक विषयों जैसे कोर्ट केस प्रबंधन, पीएफएमएस, एसएनए, जीएफआर नियम, अवकाश और सेवा नियमों की जानकारी दी जाएगी। चौथे और पांचवें दिन सामुदायिक सहभागिता, एसएमसी की भूमिका, डिजिटल शिक्षा, यूडाइज+, वीएसके, डिजिटल अटेंडेंस और विभागीय निरीक्षण पर प्रशिक्षण होगा। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। शिक्षा विभाग के अनुसार यह पहल सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक और प्रशासनिक गुणवत्ता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

बुजुर्ग, विकलांगों को घर पर वोट डालने की नहीं मिलेगी सुविधा

विस चुनावों में 80 वर्ष से अधिक मतदाताओं ने घर से किया था मतदान

अनंत ज्ञान

अनिल कुमार, हमीरपुर। गांव की सबसे छोटी संसद में 26, 28 व 30 मई को वोट डाले जाएंगे। इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई गाइडलाइन में बुजुर्ग और विकलांग मतदाता घर पर वोट नहीं डाल सकेंगे।

चुनाव आयोग ने सीधे तौर स्पष्ट कर दिया है कि जो दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, वे यथावत रहेंगे। इनमें किसी प्रकार की अन्य सुविधा को नहीं जोड़ा जाएगा। पंचायतीराज चुनावों में मतदान के लिए कुछ दिन शेष ऐसे में अपने अपने क्षेत्र के उम्मीदवारों को जिताने का उत्साह मतदाताओं में भी देखा जा रहा है। हालांकि दिन प्रतिदिन गर्मी बढ़ती जा रही है, लेकिन गर्मी बढ़ने के साथ ही पंचायती राज चुनावों में सरगर्मियां पूरे उफान पर हैं। उम्मीदवार मतदाताओं के घर पर सुबह शाम दस्तक दे रहे हैं, जिससे वे अपने पक्ष में मतदान करवा सकें। ऐसे में बुजुर्ग और विकलांग मतदाताओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं। उन्हें घर पर वोट न डालने की सुविधा नहीं मिलेगी। अभी हाल ही में नगर निकाय चुनावों में वोट डालकर आ रहे बुजुर्ग की रास्ते में मौत हो गई थी, जिसके चलते अब बुजुर्ग और विकलांग मतदाता चिंतित हो गए हैं। बुजुर्ग मतदाताओं का कहना कि विधानसभा चुनावों में तो चुनाव आयोग ने 80 वर्ष से अधिक बुजुर्गों के वोट घर पर डालने की सुविधा प्रदान की थी, लेकिन हिमाचल प्रदेश में हो रहे पंचायत राज चुनावों में यह सुविधा बंद कर दी गई है। विधानसभा चुनावों में विकलांगों के लिए रैंप भी बनवाए गए थे, जिससे वह अपना वोट डालने पहुंचे थे। लोगों को इन चुनावों में बुजुर्गों और विकलांग मतदाताओं को घर पर वोट डालने की सुविधा प्रदान करने के लिए चुनाव आयोग के आयुक्त को पत्र भी लिखा है। जिसमें यह मांग की है कि जिस प्रकार विधानसभा चुनावों में बुजुर्गों और विकलांगों को घर पर वोट डालने की सुविधा दी गई थी उसी प्रकार इन चुनावों में भी यह सुविधा प्रदान की जाए। गौर रहे कि बुजुर्ग और विकलांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाना परिजनों के लिए मुश्किल हो गया है और ऐसा भी नहीं है कि मतदान केंद्र घर के पास ही है। पहाड़ी क्षेत्र होने के चलते 80 वर्ष से अधिक बुजुर्गों को मतदान केंद्र तक पहुंचाना किसी चुनौती से कम नहीं है। इस बारे में जिला पंचायत अधिकारी बबिता ने बताया कि इस बारे में चुनाव आयोग में फोन कर पता किया है। उन्होंने बताया कि ऐसे कोई भी आदेश जारी नहीं किए गए हैं और न ही जारी किए जाएंगे।

'गठजोड़' से अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पद कब्जाने की कवायद में जुटे कांग्रेस जिलाध्यक्ष

भोटा के बाद सुजानपुर में भी बनाए हालात अनुकूल, भाजपा नेता अजीबोगरीब मरहले में

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। भोटा और सुजानपुर में बहुमत न ही तो कांग्रेस के पक्ष में गया है और ना ही बीजेपी के पास है। लेकिन निर्दलियों की वजह से कांग्रेस ने यहां अध्यक्ष और उपाध्यक्ष कब्जाने का मुकम्मल माहौल बना दिया है।

गौरतलब यह है कि सुजानपुर में 9 सीटों में से कांग्रेस के खाते में दो और भाजपा को तीन सदस्यों के रूप में संतोष करना पड़ा है यहां पर चार सदस्य निर्दलीय चुनकर आए हैं जबकि यही स्थिति भोटा की है वहां 7 सदस्यों अली नगर पंचायत में एक सदस्य ही कांग्रेस का जीता है, तीन पर भाजपा को जीत मिली है। मगर तीन सदस्य यहां व्यापार मंडल के सांझे बैनर के नीचे निर्दलीय तौर पर जीते हैं। यहां सबसे महत्वपूर्ण स्थिति यह है कि अध्यक्ष का पद होता में इस

◆ **कांग्रेस की सीटें कम लेकिन निर्दलीयों के सहारे लगाएगी नैया 'पार'**

बार ओपन है, अब जो समीकरण बन रहे हैं उसके आधार पर महिलाओं के हाथ बड़ी लगने की रणनीति यहां कांग्रेस ने तैयार कर ली है कारण यह है कि यदि महिलाओं को तवज्जो नहीं दी गई तो फिर इसका फायदा विरोधी पार्टी उठा सकती है कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमन भारती ने पहले ही मोर्चा संभाल कर निर्दलीयों को अपने साथ मिलाकर अध्यक्ष कौन बनेगा? इसका फैसला भी संबंधित विजयी सदस्यों की बैठक में सरोज कुमारी के नाम पर सहमति बनवा ली। हालांकि यहां पर भाजपा के नेता फिलहाल बाहरी तौर पर चुप्पी सादे हुए हैं अंदरुनी रणनीति के जरिए क्या कोई खेल व खेल पाएंगे? इसकी इंतजार भी रहेगी, मगर संभावना कम है। क्योंकि निर्दलीय तौर पर जो सदस्य जीते हैं, उनमें बहुमत कांग्रेस विचारधारा का है। अब यहां पर सीट ओपन है अध्यक्ष की। मगर सरोज कुमारी पर सहमति बनाई गई है। यह स्थिति भी अभी कुछ और दिन नए समीकरण बना सकती है, इस पर भी भाजपा की नजरें टिकी हुई हैं। पांच विधानसभा क्षेत्र वाले इस जिला में केवल दो स्थानीय निकायों में ही इस बार चुनाव हुए हैं बाकी के पेंडिंग हैं। हमीरपुर में नगर निगम का दर्जा प्राप्त हुआ था। नादौन को नगर परिषद का दर्जा दिया गया है, जबकि बड़सर और भोरंज में नई नगर पंचायतों का गठन किया गया है। इन निकायों के चुनाव कब होंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है। स्थानीय राजनीतिक हलकों में इसे लेकर चर्चाएं तेज हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा इन क्षेत्रों में गुटबाजी से जूझ रही है, जिसके कारण संगठनात्मक गतिविधियां फिलहाल कमजोर दिखाई दे रही हैं। कार्यकर्ताओं के बीच आपसी खींचतान और असंतोष के चलते राजनीतिक सक्रियता प्रभावित हो रही है। इसी स्थिति का लाभ कांग्रेस द्वारा उठाए जाने की चर्चा भी है। वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमन भारती ने दावा किया है कि दोनों नई नगर पंचायतों में कांग्रेस समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष निर्वाचित होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले ही राजनीतिक रूप से कमजोर स्थिति में है और आने वाले चुनावों में कांग्रेस को स्पष्ट बढ़त मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, नए निकायों के गठन से स्थानीय स्तर पर सत्ता संतुलन में बदलाव संभव है, लेकिन अंतिम तस्वीर चुनावों के बाद ही स्पष्ट होगी।

सुजानपुर में निर्दलीयों के साथ समीकरण साधने में कांग्रेस सक्रिय

सुजानपुर में चुनावी आंकड़ों के अनुसार कांग्रेस के पास दो, भाजपा के पास तीन और चार सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इस स्थिति ने निकाय राजनीति में समीकरणों को दिलचस्प बना दिया है। बीती देर शाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमन भारती ने चार निर्दलीयों में से दो–बीना देवी और मनीष गुप्ता–के साथ बैठक की। इस दौरान पार्टी की विचारधारा से जुड़े अन्य सदस्यों के साथ भी चर्चा हुई, जिससे यह संकेत मिला कि कांग्रेस निर्दलीयों को साथ जोड़कर अपना बहुमत मजबूत करने की कोशिश में है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि गठजोड़ की इस राजनीति में फिलहाल कांग्रेस बढ़त की स्थिति में दिखाई दे रही है। वहीं यह भी चर्चा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अंदरूनी रणनीति के जरिए समीकरण बदलने का प्रयास कर सकती है। हालांकि मौजूदा हालात में निर्दलीयों की भूमिका निर्णायक बन गई है, जिससे अंतिम तस्वीर पूरी तरह उनके रुख पर निर्भर करेगी।

ग्रीन ओलंपियाड सत्र में भगवती पब्लिक स्कूल छात्रों ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

ग्रीन प्रतियोगिता में भगवती पब्लिक स्कूल के 38 छात्रों ने भाग लिया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

नादौन। भगवती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने टैरी ऊर्जा और संसाधन संस्थान द्वारा आयोजित ग्रीन ओलंपियाड सत्र 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 38 छात्रों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कक्षा 12वीं के भुवनेश डोगरा, कक्षा 11वीं की वंशिका, कक्षा 9वीं की रिघि व मानवी, कक्षा 8वीं की आराधया ठाकुर और कक्षा 5वीं की दिव्यांशी ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा 31 अन्य छात्रों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्या आरती कटोच ने सभी विद्यार्थियों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने विज्ञान अध्यापिका शीतल के प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की मेहनत का यह परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी तरह निरंतर मेहनत करने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल प्रबंधन ने भी इस उपलब्धि पर गर्व जताया।

वाहनों की पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट आज

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय और एसडीएम कार्यालय के अंतर्गत वाहनों की पासिंग और ड्राइविंग टेस्ट की तिथि 20 मई को निर्धारित की गई है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजीव ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक वाहनों की पासिंग प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके बाद दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक ड्राइविंग टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित वाहन मालिकों और ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदकों को समय पर निर्धारित स्थल पर उपस्थित रहना अनिवार्य है। आरटीओ ने अपील की कि अभ्यर्थी सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर पहुंचें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो और प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय के बाद आने वालों को अगले अवसर का इंतजार करना पड़ सकता है, इसलिए सभी नियमों का पालन जरूरी है।

हिम अकादमी का बास्केटबॉल फाइनल में शानदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, विकासनगर में आयोजित इंटर हाउस बास्केटबॉल फाइनल मुकाबले उत्साह, ऊर्जा एवं खेल भावना के साथ संपन्न हुए। प्रतियोगिता में सभी टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बालक वर्ग में आर्यभट्ट हाउस ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि बोस हाउस उपविजेता रहा। वहीं, बालिका वर्ग में रमन हाउस ने बेहतरीन तालमेल और आत्मविश्वास के साथ विजय हासिल की तथा बोस हाउस ने उपविजेता स्थान प्राप्त किया। विद्यालय परिसर खिलाड़ियों के जोश, टीम भावना और रोमांचक मुकाबलों से गूंज उठा। विद्यालय प्रधानाचार्य ने सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास को मजबूत बनाते हैं।

केमिस्ट आज राष्ट्रव्यापी बंद के चलते बंद रखेंगे दुकानें

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ से मिला और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। साथ ही संगठन ने 20 मई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बंद के समर्थन में जिला की सभी दवा दुकानों को बंद रखने की सूचना दी। जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा ने बताया कि संगठन के आह्वान पर पूरे जिले के केमिस्ट इस बंद में शामिल होंगे, जबकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को दवा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से केमिस्ट समुदाय में गहरा असंतोष है। एसोसिएशन ने अवैध ई-फार्मेसी, कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी छूट और प्रिडेटरी प्राइसिंग को छोटे व्यापारियों के लिए खतरा बताया। साथ ही बिना पर्ची दवाओं की बिक्री, एंटीबायोटिक दुरुपयोग और नकली दवाओं के बढ़ते जोखिम पर चिंता जताई गई। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से राज्य स्तर पर हस्तक्षेप कर शीघ्र समाधान की मांग की और जनस्वास्थ्य व छोटे व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

मझोह गांव में बढ़ा लावारिस कुत्तों का आतंक, 3 मेमनों को किया घायल

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज की धिरड़ पंचायत के मझोह गांव में लावारिस कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। लावारिस कुत्तों के झुंड ने ग्रामीणों की बकरियों और छोटे मेमनों को निशाना बना रहे हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या का जल्द समाधान करने की मांग उठाई है।

ग्रामीण अश्वनी कुमार, सुनील कुमार, विशंभर दास तथा ने बताया कि गत दिनों लीला देवी निवासी मझोह अपने घर के समीप बकरियों को चरा रही थीं। इसी दौरान अचानक लावारिस कुत्तों के झुंड ने उनकी बकरी और तीन छोटे मेमनों पर हमला कर दिया। कुत्ते तीनों मेमनों को मुंह में उठाकर ले जाने लगे, लेकिन आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाकर तथा डंडों-पत्थरों की मदद से मेमनों को छुड़ाया। हालांकि, कुत्तों के हमले में तीनों मेमने बुरी तरह घायल हो गए, जिनका उपचार करवाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी गांव में कई लोगों की बकरियों को लावारिस कुत्ते अपना शिकार बना चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लावारिस कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे बच्चों और महिलाओं का अकेले बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द लावारिस कुत्तों को पकड़कर गांव को राहत दिलाई जाए, ताकि किसी बड़ी घटना से बचा जा सके। उधर, पूर्व उप प्रधान शशि शर्मा ने लावारिस कुत्तों से निजात दिलाई जाए।

गंगा सागर यात्रा में अव्यवस्था और कथित वसूली पर कार्रवाई की मांग की

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिमाचल गो सेवा समिति के अध्यक्ष रसील सिंह मनकोटिया ने प्रेस बयान में बताया कि वे हर वर्ष वरिष्ठ नागरिकों को चार धाम और गंगा सागर यात्रा करवाते हैं तथा यात्रियों की सुविधा के लिए काकद्वीप में चार कमरे भी बनवाए गए हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी को बधाई देते हुए राज्य में बेहतर व्यवस्था की उम्मीद जताई। मनकोटिया ने आरोप लगाया कि कोलकाता के कालीघाट काली मंदिर में दर्शन के दौरान कुछ स्थानों पर अव्यवस्था और कथित भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि काकद्वीप से गंगासागर मार्ग पर कुछ असामाजिक तत्व यात्रियों से अधिक किराया वसूलते हैं और परिवहन में बाधा डालते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा, पारदर्शी व्यवस्था और उचित किराया सुनिश्चित किया जाए ताकि श्रद्धालु बिना कठिनाई के यात्रा कर सकें। उन्होंने प्रशासनिक कार्रवाई और निगरानी बढ़ाने की मांग की

न्यू गुरुकुल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जिलास्तरीय एथलेटिक्स स्पर्धा में जीते पदक

जिलास्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर किया विद्यालय का नाम रोशन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। न्यू गुरुकुल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने डिग्री कॉलेज हमीरपुर में आयोजित 16 व 17 मई की जिला स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कई पदक हासिल किए। अंडर-18 वर्ग में अभय (कक्षा 12वीं) ने शॉट पुट में दूसरा स्थान प्राप्त कर सिल्वर पदक जीता। जोशिथा श्री (कक्षा 11वीं) ने लॉन्ग जंप और शॉट पुट में तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल किया।

अंडर-16 वर्ग में अक्षित (कक्षा 11वीं) ने शॉट पुट में दूसरा स्थान प्राप्त कर सिल्वर पदक जीता, जबकि नक्ष चौहान (कक्षा 10वीं) ने 60 मीटर दौड़ और लॉन्ग जंप में दूसरा स्थान प्राप्त कर गोल्ड पदक हासिल किया। इसके अलावा कौशत्व (कक्षा 9वीं) ने 60 मीटर और 600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल तथा लॉन्ग जंप में दूसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रविंद्र पुरी और उपप्रधानाचार्य सुरेंद्र ठाकुर ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नशा मुक्त भारत अभियान की ऑनलाइन शपथ में लें भाग

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। नशा मुक्त भारत अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के उद्देश्य से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने ऑनलाइन शपथ (ई-प्लेज) के लिए एक वेब लिंक और क्यूआर कोड जारी किया है। इस वेब लिंक या क्यूआर कोड पर क्लिक करके कोई भी व्यक्ति 'से नो टू ड्रग्स' की शपथ ले सकता है। वह इस शपथ का अपने नाम से ऑनलाइन जनरेट हुआ प्रमाणपत्र भी डाउनलोड कर सकता है। उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि एनएमबीए.डीओएसजेई.जीओवी.इन पर लॉग इन करके या क्यूआर कोड को स्कैन करके शपथ ली जा सकती है और प्रमाणपत्र डाउनलोड किया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़कर नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें। यह पहल युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जाहू बस अड्डे में 10 ग्राम चिट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

पुलिस टीम के साथ गिरफ्तार आरोपी। अनंत ज्ञान

भोरंज। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना भोरंज की टीम ने सोमवार को जाहू बस अड्डे में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 10 ग्राम चिट्टे सहित गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक नशे की खेप लेकर जाहू क्षेत्र में पहुंचने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाहू बस अड्डा में निगरानी शुरू की। इसी दौरान सीटीयू बस से उतर रहे एक युवक को शक के आधार पर रोका गया और उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से 10 ग्राम चिट्टा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान विनय कुमार उर्फ अब्बू निवासी चोलथरा, तहसील सरकाघाट, जिला मंडी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना भोरंज में धारा 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी नशे की खेप कहां से लेकर आया था और इसे आगे कहां सप्लाई किया जाना था। इस मामले की पुष्टि करते हुए बलबीर सिंह ने बताया कि जिला पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है तथा भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा।

राजनीति चुनाव के नतीजे के बाद अध्यक्ष पर टिकी निगाहें, 6 महिला नवनिर्वाचित पार्षदों में मुकाबला

सुजानपुर नप अध्यक्ष पद को लेकर सियासत तेज

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। नगर परिषद सुजानपुर के चुनाव घोषित होने के बाद अब सब की निगाहें अध्यक्ष पद के नाम को लेकर टिक गई हैं। नगर परिषद सुजानपुर का अध्यक्ष पद इस बार महिला के लिए आरक्षित है।

नगर परिषद में कुल 9 वार्ड हैं। जिनमें से रिकॉर्ड 6 महिलाएं चुनकर आई हैं। इस बार महिलाओं के लिए चार सीट को आरक्षित किया गया था, लेकिन वार्ड नंबर तीन में खड़ी एक महिला ने ओपन सीट से चुनाव जीता। जिसके चलते नगर परिषद में चुनी गई महिलाओं की संख्या 6 हो गई है। नगर परिषद सुजानपुर का अध्यक्ष पद महिलाओं के लिए आरक्षित होने के चलते अब सभी महिलाएं रेस में शामिल हो गई हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों के समर्थित उम्मीदवार नगर परिषद में बहुमत नहीं प्राप्त कर सके हैं।

भाजपा ने जहां तीन सिटें जीती, वहीं कांग्रेस को मात्र दो सीटों पर संतोष करना पड़ा। चार सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इनमें से दो महिलाएं भी शामिल हैं।

वार्ड नंबर 1 से भाजपा समर्थित उम्मीदवार ने विजय प्राप्त की। वार्ड नंबर 2 से निर्दलीय उम्मीदवार जीता। वार्ड नंबर तीन से कांग्रेस समर्थित जबकि वार्ड नंबर 4 से निर्दलीय उम्मीदवार ने बाजी मारी है। वार्ड नंबर 5 से भाजपा समर्थित, वार्ड नंबर 6 से निर्दलीय, वार्ड नंबर 7 से कांग्रेस समर्थित जबकि बार नंबर 8 से निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुआ है।

वार्ड नंबर 9 से भाजपा उम्मीदवार को विजय प्राप्त हुई है। नगर परिषद सुजानपुर में चुनाव पार्टी चिन्ह पर नहीं हुए हैं। लेकिन भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों ने अपने समर्थित उम्मीदवारों की घोषणा की थी। भाजपा ने जहां सभी 9 वार्डों से अपने उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस मात्र सात वार्डों से ही अपन समर्थित उम्मीदवार उतर सकी थी। उनमें से भी बार नंबर 8 से पार्टी का टिकट मिलने के बावजूद वहां की प्रत्याशी ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था, जबकि बार नंबर 9 से कांग्रेस पार्टी को कोई भी उम्मीदवार नहीं मिल पाया था। जबकि वार्ड नंबर 4 में भी अपने उम्मीदवार का एलान कांग्रेस पार्टी नहीं कर पाई थी।

6 महिलाओं में होगी अध्यक्ष पद की दौड़

नगर परिषद अध्यक्ष को चुने जाने की तिथियों का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। लेकिन अंदर खाते जीतने वाले सभी महिला उम्मीदवारों ने अध्यक्ष पद के लिए अपनी अपनी गोटिया फिट करना शुरू कर दिया है। भाजपा और कांग्रेस दोनों की दो-दो महिलाएं उम्मीदवार चुनाव जीती हैं। जबकि दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की है।

विधायक का एक वोट भी होगा

भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को स्पष्ट बहुमत न होने के चलते कांग्रेस को एक वोट का फायदा रहेगा। अगर वोटिंग की नौबत आती है तो विधायक भी वोट कर सकते हैं। जाहिर बात है कि कांग्रेस को इसका एज रहेगा। क्योंकि सुजानपुर में कांग्रेस का विधायक जीता है। नगर परिषद सुजानपुर में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों ने अपने-अपने दावे किए हैं। भाजपा नेता विक्रम ठाकुर ने कहा कि नगर परिषद सुजानपुर में भाजपा समर्थित ही अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनेगा। उधर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने कहा कि कांग्रेस का ही अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नगर परिषद में काबिज होगा।

मतदान प्रक्रिया को गहनता से समझ कर करवाएं सफल मतदान : शशिपाल

भोरंज स्कूल में पीठासीन व मतदान अधिकारियों के लिए दूसरा पूर्वाभ्यास आयोजित

◆ **भोरंज ब्लॉक की 44 ग्राम पंचायतों के चुनावों के लिए बेलेट पेपर लिखने का कार्य आज से होगा शुरू**

अनंत ज्ञान

एसडीएम ने चुनावी प्रक्रिया का पूर्वाभ्यास करवाया। अनंत ज्ञान

भोरंज। पंचायतीराज संस्थाओं की मतदान प्रक्रिया को पूर्ण करवाने के लिए विभिन्न मतदान केंद्रों पर तैनात होने वाले ब्लॉक भोरंज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए मंगलवार को मुख्यमंत्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोरंज परिसर में प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास के विभिन्न सत्रों के दौरान निर्वाचन अधिकारी पंचायत एवं एसडीएम भोरंज शशिपाल शर्मा ने अधिकारियों ने पीठासीन अधिकारियों व मतदान अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। इस अवसर पर एसडीएम शशिपाल शर्मा ने कहा कि मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्वक एवं विवाद रहित संपन्न करवाने के लिए पीठासीन और मतदान अधिकारियों को सभी नियमों एवं राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने पीठासीन और मतदान अधिकारियों से कहा कि वह मतदान प्रक्रिया और राज्य निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों को गहनता के साथ समझें। उन्होंने कहा कि बेलेट पेपर लिखने के कार्य को भी ध्यान से करें, ताकि लिखने में किसी प्रकार की गलती न हो। बेलेट पेपर लिखने का कार्य 20 मई को होगा। इस कार्य को भी ध्यानपूर्वक करें। प्रशिक्षण एवं पूर्वाभ्यास में तहसीलदार डॉ. अशीष शर्मा, खंड विकास अधिकारी कुलवंत सिंह, पंचायत निरीक्षक राकेश कुमार, सहायक निरीक्षक मनोज शर्मा, खंड कार्यालय अधीक्षक रणजीत सिंह, सेक्टर अधिकारी, राजेंद्र सिंह पठानिया, राकेश लखनपाल, सुनील कुमार, मोनिका, अमित कुमार, सुभाष वर्मा सहित पंचायतों के सहायक निर्वाचन अधिकारी मौजूद रहे।

नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की सूचना प्रशासन के साथ करें साझा : उपायुक्त

जिला स्तरीय दानवीर कर्ण श्री मूल माहूंनाग मेले के समापन पर डीसी ने की शिरकत

अनंत ज्ञान

लक्की शर्मा, करसोग। पांच दिवसीय जिला स्तरीय दानवीर कर्ण श्री मूल माहूंनाग मेला संपन्न हो गया। मेले के समापन समारोह के मुख्यातिथि उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन रहे। उन्होंने देवता मूल माहूंनाग की पूजा-अर्चना कर देवता का आशीर्वाद लिया। मेले के समापन अवसर पर मुख्यातिथि ने कहा कि देवता के आशीर्वाद से ही आज मुझे यहां आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा प्रदेश की समृद्ध संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन करना हम सब का दायित्व है। उन्होंने कहा कि देव संस्कृति से जुड़े हुए मेले हमारी पहाड़ी प्रदेश की समृद्ध प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है, जिसे आगे बढ़ाने का दायित्व हम सभी का है। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने कहा कि मेलों में तकनीक का प्रयोग होने से इस प्रकार के यह आयोजन अधिक आकर्षक हो गए है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि मंडी जिला व प्रदेश को नशा मुक्त बनाने में अपना सहयोग प्रदान करे। नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की जानकारी प्रशासन के साथ साझा करे। उन्होंने कहा कि मंडी पुलिस व करसोग पुलिस का सहयोग करे ताकि नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा सके। उन्होंने कहा कि ड्रग फ्री ऐप पर भी ऐसे लोगों की जानकारी प्रदान की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन पर मैसेज के माध्यम से भी जानकारी साझा की जा सकती है। उन्होंने कहा आपकी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

मेले के समापन अवसर पर डीसी मंडी व गणमान्य। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में बढ़चढ़ कर मतदान करे और किसी भी प्रकार के प्रलोभन में न आए। उन्होंने कहा कि आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करे और मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी प्रकार की गतिविधियों की जानकारी प्रशासन को प्रदान करे। मंदिर एवं मेला कमेटी के अध्यक्ष रमेश वर्मा ने मुख्यातिथि को शॉल, टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यातिथि ने इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनेक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर एसडीएम करसोग गौरव महाजन, डीएसपी करसोग चांद किशोर, मंदिर समिति के प्रधान रमेश वर्मा, सचिव ईश्वर शर्मा, मंदिर समिति के सभी सदस्यों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नबाही जिला परिषद वार्ड में भाजपा मजबूत

कांग्रेस तय नहीं कर पाई प्रत्याशी, पूर्व मंत्री राव के गनमैन को टिकट देकर भाजपा ने खेला दांव

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। जिला परिषद नबाही वार्ड में चुनावी माहौल अब पूरी तरह गर्म हो चुका है और शुरुआती चुनावी अभियान में भारतीय जनता पार्टी अन्य दलों से काफी आगे दिखाई दे रही है। भाजपा ने रिटायर्ड पुलिस अधिकारी श्याम लाल को सबसे पहले अपना प्रत्याशी घोषित कर चुनावी बढ़त बना ली थी, जबकि कांग्रेस अब तक अपना उम्मीदवार तय नहीं कर पाई है। भाजपा प्रत्याशी श्याम लाल ने करीब एक माह पहले ही जनसंपर्क अभियान शुरू कर दिया था। लगातार गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क साधने और भाजपा नेताओं व विधायक के साथ सक्रिय प्रचार अभियान के चलते उन्होंने वार्ड में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

श्याम लाल पुलिस विभाग में अधिकारी रहने के साथ-साथ लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों से भी जुड़े रहे हैं। इसी वजह से क्षेत्र में उनकी अच्छी पहचान और जनसंपर्क माना जा रहा है।

समाजसेवा के नाम पर मैदान में उतरे श्याम लाल

श्याम लाल का कहना है कि वे राजनीति में किसी पद या निजी लाभ के लिए नहीं बल्कि समाज सेवा की भावना से आए हैं। जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्हें लोगों से सबसे बड़ी शिकायत यह सुनने को मिल रही है कि जिला परिषद और बीडीसी सदस्य चुनाव के समय तो गांवों में पहुंचते हैं, लेकिन जीतने के बाद पांच वर्षों तक लोगों से दूरी बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो वे हमेशा लोगों के संपर्क में रहेंगे और क्षेत्र के सुख-दुख में सहभागी बनेंगे।

विकास और नशे के खिलाफ अभियान तेज

श्याम लाल ने कहा कि क्षेत्र में कई संपर्क मार्गों और सुनसान स्थानों पर रोशनी की कमी है। साथ ही पुराने पेयजल स्रोतों की स्थिति भी खराब है, जिन पर प्राथमिकता से काम किया जाएगा। उन्होंने नशे, विशेषकर चिट्टे के खिलाफ अभियान चलाने की बात भी कही। उनका कहना है कि पुलिस सेवा के दौरान भी उन्होंने इस दिशा में काम किया है और अब समाज के स्तर पर हर पंचायत में कमेटियां गठित कर युवाओं को नशे से बचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते अपराध और युवाओं के भविष्य को देखते हुए समाज को एकजुट होकर काम करना होगा ताकि शिया बिटिया जैसे दर्दनाक घटनाक्रम दोबारा न हों।

कांग्रेस पर भाजपा का रणनीतिक वार

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि भाजपा विधायक दिलीप ठाकुर ने कांग्रेस के पूर्व मंत्री रंगीला राम राव के वर्षों तक गनमैन रहे श्याम लाल को भाजपा में शामिल करवाकर कांग्रेस को बड़ा झटका दिया। इसके बाद पार्टी ने उन्हें टिकट देकर मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली है।

न्यूज ब्रीफ

शिव मंदिर महादेव में राम कथा का शुभारंभ

अनंत ज्ञान, भीम बसेडू राजपूत, महादेव। श्रीमते रामानुजाय नमः का जाप करते हुए प्राचीन शिव मंदिर महादेव के प्रांगण में रामचरित मानस आधारित राम कथा का शुभारंभ हो गया है जो इस माह की 26तारीख तक चलेगी।इस धार्मिक कथा मंडली के सदस्य एवं स्थानीय युवा विशाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिव मंदिर परिसर के निकट रहने वाली राज शर्मा सहित महेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने बुजुर्गों को याद करते हुए पुनः धार्मिक आयोजन किया है , जिसमें मशहूर कथा वाचक आचार्य संदीपन वशिष्ठ (सोलनवाले)के माध्यम से 18म ई से राम कथा दोपहर 2बजे से लेकर सांय 5बजे तक की जा रही है वहीं रोजाना रात्रि 8बजे से लेकर 9.30बजे तक भजन कीर्तन किए जा रहे हैं।बता दें कि सुंदरनगर के अंतर्गत आते ऐतिहासिक एवं धार्मिक गांव महादेव में आचार्य संदीपन की यह 126वीं कथा और प्रदेश स्तर पर साढ़े चारसवीं कथा है जहां खूब सारे श्रद्धालु कथा का रसास्वादन कर रहे हैं।

धर्मपुर कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया 1 जून से शुरू

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। धर्मपुर महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 1 जून से 19 जून तक सभी कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ होगी। इस वर्ष भी विद्यार्थियों को घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश लेने की सुविधा दी जाएगी। प्रथम वर्ष में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू होने के साथ सेमेस्टर प्रणाली शुरू की जा रही है तथा विद्यार्थियों को विषय चयन, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट और अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट जैसी सुविधाएँ मिलेंगी। महाविद्यालय में कला, विज्ञान और वाणिज्य संकायों के साथ अंग्रेज़ी में एम.ए. की कक्षाएँ संचालित हो रही हैं। प्राचार्य डॉ. रमेश धलारिया ने बताया कि नैक से 'बी' ग्रेड प्राप्त यह संस्थान ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों के लिए उच्च शिक्षा का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।

धर्मपुर खंड में पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। धर्मपुर खंड में आगामी पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रिटर्निंग अधिकारी (पंचायत) एवं एसडीएम धर्मपुर जोगिंदर पटियाल की अध्यक्षता में बैलेट पेपर लेखन का महत्वपूर्ण कार्य राजकीय महाविद्यालय धर्मपुर के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस दौरान ग्राम पंचायतों के सहायक रिटर्निंग अधिकारियों ने प्रधान, उपप्रधान, वार्ड सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य पदों के लिए नामांकन आधारित बैलेट पेपर तैयार किए। कार्यक्रम में लगभग 800 चुनावी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। रिटर्निंग अधिकारी ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी कर्मियों को राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन करना होगा।

बच्चों को बताया 'गुड टच' और 'बैड टच'

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। डीएवी सीपीएस ईडीपी-1 में आयोजित विशेष सभा के दौरान बच्चों को सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सामूहिक गतिविधि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कहानी सुनाने और अभिनय के माध्यम से विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्मविश्वास और असहज परिस्थितियों में खुलकर अपनी बात रखने के महत्व के बारे में संवेदनशील तरीके से जानकारी दी गई। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि गतिविधि का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनकी आयु के अनुरूप सरल और संवादात्मक तरीके से सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की पहचान करवाना था, ताकि वे किसी भी अनुचित स्थिति में स्वयं को सुरक्षित रख सकें। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण संदेश सीखे। शिक्षकों ने बच्चों को यह भी समझाया कि किसी भी असहज स्थिति में माता-पिता, अध्यापकों या विश्वसनीय बड़ों से तुरंत बात करना जरूरी है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में जागरूकता, आत्मविश्वास और बेहतर संवाद कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार को नई दिशा देगा विश्वविद्यालय : ललित अवस्थी

एसपीयू मंडी में कुलपति का जन्मदिवस गरिमामय माहौल में मनाया गया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय में कुलपति आचार्य ललित कुमार अवस्थी का जन्मदिवस गरिमामय और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शुभकामनाएं देते हुए स्मृति चिन्ह, शाल और हिमाचली टोपी भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण आचार्य राजेश कुमार शर्मा तथा कार्यकारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. सनील ठाकुर ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलपति का अभिनंदन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी कुलपति के प्रति सम्मान और शुभेच्छा व्यक्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य ललित कुमार अवस्थी ने विश्वविद्यालय परिवार का आभार जताया और कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की प्रगति केवल सामूहिक प्रयासों और समर्पण से ही संभव है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उन्नति, प्रशासनिक मजबूती और भविष्य की योजनाओं पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी को शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोधपरक सोच और नवाचार का केंद्र बनाना उनका प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से गुणवत्ता, निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता अकादमिक मामले डॉ. पवन चंद, अधिष्ठाता अनुसंधान डॉ. लखवीर सिंह, अधिष्ठाता योजना एवं विकास डॉ. सनील ठाकुर, अधिष्ठाता कॉलेज विकास परिषद डॉ. अक्षय कुमार, अधिष्ठाता प्रबंधन डॉ. करण गुप्ता, विभागाध्यक्ष इतिहास डॉ. राकेश कुमार शर्मा सहित विश्वविद्यालय के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांढी से जयदेवी स्कूल तक सड़क बदहाल, बारिश में बढ़ रहा हादसों का खतरा

अनंत ज्ञान, राजेंद्र कुमार, जयदेवी। ग्राम पंचायत चाम्बी के अंतिम छोर कांढी से जयदेवी स्कूल तक सड़क की हालत बेहद खराब होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों और उखड़ी सतह के कारण हल्की बारिश में भी यहां पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में सड़क पर फिसलन बढ़ जाती है, जिससे हर समय दुर्घटना का डर बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि चाम्बी से कांढी तक सड़क का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2013-14 में कर दिया गया था, लेकिन कांढी से जयदेवी स्कूल तक सड़क की हालत आज भी बदहाल बनी हुई है। बताया जा रहा है कि इस सड़क का निर्माण वर्षों पहले सुकेत रियासत के समय करवाया गया था, मगर आजादी के 75 साल बाद भी इसका समुचित रखरखाव नहीं हो पाया है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति के कारण स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने सरकार और संबंधित विभाग से मांग उठाई है कि बरसात शुरू होने से पहले सड़क की टायरिंग और मरम्मत का कार्य पूरा किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके।

◆ **ग्रामीणों ने बरसात से पहले टायरिंग करवाने की उठाई मांग**

पर्यावरण मित्र उद्योगों व कौशल विकास कार्यक्रमों की उठी मांग

◆ **लोग बोले- पर्यटन और रोजगार की दिशा में ठोस नीति बनाए सरकार**

◆ **पहाड़ी राज्यों के लिए बने अलग मंत्रालय**

अनंत ज्ञान

विजय कुमार, हटगढ़। हिमाचल प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी के बीच अब पर्यावरण मित्र उद्योगों और बड़े स्तर पर कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने की मांग तेज होने लगी है। क्षेत्र के बुद्धिजीवियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार देने के बड़े-बड़े दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात अब भी चिंताजनक बने हुए हैं। लोगों का कहना है कि सरकारें बदलती रहीं, लेकिन प्रदेश में पर्यावरण के अनुकूल उद्योग स्थापित करने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी।

उनका कहना है कि हिमाचल प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं और कई खूबसूरत क्षेत्रों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा सकता है, मगर इस ओर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यदि पर्यटन और छोटे पर्यावरण मित्र उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए तो बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिल सकता है और पलायन पर भी रोक लगेगी। लोगों ने मांग उठाई कि प्रदेश में बड़े स्तर पर स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू किए जाएं, ताकि युवा अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार रोजगार हासिल कर सकें। इसके साथ ही केंद्र सरकार से पहाड़ी राज्यों के विकास के लिए अलग से पर्वतीय मंत्रालय गठित करने की मांग भी दोहराई गई।

लोगों का कहना है कि यह मांग लंबे समय से उठती रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। स्थानीय लोगों ने मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद कंगना रनौत से आग्रह किया है कि वह केंद्र सरकार के समक्ष हिमाचल के युवाओं के रोजगार और पर्यटन आधारित विकास की मजबूत पैरवी करें।

कांग्रेस सरकार की विफलताओं से जनता नाराज, भाजपा को मिल रहा व्यापक समर्थन : जम्वाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। राकेश जम्वाल ने सलापड़ जिला परिषद वार्ड के अंतर्गत बलग और बंदली क्षेत्र में व्यापक चुनाव प्रचार और जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान आयोजित जनसभाओं और बैठकों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, महिलाएं, युवा और वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। राकेश जमवाल ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल साबित हुई है और चुनावों से पहले जनता से किए गए बड़े-बड़े वादे केवल घोषणाओं तक सीमित रह गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं, बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर कांग्रेस सरकार ने केवल अव्यवस्था फैलाने का काम किया है, जिससे आम जनता परेशान है। जमवाल ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान लोगों में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भारी नाराजगी साफ दिखाई दे रही है और भाजपा को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास, पारदर्शिता और जनसेवा की राजनीति में विश्वास रखती है तथा जनता अब कांग्रेस की कथनी और करनी का अंतर समझ चुकी है। राकेश जमवाल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास, मजबूत नेतृत्व और पारदर्शी व्यवस्था के लिए भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाएं और मेज के पंखे के चुनाव चिन्ह पर मतदान करें।

सुंदरनगर को पहली बार जिप अध्यक्ष पद मिलने की उम्मीद, चमन राही के समर्थन में बढ़ा उत्साह

अनंत ज्ञान

मंडी। पंचायतीराज चुनावों के चलते खिलड़ा जिला परिषद वार्ड में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पूर्व जिला परिषद सदस्य, पूर्व ब्लॉक समिति सदस्य एवं पूर्व पंचायत प्रधान चमन राही इन दिनों लगातार जनसंपर्क अभियान में जुटे हुए हैं। कमरूनाग से लेकर रोहांडा तक फैले करीब 60 से 70 किलोमीटर लंबे क्षेत्र में चमन राही को विभिन्न पंचायतों और गांवों से समर्थन मिलने का दावा किया जा रहा है।

कमरूनाग, रोहांडा, दुमट बैहली, कपाही, मलोह, चौकी, भनवाड़, कलौहड़, बीणा, खिलड़ा, पौड़ाकोठी, शेगल और अरठी पंचायतों सहित डोडर, पडसल, थला, डोडवा, देरडू, सरीयून, बगैण, नालनी, भदरोलू, केरन, छजवाड़, पटयोड़ा, घारंडा, डडोल, नायली, रड़ा, बसी, मंगलाह, चंद्रसाई, मैहली, ठिहकर, सिंधु, मनाणु और कमांद गांवों में उनका प्रचार अभियान लगातार जारी है। चमन राही ने बताया कि चुनाव घोषित होने के बाद क्षेत्र के हर वर्ग और हर बिरादरी के लोगों ने उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए प्रेरित किया। जनता की भावनाओं और आग्रह को देखते हुए उन्होंने चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत मंडी जनपद के आराध्य देव कमरूनाग के दरबार रोहांडा में पूजा-अर्चना के साथ की। इसके बाद सुंदरनगर के भौण स्थित शीतला माता मंदिर में माथा टेका, शिव मंदिर मलोह में पूजा-अर्चना की तथा विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से लोगों से समर्थन मांगा। वहीं समैला धाम में पूजा-अर्चना के उपरांत गद्दीनशीन चमन जी महाराज के करकमलों से उनके चुनावी पोस्टर का विमोचन करवाया गया तथा जीत का आशीर्वाद लिया गया।

◆ **समैला धाम में महाराज के करकमलों से हुआ चुनावी पोस्टर का विमोचन**

चुनाव आयोग द्वारा आवंटित चुनाव चिन्ह 'टेबल फैन' मिलने के बाद समर्थकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। क्षेत्र में यह चर्चा भी जोरों पर है कि यदि चमन राही भारी मतों से विजयी होते हैं तो सुंदरनगर उपमंडल को पहली बार जिला परिषद अध्यक्ष पद मिलने का अवसर मिल सकता है। यही कारण है कि पूरे क्षेत्र में चुनाव को लेकर खासा उत्साह बना हुआ है।

डीजल-पेट्रोल के बढ़ते दामों से परेशान निजी बस ऑपरेटर किराया बढ़ाने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान, अंकित कुमार, जोगिंद्रनगर। लगातार बढ़ रहे डीजल और पेट्रोल के दामों ने जोगिंद्रनगर के निजी बस ऑपरेटरों और टैक्सी यूनियन की चिंता बढ़ा दी है। बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के चलते परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी को लेकर निजी बस ऑपरेटरों और टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों ने सरकार से किराया बढ़ाने की मांग उठाई है।यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से डीजल और पेट्रोल के दामों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे वाहनों के संचालन का खर्च काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बसों और टैक्सियों की मेंटेनेंस, स्पेयर पार्ट्स, इंश्योरेंस तथा अन्य खर्च पहले ही बढ़ चुके हैं, जबकि अब ईंधन की कीमतों ने उनकी कमर तोड़ दी है। ऐसे में पुराने किराए पर वाहन चलाना मुश्किल होता जा रहा है।निजी बस ऑपरेटरों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाली बसों की आय पहले ही सीमित है और यात्रियों की संख्या भी कई रूटों पर कम रहती है। इसके बावजूद लोगों की सुविधा को देखते हुए बस सेवाएं जारी रखी जा रही हैं। मगर लगातार बढ़ते खर्चों के कारण अब परिवहन व्यवसाय घाटे का सौदा बनता जा रहा है। वहीं टैक्सी यूनियन के सदस्यों ने भी कहा कि पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों का सीधा असर टैक्सी कारोबार पर पड़ रहा है। कई बार लंबी दूरी के सफर में किराया कम पड़ जाता है और वाहन चालकों को नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए किराए में उचित बढ़ोतरी की जाए।

संगठन को अपना जीवन समर्पित करने वाले ब्रह्मदास चौहान अब आध्यात्म की राह पर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। कांग्रेस संगठन और अनुसूचित जाति विभाग में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभा रहे ब्रह्मदास चौहान इन दिनों राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

प्रदेश उपाध्यक्ष के तौर पर वर्षों तक संगठन को मजबूत करने, सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने निजी संसाधनों से समाज की अनेक महान हस्तियों को सम्मानित करने वाले ब्रह्मदास चौहान अब राजनीति की भीड़ से कुछ दूर आध्यात्मिक शांति की तलाश में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह अपनी धर्मपत्नी के साथ ऋषिकेश और हरिद्वार पहुंचे, जहां हर की पौड़ी में गंगा मैया के दर्शन और आरती में शामिल होकर उन्होंने आत्मिक शांति का अनुभव किया। राजनीतिक गलियारों में इसे केवल धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि एक मौन संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है।

नहीं मिला सम्मान

कांग्रेस संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहने के बावजूद ब्रह्मदास चौहान को वह राजनीतिक महत्व और जिम्मेदारी नहीं मिल पाई, जिसकी उम्मीद उनके समर्थक वर्षों से करते रहे हैं। पार्टी और संगठन के कार्यक्रमों में हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े रहने वाले चौहान ने कई मौकों पर अपने खर्चे से सामाजिक और सम्मान समारोह आयोजित कर क्षेत्र की प्रतिभाओं और वरिष्ठ हस्तियों को मंच दिया। संगठन के लिए लगातार सक्रिय रहने के बावजूद उन्हें सरकार या संगठन स्तर पर कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिलना राजनीतिक चर्चाओं का हिस्सा बना हुआ है।

हरिद्वार-ऋषिकेश यात्रा से बढ़ी राजनीतिक चर्चाएं

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ब्रह्मदास चौहान उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने बिना किसी पद या लाभ की अपेक्षा के संगठन के लिए लगातार काम किया, लेकिन बदलते राजनीतिक समीकरणों में उन्हें अपेक्षित स्थान नहीं मिला। यही कारण है कि अब उनका हरिद्वार और ऋषिकेश की ओर रुख करना कई लोगों को राजनीति से अलग एक आत्मिक विराम जैसा प्रतीत हो रहा है। हालांकि चौहान ने सार्वजनिक तौर पर कभी कोई नाराजगी जाहिर नहीं की, लेकिन समर्थकों के बीच यह चर्चा जरूर है कि संगठन के प्रति वर्षों की निष्ठा के बावजूद उन्हें हमेशा इंतजार ही मिला।

जल बचाओ, पृथ्वी बचाओ पर विद्यार्थी किए जागरूक

अनंत ज्ञान, भीम बसेडू राजपूत, महादेव। बीएसएल प्रोजेक्ट सुंदरनगर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 16 मई से 30 मई तक मनाए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़े' के तहत मंगलवार को राजकीय बी.एस.एल. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 'जल बचाओ, पृथ्वी बचाओ' विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य अभियंता बी.एस. नारा एवं उप मुख्य अभियंता कश्मीर सिंह ठाकुर के दिशा-निर्देशों में संपन्न हुआ। इस अवसर पर हरशरण जीत कौर ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि जल की प्रत्येक बूंद अनमोल है और इसे बचाना सभी का कर्तव्य है। विद्यालय के प्राचार्य मनजीत सिंह ने विद्यार्थियों को स्वच्छता अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में खुशी (कक्षा नौवीं) व राधिका (कक्षा बारहवीं) ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। अंत में छात्रों ने जल संरक्षण, स्वच्छता व पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम पुरानी मंडी में एक माह तक होंगे सत्संग, कथा, पूजन और धार्मिक अनुष्ठान

पुरुषोत्तम मास आत्मशुद्धि का दुर्लभ काल: महंत

अनंत ज्ञान

अनिल शर्मा, मंडी। सनातन परंपरा में अत्यंत पुण्यदायी माने जाने वाले पुरुषोत्तम मास के अवसर पर पुरानी मंडी धार्मिक रंग में रंग गई है। 17 मई से 15 जून तक चलने वाले इस पावन मास में मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, कथा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो गया है। महंत राजेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि पुरुषोत्तम मास भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित है और इस अवधि में किए गए जप, तप, दान और धर्म कर्म का फल अक्षय माना गया है। उन्होंने कहा कि यह पवित्र मास तीन वर्षों में एक बार आता है, इसलिए इसकी महिमा और भी बढ़ जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूर्वकाल में इस मास को उपेक्षित माना जाता था, लेकिन भगवान विष्णु ने इसे अपने नाम 'पुरुषोत्तम' से विभूषित कर विशेष स्थान प्रदान किया। तभी से यह माह श्रीहरि की कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ माध्यम बन गया है। महंत राजेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि पुरानी मंडी में पूरे माह श्रद्धालुओं के लिए सत्संग, कथा, विष्णु सहस्त्रनाम पाठ और दीपदान जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास में संध्या समय घी का दीपक प्रज्वलित कर भगवान विष्णु का स्मरण करना अत्यंत शुभ माना गया है। श्रद्धा और भक्ति के साथ किए गए पुण्य कार्य कई गुना फल प्रदान करते हैं तथा जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। इस मास में पूजा पाठ, जप तप व दान को दोगुना कर देना चाहिए। इस मास में किए गए धर्म कर्म का फल भी दोगुना मिलता है।

संतों संग महंत राजेश्वरानंद सरस्वती। अनंत ज्ञान

पुरषोत्तम मास का महत्व

पुरुषोत्तम मास में एकादशी, अमावस्या और पूर्णिमा तिथियों का विशेष महत्व माना गया है। इस दौरान दान, पूजा और व्रत का पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। महंत राजेश्वरानंद सरस्वती ने श्रद्धालुओं से धर्म, सेवा, सद्भाव और संस्कारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया है।

अकर्मण्यता के जीवन से यशस्वी जीवन और यशस्वी मृत्यु श्रेष्ठ होती है।

-चंद्रशेखर वेंकट रमण

संपादकीय

युद्ध की आग और महंगा ईंधन

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ती अनिश्चितता का असर अब आम लोगों की जेब पर साफ दिखाई देने लगा है। बीते पांच दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी ने देशभर में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। पहले लगभग तीन रुपए प्रति लीटर तक दाम बढ़ाए गए और अब एक बार फिर करीब 90 पैसे की वृद्धि ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। यह स्थिति केवल तेल कंपनियों का आर्थिक फैसला नहीं, अपितु वैश्विक अस्थिरता का सीधा परिणाम है।

दरअसल, दुनिया की अर्थव्यवस्था काफी हद तक कच्चे तेल पर निर्भर करती है। पश्चिम एशिया को दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक क्षेत्र माना जाता है। जब भी इस क्षेत्र में युद्ध, संघर्ष या राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तुरंत ऊपर चली जाती हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव भी इसी दिशा में असर डाल रहा है। दुनिया को डर है कि यदि यह संघर्ष और गहरा हुआ तो तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है। इसी आशंका ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम बढ़ा दिए हैं।

भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में थोड़ी सी हलचल भी घरेलू बाजार पर बड़ा असर डालती है। पेट्रोलियम कंपनियों पर दबाव बढ़ता है और अंततः उसका बोझ आम जनता पर पड़ता है। यही कारण है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि, सरकारें कई बार टैक्स कम करके राहत देने की कोशिश करती हैं, लेकिन लंबे समय तक ऐसा कर पाना आसान नहीं होता क्योंकि इससे सरकारी राजस्व प्रभावित होता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि पेट्रोल और डीजल केवल वाहन चलाने का साधन नहीं हैं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की धुरी हैं। जैसे ही ईंधन महंगा होता है, परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका असर सीधे सब्जियों, खाद्यान्न, दूध, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ता है। ट्रकों और मालवाहक वाहनों का किराया बढ़ता है और व्यापारी अतिरिक्त बोझ उपभोक्ताओं पर डाल देते हैं। परिणामस्वरूप महंगाई बढ़ती है और मध्यम वर्ग तथा गरीब परिवारों का बजट पूरी तरह बिगड़ जाता है।

हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। यहां परिवहन पहले से महंगा है। डीजल की कीमत बढ़ने से बस किराए, टैक्सी सेवाएं और माल ढुलाई की लागत बढ़ जाती है। इसका असर पर्यटन उद्योग पर भी पड़ सकता है। गर्मियों के मौसम में जहां पर्यटन कारोबार से लोगों को बड़ी उम्मीदें रहती हैं, वहीं लगातार बढ़ती ईंधन कीमतें पर्यटकों के बजट पर असर डाल सकती हैं। खेती-किसानी भी इससे अछूती नहीं रहती। ट्रैक्टर, सिंचाई पंप और कृषि परिवहन का खर्च बढ़ने से किसानों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

यह भी सच है कि दुनिया आज एक ऐसे दौर में पहुंच चुकी है जहां किसी एक क्षेत्र का संकट वैश्विक समस्या बन जाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी दुनिया ने देखा था कि तेल और गैस संकट ने किस तरह महंगाई को बढ़ाया। अब ईरान संकट ने फिर वही आशंका पैदा कर दी है। यदि हालात जल्द नहीं सुधरे तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में और बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता।

सरकार के सामने भी चुनौती कम नहीं है। एक ओर जनता राहत चाहती है तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबाव और आयात लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में केवल तात्कालिक राहत पर्याप्त नहीं होगी। देश को ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और जैव ईंधन को बढ़ावा देना अब केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूरी भी बनता जा रहा है। यदि भारत आयातित तेल पर निर्भरता कम करता है तो भविष्य में ऐसे वैश्विक संकटों का असर सीमित किया जा सकता है।

इसके साथ ही सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, ईंधन करों की समीक्षा करने और जरूरत पड़ने पर आम लोगों को अस्थायी राहत देने पर भी विचार करना चाहिए। तेल कंपनियों को भी पारदर्शिता बनाए रखनी होगी ताकि जनता को यह भरोसा रहे कि कीमतों में वृद्धि केवल वैश्विक परिस्थितियों के कारण हो रही है, न कि किसी अतिरिक्त लाभ के लिए।

स्पष्ट है कि युद्ध चाहे जिस भी चीज को लेकर लड़ा जा रहा हो उसकी आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहती। उसका धुआं पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें इसी वैश्विक अस्थिरता की चेतावनी हैं। जरूरत इस बात की है कि विश्व शक्तियां युद्ध की बजाय संवाद का रास्ता अपनाएं, क्योंकि हर संघर्ष की सबसे बड़ी कीमत अंततः आम आदमी को ही चुकानी पड़ती है।

आज की प्रमुख हस्ती

प्रसिद्ध हिंदी कवि

सुमित्रानंदन पंत हिंदी साहित्य के छायावादी युग के प्रमुख कवियों में से एक थे और उन्हें प्रकृति चित्रण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। उनका जन्म 20 मई 1900 को कौसानी में हुआ और बचपन से ही वे प्रकृति की सुंदरता से गहराई से प्रभावित रहे। जन्म के कुछ घंटों बाद ही माता का निधन हो जाने के कारण उनका पालन-पोषण प्रकृति की गोद में हुआ, जिसने उनके साहित्यिक जीवन को गहराई से आकार दिया।

सुमित्रानंदन पंत
जन्म : 20 मई, 1900
मृत्यु : 28 दिसंबर 1977

पंत का आरंभिक नाम गुसाईं दत्त था, जिसे उन्होंने बाद में बदलकर सुमित्रानंदन पंत रख लिया। उनकी कविताओं में प्रकृति, मानव-भावनाएं और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर समन्वय मिलता है। उन्हें अक्सर प्रकृति का कवि और 'वर्ड्सवर्थ ऑफ हिंदी' भी कहा जाता है। वे महात्मा गांधी और कार्ल मार्क्स के विचारों से भी प्रभावित थे, जिसका प्रभाव उनकी रचनाओं में सामाजिक चेतना के रूप में दिखाई देता है।

उनकी प्रमुख कृतियों में युगवाणी, ग्राम्या, कला और बूढ़ा चांद, चिदंबरा आदि शामिल हैं। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्म भूषण जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए। पंत ने हिंदी कविता को नई भाषा, नए विचार और आधुनिक संवेदना प्रदान की। उनका निधन 28 दिसंबर 1977 को हुआ, लेकिन उनकी रचनाएँ आज भी हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

कविता

मोबाइल में खोया बचपन...!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

यूं किताबें हैं सामने खुली पड़ी, पर नजरें 'स्क्रीन' में अटकी हैं।
वो बचपन की मीठी किलकारी, आजकल मोबाइल में सिमटी हैं।
अब ना मैदानों की वह दौड़ रही, ना पेड़ोंवाली ठंडी-सी छांव रही।
उन उंगलियों के छोटे 'स्पर्शों' में, तब सारी दुनिया ही सिमटी रही।
वो ही 'मां' की बातें आधी सुनते, पापा का 'स्नेह' भी कम लगता।
'गेम और वीडियो' की दुनिया से, हर पल उन्हें सब 'प्रिय' लगता।
यहां 'ज्ञान' मिले तो अच्छी बात, तकनीक के साथ 'वरदान' बने।
पर ये मोबाइल की अंधी आदत, बचपन का तो नुकसान ना बने।
आओं चलो फिर से खेल सजाएं, चलकर मिट्टी में सपने बोएं हम।
वर्तमान मोबाइल से थोड़ा दूर हटें, हंसता-गाता बचपन संजोएं हम।

बंजर पड़ी धरती पर फिर से हरियाली लाने का संकल्प

राकेश डोगरा
गांव कौना हल्दरा, पालमपुर

आजकल सरकार किसानों को कृषि उत्पादन के नए-नए तरीके सिखा रही है। आए दिन सेमिनार होते हैं, कृषि की गुणवत्ता बढ़ाने व उसे उपजाऊ कैसे बनाया जाए की विस्तृत जानकारी दी जाती है। कृषि विशेषज्ञ गांव-गांव जाकर किसानों को नवीन तकनीक से खेती करने के लिए जानकारियां उपलब्ध करवाते हैं।

यहां तक कि केंद्र सरकार किसानों को फसल बीजने, खाद डालने आदि के लिए सालाना 6000 रुपए किसान सम्मान निधि के रूप में भी दे रही है। इसके बावजूद क्या हम अपनी फसलों को बचा पाते हैं, उन्हें ले पाते हैं। शायद बहुत कम। फसल न ले पाने के बहुत से कारण हैं। चंगर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा न के बराबर होना, आज से 40-50 वर्ष पहले हमारे बुजुर्ग खड्डों से कूहलों के जरिए पानी लाकर फसलों की सिंचाई करते थे, लेकिन अब वह गुजरे वक्त की बात है। कुछ ऐतिहासिक कूहलें भी हैं जैसे-महाराजा संसार चंद कूहल, कृपाल चंद कूहल, जिनसे हमारे पूर्वज फसल की सिंचाई करके उसे उगाते थे, क्योंकि वे उन कूहलों की सांभ-संभाल रखते थे लेकिन हम लोगों ने उन्हें खो दिया। कभी उनकी मेंटेनेंस नहीं करवाई। उल्टा उनमें कूड़ा-करकट डालते रहे। इसी कारण वे धीरे-धीरे अपना अस्तित्व ही खो बैठीं। इसके अलावा यह बात भी सही है कि ज्यादातर चंगर क्षेत्र के निवासी बारिश के पानी पर ही निर्भर करते हैं। अगर समय पर बारिश न हो तो अकाल जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। अगर समय पर बारिश हो जाए तो फसल उग आती है, लेकिन फिर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जंगलों में बड़ी तादाद में छोड़े गए जंगली मवेशी नील गाय और सांभर फसल बड़ी होने से पहले ही खा लेते हैं, उनके लिए बाड़बंदी की भी जरूरत भी नहीं होती, क्योंकि इनकी लंबी और ऊंची छलांग 8-10 फुट से कम नहीं होती। वे कभी भी कहीं भी आ जा सकते हैं। इनके साथ साथ विभिन्न प्रकार के जंगली पंछी मोर, तोते, हंस, बगुला आदि भी फसल को उजाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते। अगर बंदर आपके इलाके में पाए जाएं तो फसल रो-रोकर यह ही कहती है कि किसान महाराज मुझे बीजना बंद कर दो, क्योंकि बंदरों को बाड़बंदी से कोई फर्क नहीं पड़ता। इनकी छलांग बहुत लंबी और ऊंची होती है। अगर फिर भी फसल इन सब से बच जाए तो लावारिस मवेशी जो स्थानीय गांव वाले अपना काम निकालने के बाद उन्हें आवारा छोड़ देते हैं, वे भी फसल को नहीं छोड़ते। आपको बता दें कि जिस तरह हमारे समाज में एक बहुत बड़ी कुरीति है कि हर

किसी के घर में लड़का ही चाहिए, लड़की नहीं। उसी तरह गाय से भी हम बछड़ी ही चाहते हैं, बछड़ा नहीं। चाहिए भी क्यों भला, क्योंकि हम मतलब परस्त जो हैंञ बछड़ी बड़ी होकर गाय बनेगी और दूध से मालिक के परिवार का पालन-पोषण करगी, जबकि बछड़ा बड़ा होकर बैल बनता है और वह आजकल किसी काम का नहीं है।

पहले हल जोतने के काम में लाया जाता था, मगर आजकल हल की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है। पहले हल जोतने का जो काम घंटों में होता था वह अब ट्रैक्टर के जरिए मिनटों में हो जाता है। इस वजह से इस जमाने में बैल का कोई मोल नहीं रहा। यही कारण है कि बछड़े का कोई भी ध्यान नहीं रखता और सही पालन पोषण न करके उसे मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। थोड़े बहुत जो बच जाते हैं वे आवारा बनकर लोगों के खेतों को उजाड़ कर नुकसान पहुंचाते हैं। फसल न बीजने का यह भी एक करण है। इंसान भी कितना मतलबपरस्त होता है उन आवारा पशुओं को अपने गांव से खदेड़ कर किसी अन्य गांव में छोड़ आता है ताकि इन आवारा मवेशियों से उसकी फसल बची रहे। यह बहुत गलत बात है। अपने फायदे के लिए दूसरे का नुकसान करना कहां की अक्लमंदी है, बल्कि इस समस्या से निजात पाने के लिए कारगर समाधान की आवश्यकता है।

सरकार द्वारा किसानों की फसल को बचाने के लिए कुछ योजनाएं चलाई गईं हैं, जिनमें एक है सोलर फेंसिंग, इसमें सरकार सब्सिडी भी देती है। इससे गांव की उपजाऊ जमीन के चारों ओर तारों से बाड़बंदी कर दी जाती है, जिसमें मामूली सा सोलर करंट छोड़ा जाता है। जब भी कोई मवेशी उसे लांघने की कोशिश करता है तो उसे थोड़ा सा करंट लगता है और मवेशी वहां आने की दोबारा हिम्मत नहीं करता। इस करंट से मवेशी को जान की हानि नहीं होती। इससे भी फसलों का बचाव हो सकता है। बहुत से गांवों में यह सुविधा उपलब्ध भी है, मगर कुछेक ग्रामीण उस सोलर फेंसिंग का रख-रखाव ही नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण है आपस में ताल-मेल न होना। अगर ग्रामीणों ने तालमेल बैठा भी लिया और सोलर फेंसिंग के रखरखाव के लिए हर महीने के कुछ पैसे मुकर्रर कर लिए तो कोई कहता है कि मेरी जमीन तो बहुत थोड़ी सी है मैं क्यों ज्यादा पैसे दूं।

ऐसी बहुत सी अड़चनें हैं जो फसल को होने में रुकावट डालती हैं। ऐसी बात भी नहीं है कि सब जगह यही हाल हो। बहुत से गांवों के लोग ऐसे भी हैं जो आपसी झगड़ों को एक तरफ रख कर आपसी तालमेल बिठा कर सार्वजनिक कार्य बखूबी कर लेते हैं और ऐसा होना भी चाहिए। जो भूमि कभी उपजाऊ हुआ करती थी। हम सब का पालन-पोषण करती थी उसने आज बंजर का रूप धारण कर लिया है। आओ इसे फिर से उपजाऊ बनाएं। हम सब मिलकर कुछ ऐसी जुगत लगाएं वीरान पड़ी धरती पर फिर से हरियाली लाएं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शिक्षा ऋण महंगा और कार लोन सस्ता : भारत की बदलती प्राथमिकताओं का प्रश्न

डॉ. प्रियंका सौरभ
कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक

भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा को हमेशा राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। हम अक्सर कहते हैं कि युवा देश का भविष्य हैं, शिक्षा समाज की रीढ़ है और ज्ञान ही विकास का आधार है लेकिन जब व्यवहारिक व्यवस्था को देखा जाता है, तो स्थिति कुछ अलग दिखाई देती है।

आज भारत में कार खरीदना अपेक्षाकृत आसान होता जा रहा है, जबकि उच्च शिक्षा प्राप्त करना लगातार महंगा और कठिन बनता जा रहा है। बैंक नई कार खरीदने के लिए कम ब्याज दरों पर तुरंत ऋण देने को तैयार रहते हैं, परंतु शिक्षा ऋण के मामले में ब्याज दरें अधिक, नियम कठोर और प्र, या जटिल हो जाती है। यह केवल बैंकिंग व्यवस्था की तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा का खर्च सामान्य परिवारों की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। मेडिकल, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ और निजी विश्वविद्यालयों की फीस लाखों रुपए तक पहुंच चुकी है। मध्यमवर्गीय परिवार बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों की बचत खर्च कर देते हैं, फिर भी उन्हें शिक्षा ऋण लेना पड़ता है। दुखद बात यह है कि जिस शिक्षा से भविष्य बनना है, उसी पर सबसे अधिक ब्याज का बोझ डाल दिया जाता है। कई बार कार लोन की ब्याज दरें शिक्षा ऋण से कम होती हैं। इसका अर्थ यह है कि एक उपभोक्ता वस्तु खरीदना शिक्षा प्राप्त करने से सस्ता पड़ रहा है। यह केवल आर्थिक असंतुलन नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की भी विडंबना है।

बैंकों का तर्क होता है कि कार लोन सुरक्षित होता है, क्योंकि वाहन गिरवी संपत्ति की तरह काम करता है। यदि ऋण चुकाया न जाए तो बैंक वाहन जब्त कर

सकते हैं। इसके विपरीत शिक्षा ऋण में कोई भौतिक संपत्ति नहीं होती, वहां केवल छात्र की योग्यता और उसका भविष्य होता है। इसलिए बैंक इसे जोखिमपूर्ण निवेश मानते हैं।

बैंकिंग दृष्टि से यह तर्क उचित लग सकता है, लेकिन राष्ट्रीय दृष्टि से यह संकीर्ण सोच है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। एक छात्र जब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक या प्रशासक बनता है, तो उसका लाभ केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे समाज को मिलता है। इसलिए शिक्षा ऋण को केवल व्यापारिक दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए।

शिक्षा ऋण आज आर्थिक सहायता के साथ-साथ मानसिक दबाव का कारण भी बन चुका है। विद्यार्थी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही ईएमआई और ब्याज की चिंता में घिर जाते हैं। नौकरी मिलने से पहले कर्ज का भय उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। भारत में उच्च शिक्षा लगातार महँगी होती जा रही है, जबकि शिक्षा ऋण पर ब्याज दरें अब भी अधिक हैं। इसके विपरीत कार लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाते हैं।

यह स्थिति हमारी सामाजिक और आर्थिक प्राथमिकताओं पर प्रश्न खड़े करती है। मध्यमवर्गीय परिवार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, क्योंकि वे न तो सरकारी सहायता के पात्र बन पाते हैं और न ही भारी फीस आसानी से चुका सकते हैं। परिणामस्वरूप उन्हें शिक्षा ऋण लेना पड़ता है, जो बाद में मानसिक और आर्थिक बोझ बन जाता है।

कई छात्र अपनी रुचि छोड़कर केवल अधिक वेतन वाली नौकरियों की ओर जाते हैं ताकि ऋण जल्दी चुका सकें। इससे शोध, अध्यापन, साहित्य और सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में प्रतिभा कम हो रही है। सरकार और बैंकों को शिक्षा ऋण पर कम ब्याज, लचीली पुनर्भुगतान व्यवस्था और विशेष राहत योजनाएँ लागू करनी चाहिए। शिक्षा खर्च नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य में निवेश है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

लोकतंत्र के पर्व में मतदाता की भूमिका महत्वपूर्ण, प्रत्याशी को जरूर परखें

बचन सिंह घटवाल
मस्सल (नगरोटा बगवां)

लो भाई चुनाव आ गए। वैसे तो चुनावी प्रक्रिया का लेखा-जोखा अर्थव्यवस्था पर करोड़ों का बोझ डाल जाता है, परंतु प्रजातांत्रिक प्रणाली में तरक्की का पहिया तो चयनित प्रतिनिधियों द्वारा ही संचालित होता है। अगर यूं कहे तो राष्ट्र निर्माण में पंचायत जनप्रतिनिधियों का अमूल्य योगदान होता है जो देश में नव निर्माण की परिभाषा को मूर्त रूप देता है । ऐसे में मतदाता का भी कर्तव्य बनता है कि वह योग्य और सशक्त उम्मीदवार चुनने में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

वर्तमान में हिमाचली बयार कुछ ऐसी ही चल रही है। प्रदेश में पंचायत चुनाव चरणबद्ध तरीके से संपन्न करवाने की कवायद शुरू हो चुकी है। चुनाव का जोर शोर हर गली मोहल्ले को उम्मीदवारों के बड़े-बड़े पोस्टर, वादों का जामा पहनाए हुए अपने को उपयुक्त उम्मीदवार सिद्ध करते हुए चुनावी अखाड़े में उतरते दीख पड़ते हैं। उम्मीदवारों का सही मूल्यांकन जनता जनार्दन के अंतिम फैसलों पर निर्भर होता है, जो निर्धारित मतदान के दिन सिर्फ मत पत्र पर उपयुक्त उम्मीदवार पर मुहर लगाने भर से उनके भविष्य को तय कर जाता है। मतदाता वोट पूर्व कभी उम्मीदवारों के वायदों को परखते हैं, तो कभी उनकी कर्मठता व जनसेवा की यशोगाथा को तर्क सहित हृदय से टटोलते हैं। यूं कहें तो वोटर अपने ढंग से उम्मीदवार का मूल्यांकन करने में लगा रहता है जो गांव व देश की प्रगति को सही दिशा में बढ़ते कदमों को अपनी सोच का हिस्सा बनाता है। तो कोई व्यक्तिगत फायदों में हुए नफा नुकसान के बल पर अपनी सोच का दायरा घुमाता है। इसमें शंका नहीं जो व्यक्ति जनहित अनुरूप कार्यों संग सर्व विकास को अपना केंद्र बिंदु मानता है वही उम्मीदवार धीरे-धीरे वोटर के हृदय में सही जगह बना जाता है। दिल में उतरी हुई रूपरेखा मतदान पर्व पर मूर्त रूप में अमुक उम्मीदवार की जीत

की गाथा लिख जाता है। जनप्रतिनिधि लोकतंत्र में जनता का सच्चा सेवक होता है जो जन समस्याओं का निराकरण बिना किसी द्वेष, लिंग भेद एवं जाति के करे। यूं तो हवा का रुख भांप कर काफी जन एक ही नैया पर सवार होकर तैरने लग जाते हैं । मैं तो कहूंगा मताधिकार का प्रयोग हमें अपनी परख व समझ के अनुसार करना चाहिए। नैतिकता यही है कि हम लुभावने वायदों की परख रखें और अपनी सोच समझ का भरपूर प्रयोग करते हुए अपने मन वांछित उम्मीदवार को जननायक के रूप में विजय रथ पर बिठाएं। यह प्रजतंत्र है। अधिकारों को कभी-कभी हम अपना निजी हथियार बना लेते हैं और कर्तव्यों की बात आने पर उससे कन्नी काटना भी हम खूब जानते हैं। लोकतंत्र के पर्व में उमड़ा जन सैलाब एक-एक करके अपने मताधिकार से सही का चुनाव जरूर करता है। व्यक्तिगत विचारधारा पर कभी-कभी आम जनमानस की संयुक्त प्रतिक्रिया का भी असर असरदायक सिद्ध हो सकता है । हिमाचली लोग अपने व्यवहार और सत्कार के लिए जाने जाते हैं। असरदार ढंग से फैसलों की कमान संभाले हमारे घर के मुखियों का फैसला जननायक से कम नहीं होता । फर्क इतना ही है वे परिवार को लेकर आगे बढ़ते हैं और जनप्रतिनिधि जन-जन की समस्याओं को एकीकृत कर उसका निराकरण करते हैं। एक का पारिवारिक बंधन का रिश्ता है तो दूसरे का समाज और जनता के बीच का बंधुत्व भरा रिश्ता। परिवार में बड़े-बुजुर्गों की सलाह हमेशा मार्गदर्शक मानी जाती है। कठिन परिस्थितियों में उनका अनुभव सही निर्णय लेने में सहायता करता है। जिस प्रकार सरकार जनप्रतिनिधियों के कार्यों पर नजर रखती है, उसी प्रकार परिवार का मुखिया भी परिवार को सही दिशा देता है।

चुनावों के समय इंटरनेट, मोबाइल, टीवी और समाचार पत्रों में प्रचार का माहौल बन जाता है। उम्मीदवार आकर्षक वादों और प्रचार से मतदाताओं को लुभाने का प्रयास करते हैं। बदलती राजनीतिक रंगत के बीच हर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्सुक दिखाई देता है। प्रत्येक मतदाता को सोच-समझकर योग्य उम्मीदवार चुनना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में निहित है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

खुद से दोस्ती : आत्मविश्वास, आत्मसम्मान व सफल जीवन की सबसे बड़ी ताकत

रश्मि शर्मा
अध्यापिका, घुमारवीं, जिला बिलासपुर

आज के समय में हर व्यक्ति किसी न किसी के सहारे की तलाश में रहता है। कोई दोस्तों पर भरोसा करता है, कोई परिवार पर और कोई समाज पर लेकिन जीवन का सबसे बड़ा सच यह है कि इंसान का सबसे अच्छा दोस्त उसका अपना आप होता है। जब व्यक्ति खुद का साथ देना सीख जाता है, तब वह हर परिस्थिति का सामना मजबूती से कर सकता है।

मेरे विचार से यदि इंसान खुद को समझ ले, खुद पर विश्वास करना सीख ले, तो उसे जीवन में आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। आज की युवा पीढ़ी एक ऐसी दुनिया में जी रही है जहां दिखावा, तुलना और दूसरों की राय बहुत मायने रखने लगी है। सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का केवल अच्छा हिस्सा दिखाते हैं, जिसे देखकर कई युवा खुद को कम समझने लगते हैं। वे दूसरों जैसी जिंदगी पाने की दौड़ में अपनी असली पहचान खोने लगते हैं। मुझे लगता है कि यही आज की सबसे बड़ी समस्या है। युवा दूसरों को खुश करने में इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे खुद की खुशी को भूलते जा रहे हैं।

मेरे अनुसार हर व्यक्ति अपने आप में खास होता है। किसी की सफलता देखकर खुद को कमजोर समझना सही नहीं है। हर इंसान की अपनी क्षमता और अपनी पहचान होती है। जरूरत केवल इस बात की है कि हम खुद को स्वीकार करें और अपनी कमियों को सुधारते हुए आगे बढ़ें। जब इंसान खुद से प्यार करना सीख जाता है, तब उसे दूसरों की स्वीकृति की जरूरत कम पड़ने लगती है।

कठिन समय में कई बार लोग साथ छोड़ देते हैं, लेकिन यदि व्यक्ति का आत्मविश्वास मजबूत हो तो वह कभी टूटता नहीं। मैंने हमेशा यही महसूस किया है कि जीवन में सबसे ज्यादा जरूरत खुद के भरोसे की होती है। जब हम खुद को समझते हैं, अपने मन की सुनते हैं और

अपनी भावनाओं का सम्मान करते हैं, तभी हम सच्चे अर्थों में खुश रह सकते हैं। आज के युवाओं को यह समझने की जरूरत है कि असली खुशी दूसरों जैसा बनने में नहीं, बल्कि अपने वास्तविक व्यक्तित्व को अपनाने में है। हर समय दूसरों से तुलना करना केवल तनाव और निराशा बढ़ाता है। यदि युवा अपनी ऊर्जा अपनी प्रतिभा को पहचानने और अपने सपनों को पूरा करने में लगाएं, तो वे जीवन में कहीं ज्यादा सफल और संतुष्ट रह सकते हैं। मेरे विचार से आत्मविश्वास इंसान की सबसे बड़ी ताकत होती है। जब व्यक्ति स्वयं का मित्र बन जाता है, तब वह अकेले रहकर भी कभी कमजोर महसूस नहीं करता। उसे अपने निर्णयों पर भरोसा होने लगता है और वह जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना साहस के साथ करना सीख जाता है।

आत्मविश्वासी व्यक्ति दूसरों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहता, बल्कि अपनी क्षमताओं को पहचानकर आगे बढ़ता है। जीवन में कई बार लोग बदल जाते हैं, रिश्ते कमजोर पड़ जाते हैं और परिस्थितियां भी साथ नहीं देतीं, लेकिन एक रिश्ता ऐसा होता है जो हमेशा हमारे साथ रहता है- हमारा अपने आप से रिश्ता।

इसलिए हमें सबसे पहले स्वयं को समझना चाहिए, अपनी अच्छाइयों और कमियों को स्वीकार करना चाहिए और खुद का सम्मान करना सीखना चाहिए। जब इंसान खुद का सच्चा साथी बन जाता है, तब वह हर मुश्किल को आसानी से पार कर सकता है और जीवन की राहें भी सरल लगने लगती हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

अगाटा इसाबेला खूबसूरत अंदाज में

इटली। अगाटा इसाबेला सेंटासो का जन्म 19 जनवरी, 1990 को हुआ था। वह वर्तमान में सीरी बी क्लब वेनेजिया की महिला टीम का प्रतिनिधित्व करती हैं, सोशल मीडिया पर उनके बहुत सारे फॉलोअर्स हैं, उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर 78,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

आईपीएल मुंबई से हारते ही प्लेऑफ की उम्मीदों पर लग सकता है पूर्ण विराम

केकेआर के लिए 'करो या मरो' मुकाबला

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बुधवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबला करो या मरो जैसा होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अजिंक्य रहाणे की अगुवाई वाली टीम को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हार की स्थिति में केकेआर लगातार दूसरे सत्र में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

हालांकि, सिर्फ जीत से भी केकेआर का काम पूरा नहीं होगा। टीम की किस्मत लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के मुकाबले पर भी निर्भर करेगी। यदि पंजाब वह मैच जीत जाता है तो केकेआर का अंतिम लीग मुकाबला महज औपचारिकता बनकर रह जाएगा। ऐसे में टीम के लिए हर मैच फाइनल जैसा बन गया है।

इस बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुके हैं, जबकि मुंबई और लखनऊ की टीमें बाहर हो चुकी हैं। बाकी एक स्थान के लिए पंजाब, राजस्थान, चेन्नई, दिल्ली और केकेआर के बीच कड़ा संघर्ष जारी है। राजस्थान और केकेआर के पास अभी दो-दो मैच शेष हैं, जिससे मुकाबला और रोचक हो गया है। केकेआर ने पिछले छह मैचों में पांच जीत दर्ज कर शानदार वापसी की है। टीम के बल्लेबाज फिन एलन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और हाल की पारियों में शतक व 93 रन की विस्फोटक पारी खेल चुके हैं। युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी और कैमरन ग्रीन ने भी प्रभावित किया है, जबकि रिंकू सिंह ने फिनिशर की भूमिका बेहतरीन ढंग से निभाई है। हालांकि, कप्तान रहाणे की खराब फॉर्म और मथीशा पथिराना व वरुण चक्रवर्ती की चोट टीम के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट का अंत जीत के साथ करना चाहेगी।

कप्तान हार्दिक पांड्या की वापसी की संभावना है, लेकिन उनका प्रदर्शन इस सीजन में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। वहीं सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा और तिलक वर्मा भी निरंतरता नहीं दिखा पाए हैं। ऐसे में दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहने की उम्मीद है। (अनंत ज्ञान)

मैच : शाम 7.30 बजे से

संभावित टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरन ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती और प्रशांत सोलकी।

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पांड्या (कप्तान), नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, दानिश मालेवार, अथर्व अकोलेकर, एएम गजनफर, मयंक रावत, रघु शर्मा, मोहम्मद सलाहुद्दीन इजहार और रॉबिन मिंज।

रुतुराज को संपूर्ण कप्तान बनने में अभी समय लगेगा : स्टीफन

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्वीकार किया कि कप्तान के रूप में रुतुराज गायकवाड़ को अब भी काफी सुधार करने की जरूरत है। सीएसके की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को सनराइजर्स हैदराबाद से पांच विकेट की हार के कारण करारा झटका लगा है। उसकी टीम अब अगर मगर की कठिन डगर में फंस गई है। सीएसके को अब वीरवार को न सिर्फ गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना अंतिम लीग मैच जीतना होगा बल्कि अन्य मैचों के परिणाम पर भी निर्भर रहना होगा। फ्लेमिंग ने पिछले तीन सत्र से सीएसके के कप्तान 29 वर्षीय गायकवाड़ के बारे में कहा, ''रुतुराज बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने क्रिकेट जगत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक (महेंद्र सिंह धोनी) से कमान संभाली है। इसलिए इसमें थोड़ा समय लगेगा।''

उन्होंने कहा, ''वह अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहा है और खिलाड़ियों की बीच भी उसके लिए काफी सम्मान है। वह लगातार सीख रहा है और उस पर अच्छी तरह से अमल भी कर रहा है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह भविष्य में फ्रेंचाइजी का बेहतरीन कप्तान साबित होगा।'' गायकवाड इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उनका औसत 29 है। उन्होंने अब तक खेले गए 13 मैचों में केवल दो अर्द्धशतक ही लगाए हैं।

फ्लेमिंग ने कहा, ''हमने टीम में काफी बदलाव किए और हम सत्र की शुरुआत से ही जानते थे कि हम अन्य टीमों की तुलना में थोड़ा पीछे हैं। अच्छी शुरुआत करना बहुत अच्छा होता, लेकिन हमारी शुरुआत खराब रही, लेकिन बाद में हमने अच्छी वापसी की जो वास्तव में संतोषजनक है।''

फ्लेमिंग ने कहा कि पिंडली की चोट के कारण धोनी के एक भी मैच में न खेलने के बावजूद डगआउट में उनकी उपस्थिति प्रेरणादायी रही है। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि धोनी के खेलने को लेकर काफी चर्चा हो रही है। लेकिन उन्होंने इस साल टीम के साथ काफी समय बिताया जो टीम के लिए और युवा खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण रहा है। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

बिली जीन किंग ने पढ़ाई शुरू करने के 65 साल बाद डिग्री हासिल की

एजेंसी, लॉस एंजिलिस। बिली जीन किंग ने जश्न मनाते हुए खुशी में अपना दाहिना हाथ उठाया लेकिन यह टेनिस कोर्ट पर एक और जीत की खुशी नहीं थी। इस बार वह अपनी पढ़ाई शुरू करने के 65 साल बाद कॉलेज की डिग्री हासिल करने का जश्न मना रही थीं। इस 82 वर्षीय दिग्गज ने एक समारोह में कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिलिस से इतिहास में कला स्नातक की उपाधि हासिल की। बिली जीन ने बाद में कहा, ''किसी भी काम को पूरा करने के लिए देर कभी नहीं होती फिर चाहे आपकी उम्र जो भी हो, चाहे आपकी क्षमता जो भी हो, अगर आप कुछ चाहते हैं तो उसके लिए प्रयास करें।'' उन्होंने कहा, ''मैंने जितना सोचा था यह मेरे लिए उससे कई अधिक मायने रखता है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं डिग्री हासिल करने में सफल रही।'' किंग ने दो साल पहले घोषणा की थी कि वह उसी कॉलेज में अपनी डिग्री पूरी करेंगी, जहां शारीरिक शिक्षा भवन के बाहर उनकी कांस्य प्रतिमा लगाई गई है। वह कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाली अपने परिवार की पहली सदस्य हैं। बिली जीन किंग ने 1961 में कॉलेज में दाखिला लिया था। यह वही वर्ष था जब उन्होंने अपना पहला विंबलडन खिताब जीता था। यह खिताब उन्होंने महिला युगल में जीता था। विंबलडन में उन्होंने कुल 20 खिताब जीते। उन्होंने इसके बाद जल्द ही पढ़ाई छोड़ दी थी। उनके नाम पर ग्रैंड स्लैम में कुल 39 खिताब दर्ज हैं। (अनंत ज्ञान)

फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद नेमार ब्राजील की विश्व कप टीम में

एजेंसी, रियो डी जनेरियो। स्टार स्ट्राइकर नेमार को उनकी फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद ब्राजील की विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। यह फुटबॉलर इस तरह से अपना चौथा विश्व कप खेलेगा। 34 वर्षीय नेमार के नाम पर ब्राजील की तरफ से सर्वाधिक 79 गोल करने का रिकॉर्ड है, लेकिन वह अक्तूबर 2023 में बाएं एसीएल में चोट लगने के बाद से अपनी सर्वश्रेष्ठ फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस साल ब्राजील के अपने क्लब सैंटोस के लिए आठ मैच खेले हैं, जिनमें चार गोल किए। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को रियो डी जनेरियो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''उन्होंने अपनी फिटनेस में काफी सुधार किया है। वह इस विश्व कप में हमारे महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उनकी फिटनेस में और सुधार होने की संभावना है।'' कोच ने कहा कि उन्होंने अपनी टीम में कुछ स्थानों के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है, जिनमें नेमार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''उन्हें इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। उनका अनुभव हमारे लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।'' ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम में हाल के वर्षों के उसके प्रमुख खिलाड़ी रहे विनीसियस जूनियर और राफिन्हा भी शामिल हैं। ब्राजील 13 जून को न्यूजर्सी में मोरक्को के खिलाफ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद ग्रुप सी में उसका मुकाबला हैटी और स्कॉटलैंड से होगा। (अनंत ज्ञान)

यह संभवत : मौजूदा आईपीएल सत्र में ईशान की सर्वश्रेष्ठ पारी थी : फ्रैंकलिन

एजेंसी, चेन्नई

सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच जेम्स फ्रैंकलिन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ पांच विकेट की जीत में ईशान किशन के मैच विजेता प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा कि यह संभवत: आईपीएल के मौजूदा सत्र में उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी है। सनराइजर्स ने इस जीत से प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। इस मैच में ईशान ने 47 गेंदों में 70 रन बनाए। उनकी यह पारी आखिर में निर्णायक साबित हुई।

फ्रैंकलिन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''ईशान ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले भारत की तरफ से भी अच्छा प्रदर्शन किया था और उन्होंने उसी फॉर्म को आईपीएल में भी बरकरार रखा है। मेरा मानना है कि अगर आप ईशान के इस सत्र में आईपीएल में अब तक के प्रदर्शन के बारे में पूछेंगे, तो शायद यह उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी थी।''

उन्होंने कहा, ''अगर परिस्थितियों और पिच की बात करें तो आईपीएल में हम अक्सर सपाट पिचों पर खेलते हैं जो पावर हिटिंग के लिए अनुकूल होती हैं। लेकिन आज ऐसा नहीं था और बल्लेबाजों को अपनी पारी आगे बढ़ाने के लिए अलग तरीके अपनाने पड़े।'' फ्रैंकलिन ने कहा, ''ईशान की पारी परिपक्वता से भरी थी। उन्होंने परिस्थितियों का अच्छी तरह से आकलन किया और उसी के अनुरूप बल्लेबाजी की।'' (अनंत ज्ञान)

आर्सेनल 22 साल में अपने पहले प्रीमियर लीग खिताब के करीब

एजेंसी, लंदन। काई हावर्ट्ज के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से आर्सेनल कुछ तनाव भरे पलों से गुजरने के बाद बर्नली पर 1-0 से जीत हासिल करके 22 साल में पहली बार प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतने के करीब पहुंच गया। इस जीत से आर्सेनल के 37 मैच में 82 अंक हो गए हैं और अगर वह रविवार को होने वाले अंतिम दौर के मैच में क्रिस्टल पैलेस को हरा देता है तो वह चैंपियन बन जाएगा।

मैनचेस्टर सिटी 36 मैच में 77 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है और उसे खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए के लिए अपने अगले मैच में बोर्नमाउथ को हराना होगा। बोर्नमाउथ पिछले 16 मैचों से अजेय है। आर्सेनल की टीम इस सत्र में दो प्रमुख खिताब जीतने के करीब है। वह 30 मई को चैंपियंस लीग के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन का सामना भी करेगी। आर्सेनल ने प्रीमियर लीग में अपना आखिरी खिताब 2004 में जीता था। (अनंत ज्ञान)

भारत में प्रतिभा की कमी नहीं : कोच टिम

एजेंसी, भोपाल

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच टिम व्हाइट ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां चल रही अंडर-18 सीरीज के लिए अपने दौरे के दौरान देश में आयु वर्ग में अपार प्रतिभा की सराहना की। व्हाइट ने छह सप्ताह पहले बेंगलुरु में अंडर-21 राष्ट्रीय टीम का कार्यभार संभाला था। उन्होंने युवा स्तर और सीनियर राष्ट्रीय टीम के बीच मजबूत संबंध बनाने के महत्व पर जोर दिया।

व्हाइट ने कहा, ''मैं भोपाल आकर अंडर-18 टीम का मूल्यांकन करने के लिए बेहद उत्सुक था क्योंकि यही हमारी प्रतिभा का मुख्य स्रोत है। रानी (रामपाल) के साथ मेरी बहुत अच्छी बातचीत हुई, जो इस युवा टीम के साथ बहुत अच्छा काम कर रही हैं।'' रानी अंडर-18 महिला टीम की कोच हैं।

उन्होंने कहा, ''यह युवा टीम है जिसमें 15 और 16 साल के कई खिलाड़ी हैं, जिनमें शारीरिक और रणनीतिक रूप से परिपक्व होने की अपार संभावनाएं हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले और दूसरे मैच के बीच उन्होंने जो प्रगति की, वह बेहद उत्साहजनक है।'' व्हाइट भारत की जूनियर टीम से जुड़ने से पहले हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में तमिलनाडु ड्रैगन्स पुरुष फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच थे।

बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के परिसर में जूनियर कोर ग्रुप के साथ अपने शुरुआती समय के बारे में व्हाइट ने कहा, ''यह छह सप्ताह बहुत ही व्यस्त रहे हैं, लेकिन हमने इस शुरुआती चरण में ठीक वही हासिल कर लिया है जो मैं चाहता था।'' उन्होंने कहा, ''भाषा संबंधी कुछ मामूली समस्याएं हैं, लेकिन हम अनुवाद, व्हाइटबोर्ड और सरल संदेशों का उपयोग करके उन्हें आसानी से दूर कर लेते हैं। मेरी प्राथमिकता भारतीय जूनियर महिला टीम की खिलाड़ियों को हॉकी की एक विशिष्ट, आधुनिक शैली में प्रशिक्षित करना है जिससे उनकी पूरी क्षमता निखर कर सामने आए।'' व्हाइट ने कहा, ''हम जूनियर स्तर पर ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं जो सीनियर टीम में आने पर तुरंत ही अपनी छाप छोड़ सकें।'' (अनंत ज्ञान)

एफएटीएफ की नेपाल को ब्लैक लिस्ट की चेतावनी

एजेंसी, काठमांडू

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स के एशिया-प्रशांत समूह (एपीजी) ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद वित्तपोषण रोकने में पर्याप्त प्रगति नहीं होने पर नेपाल को 'ब्लैक लिस्ट' में डालने की चेतावनी दी है। एपीजी ने कहा कि ग्रे लिस्ट से बाहर निकलने के लिए नेपाल की प्रगति बेहद निराशाजनक रही है।

एपीजी ने स्पष्ट किया कि सितंबर 2026 में होने वाली निर्णायक समीक्षा से पहले यह अंतिम उच्च स्तरीय हस्तक्षेप है और नेपाल के पास सुधार लागू करने के लिए अब चार महीने से भी कम समय बचा है। काठमांडू में जारी तीन दिवसीय बैठक के दौरान एपीजी प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एपीजी ने उपकार्यकारी सचिव डेविड सैनन के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल नेपाल भेजा है। इसे नेपाल की गंभीर स्थिति का संकेत माना जा रहा है। बैठक में प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, कानून मंत्रालय, नेपाल राष्ट्र बैंक, नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों ने भाग लिया। एपीजी ने कानून लागू करने, जांच एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने और संदिग्ध मामलों में कार्रवाई की धीमी रफ्तार पर असंतोष जताया।

एफएटीएफ ने 21 फरवरी 2025 को नेपाल को दो वर्षों के लिए ग्रे लिस्ट में रखा था। नेपाल सरकार का कहना है कि ग्रे लिस्ट से बाहर निकलना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि इसका असर निवेश और अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ रहा है। एपीजी के अनुसार मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में दर्ज मुकदमों और जांच की संख्या अभी भी नाकाफी है। नेपाल इससे पहले 2011 में भी ग्रे लिस्ट में शामिल हुआ था और 2014 में बाहर निकलने में सफल रहा था। (अनंत ज्ञान)

सोना 1168 रुपए बढ़ा और चांदी 2181 रुपए हुई महंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 19 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1168 रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी का दाम 2,181 रुपए बढ़कर 2.70 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 2.68 लाख रुपए पर थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

सोना 2026 में अब तक 26 हजार रुपए और चांदी 40 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.59 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.70 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका-ईरान को मनाने में जुटे कतर सऊदी अरब, यूएई और पाकिस्तान

एजेंसी, वाशिंगटन

कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों में जुटे हैं। इन देशों की पहल के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिलहाल ईरान पर प्रस्तावित हमले को टाल दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई के अनुरोध पर हमले की योजना स्थगित की गई है, क्योंकि दोनों देशों के बीच शांति समझौते को लेकर गंभीर बातचीत चल रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि खाड़ी देशों की मध्यस्थता से जल्द समाधान निकल सकता है। हालांकि ट्रंप ने साफ किया कि ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम एशिया के सहयोगी देश समझौते से संतुष्ट होते हैं तो अमेरिका को भी कोई आपत्ति नहीं होगी। इसी कारण अमेरिका ने फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोक दी है। इससे पहले ईरान ने संभावित समझौते के लिए संशोधित मसौदा भेजा था। बताया जा रहा है कि यह मसौदा पाकिस्तान के जरिए अमेरिका तक पहुंचाया गया।

नेपाल सीमा पर भारतीय नागरिक से 570 ग्राम सोना और 20 हजार अमेरिकी डॉलर बरामद

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के पूर्वी झापा के मेचीनगर स्थित कांकडभिट्टा सीमा क्षेत्र में सशस्त्र प्रहरी बल और कस्टम कार्यालय की संयुक्त टीम ने 570 ग्राम सोना तथा 20 हजार अमेरिकी डॉलर व अन्य विदेशी मुद्रा के साथ एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है।

सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल के अनुसार, भारत से सिटी सफारी वाहन के जरिए नेपाल आ रहे भारत निवासी 39 वर्षीय परम पाठक को विशेष सूचना के आधार पर मंगलवार सुबह जांच के दौरान पकड़ा गया। उसके पास 570 ग्राम सोना, 20 हजार अमेरिकी डॉलर तथा 85 हजार 410 भारतीय रुपये मिले हैं। साथ ही एक भारतीय आधार कार्ड, दो मोबाइल फोन, एक हार्ड डिस्क, एक बैंक चेक तथा सात सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। सशस्त्र प्रहरी के प्रवक्ता एवं सशस्त्र प्रहरी नायब महानिरीक्षक बिष्णु प्रसाद भट्ट ने जानकारी दी कि गिरफ्तार किए गए पाठक को बरामद सामग्री के साथ मेची भंसार कार्यालय कांकडभिट्टा को सौंप दिया गया है। वह किस उद्देश्य से नेपाल में प्रवेश कर रहा था, इसकी फिलहाल जांच जारी है। (अनंत ज्ञान)

रायबरेली में दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं राहुल गांधी, बोले-

देश में अब आने वाला है आर्थिक तूफान

एजेंसी, रायबरेली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे के पहले दिन रायबरेली में कहा कि देश में अब आर्थिक तूफान आने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने जो ढांचा बनाया था, वह टूटने वाला है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल रायबरेली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि किसान, छोटे व्यापारी, आम आदमी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रधानमंत्री खुद विदेश जा रहे हैं जबकि दूसरों को जाने से रोक रहे हैं।

दरअसल, राहुल गांधी रायबरेली संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को रायबरेली पहुंचे हैं। यहां कार्यकर्ताओं ने चूरूवा बॉर्डर पर राहुल गांधी का भव्य स्वागत किया। चूरूवा बॉर्डर पर स्थित हनुमान मंदिर पर उन्होंने मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। इस दौरान बाहर मौजूद कार्यकर्ता उनके पक्ष में नारेबाजी कर रहे थे। राहुल इसके बाद बछरावां पहुंचे। भक्तिन खेड़ा गाँव में सांसद निधि से बने बारात घर का उद्घाटन किया। 15 लाख की लागत से बने इस बारात घर का शिलान्यास भी राहुल ने किया था।

इसके अलावा राहुल गांधी अन्य कई कार्यक्रमों में प्रतिभाग करेंगे। यहां वह लोगों से सीधे रूबरू होंगे। कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी का लालगंज में महिलाओं के साथ बैठक कर संवाद करने का कार्यक्रम है। मंगलवार शाम को वह भुएमऊ गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। जहां रात्रि विश्राम के बाद बुधवार को सुबह जनप्रतिनिधियों के साथ ही संगठन के लोगों व जनता से मुलाकात करेंगे। इसके बाद लोधवारी में बीरा पासी की मुर्ति पर पुष्प अर्पित कर जन प्रतिनिधियों से बात करेंगे। सांसद राहुल गांधी का अमेठी में भी एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसके साथ ही दिवंगत कांग्रेस नेता योगेंद्र मिश्रा के आवास जाएंगे। वहां परिजनों से मुलाकात कर उनको सांत्वना देंगे। इसके बाद लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

सेंसेक्स 114.19 अंक गिरा और निफ्टी 23,618 पर बंद हुई बंद

एजेंसी, नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तनाव घटने और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिली। ईरान पर अमेरिका के हमले की आशंका टलने से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई, जिसके चलते प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब आधा प्रतिशत तक चढ़ गए। इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 400 से अधिक अंक उछलकर ऊपरी स्तर पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 50 23,750 के पार चला गया। हालांकि दिन के दूसरे हिस्से में प्राइवेट बैंकिंग शेयरों में बिकवाली और मुनाफावसूली के दबाव से बाजार में गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी 23,600 के नीचे फिसल गया, जबकि सेंसेक्स अपने दिन के उच्च स्तर से 600 अंक से अधिक टूट गया। अंत में सेंसेक्स 114.19 अंक की गिरावट के साथ 75,200.85 पर और निफ्टी 31.95 अंक टूटकर 23,618 पर बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी जारी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1 प्रतिशत से अधिक और निफ्टी मिडकैप 100 में करीब 1 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। सेक्टरल आधार पर आईटी और रियल्टी शेयरों ने बाजार को सहारा दिया, जबकि प्राइवेट बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर दबाव में रहे। आईटी इंडेक्स 3% से अधिक चढ़ा और रियल्टी में भी 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 2 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में बढ़ोतरी दर्ज की गई। (अनंत ज्ञान)

अनंत Classifieds

NAME CHANGE

I, **Neha Sharma**, D/o Shri Uttam Chand, Village Rakkar P.O. Sidhbari, Tehsil Dharamshala, District Kangra H.P.,declare that in my son's birth certificate, my son's name has been wrongly recorded as Adhyan Khatri and my name has been wrongly recorded as Neha Khatri. Whereas my son's correct name is Adhyan Sharma and my correct name is Neha Sharma. All concerned may please note.

In the court of Sh. Maneesh Chaudhary (H.A.S.) Marriage officer cum-Sub Divisional Magistrate, Joginder Nagar District Mandi (H.P.)

In the matter of :- 1. Sh. Ajay Kumar aged about 29 years (DOB 30-07-1996) S/O Sh. Thakar Singh R/o Village Kharihar, P.O. Kharihar Thara, Tehsil Joginder Nagar, Distt. Mandi H.P. 2. Smt. Soniya aged about 20 years (DOB 01-03-2006) D/O Sh. Lot Ram R/o V. Soyal, P.O. Kararsu, Tehsil & Distt. Kullu, H.P. at present W/O Sh. Ajay Kumar S/O Sh. Thakar Singh R/o Village Kharihar, P.O. Kharihar Thara, Tehsil Joginder Nagar, Distt. Mandi H.P. ...*Applicants.*

Versus General Public

...*Respondents*

Subject: Proclamation for the registration of Marriage under section 15, Chapter-III of the special Marriage Act, 1954.

In the above noted Sh. Ajay Kumar and Smt. Soniya have filed an application on dated 16-05-2026 along with affidavits in the court of undersigned under section 15 of special marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on dated 07-10-2024 according to the custom & ritual of Hindu religion since from the date of marriage they are living together as Husband & wife, hence their marriage may be registered under special marriage Act, 1954. Therefore, the general public & the parents of the applicants are hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally in writing or through their legal advisor before this court on or before dated 30/06/2026 The objection received after 30/06/2026 will not be entertained and marriage will be registered accordingly. Issued today on 19/05/2026 under my hand and seal of this court.

Marriage officer cum-Sub Divisional Magistrate, Joginder Nagar District Mandi (H.P.)

कार्यालय कार्यकारी दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार पधर जिला मंडी हिमाचल प्रदेश।

श्री धनी राम पुत्र जय राम गांव मसेरन डाकघर द्रंग तहसील पधर जिला मण्डी। ...*प्रार्थी*

बनाम आम जनता

...*प्रत्यार्थी*

विषय दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म व मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969

आवेदक श्री धनी राम पुत्र जय राम गांव मसेरन डाकघर द्रंग तहसील पधर जिला मण्डी हि० प्र० ने इस अदालत में प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र गुजारा है कि उसकी माता का नाम निक्की देवी विध्वा जय राम व मृत्यु दिनांक 16-12-1997 को हुई थी, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत पाली, तहसील पधर, जिला मण्डी (हि०प्र०) में अज्ञानतावश दर्ज नहीं करवाया है। अतः इस इश्तहार द्वारा आम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त व्यक्ति की माता की मृत्यु तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह दिनांक 05-06-2026 को या इससे पूर्व अदालत में हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा कोई एतराज प्राप्त ना होने की सूरत में सम्बन्धित सचिव, ग्राम पंचायत पाली, को उक्त प्रार्थी की माता के मृत्यु तिथि दर्ज करने बारे आदेश जारी कर दिये जायेंगे। आज दिनांक 19-05-2026 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी।

कार्यकारी दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार पधर जिला मंडी हिमाचल प्रदेश।

महंगाई की मार, हफ्ते में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

कई पंपों पर तेल की किल्लत से लोग परेशान, वाहन चालकों और पर्यटन कारोबारियों की चिंता बढ़ी

अनंत ज्ञान

मनाली। देशभर में ईंधन की कीमतों में लगी आग का असर अब पर्यटन नगरी मनाली और इसके आसपास के क्षेत्रों में साफ दिखने लगा है। एक ही सप्ताह के भीतर दूसरी बार पेट्रोल और डीजल के दामों में हुई बढ़ोतरी ने स्थानीय जनता, वाहन चालकों और पर्यटन कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है।

इस ताजा वृद्धि के बाद मनाली में पेट्रोल की कीमत 99 रुपए 25 पैसे और डीजल की कीमत 91 रुपए 23 पैसे प्रति लीटर तक पहुंच गई है। पंजाब से मनाली टैक्सी लेकर पहुंचे चालक अमनदीप ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा कि अगर साल में एक या दो बार दाम बढ़ें तो समझ आता है, लेकिन एक ही हफ्ते में दो-दो बार कीमतों में उछाल आना आम जनता की कमर तोड़ने जैसा है। इससे हमारा पूरा बजट बिगड़ गया है।

मनाली स्थित पेट्रोल पंप में डीजल व पेट्रोल के लिए खड़े वाहन।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत, 19 किमी दूर जाने को मजबूर लोग : दामों में बढ़ोतरी के बीच मनाली के कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की किल्लत (शॉर्टेज) भी देखने को मिल रही है। स्थिति यह है कि कई वाहन चालकों को मजबूरन ईंधन भरवाने के लिए मनाली से करीब 19 किलोमीटर दूर पतलीकूहल का रुख करना पड़ रहा है।

पर्यटकों और स्थानीय लोगों की जेब पर सीधा असर: इससे पहले बीते 15 मई को भी पेट्रोल-डीजल के दामों में 3 रुपए की भारी बढ़ोतरी की गई थी। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि लगातार हो रही इस बढ़ोतरी का सीधा असर आम लोगों की जेब के साथ-साथ मनाली के मुख्य आधार पर्यटन कारोबार पर पड़ेगा।

पतलीकूहल में स्थिति सामान्य : अमित

दूसरी ओर पतलीकूहल स्थित पेट्रोल पंप के मालिक अमित बहल ने बताया कि ताजा बढ़ोतरी के बाद उनके यहां भी पेट्रोल 99 रुपए और डीजल 91 रुपए के पार पहुंच गया है। हालांकि, उन्होंने राहत की बात यह बताई कि उनके पंप पर डीजल और पेट्रोल की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है।

कैम्ब्रिज स्कूल की छात्रा आशीर्या का राष्ट्रीय 'प्रेरणा' कार्यक्रम के लिए चयन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। कैम्ब्रिज इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा आशीर्या वशिष्ठ का केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के 'प्रेरणा' कार्यक्रम के लिए चयन हुआ है, जिससे कुल्लू जिले का नाम रोशन हुआ है। यह एक सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर स्थित द वर्नाक्युलर स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

आशीर्या की इस उपलब्धि की शुरुआत विद्यालय में आयोजित 'प्रेरणा उत्सव' के दौरान 'विकसित भारत 2047 की दृष्टि' विषय पर भाषण प्रतियोगिता से हुई, जिसके बाद उन्होंने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया में 30 विद्यार्थियों के साक्षात्कार के बाद प्रतिभागियों का चयन किया गया। आशीर्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया।

गलतियों से बचने के लिए दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अध्ययन करें : मुकेश

पंचायतीराज चुनाव के लिए कमर कसी, नग्गर ब्लॉक के चुनाव कर्मियों दिया प्रशिक्षण

अनंतड्ड ज्ञान

मनाली। हिमाचल प्रदेश में आगामी पंचायतीराज चुनाव 2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को मनाली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नग्गर विकास खंड के चुनाव अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण संस्थान में प्रथम चरण के प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान खंड विकास अधिकारी नग्गर, मुकेश ने सभी तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी, निष्पक्षता और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान अधिकारियों से अपील की कि वे राज्य चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का गहनता से अध्ययन करें ताकि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की त्रुटि या असुविधा से बचा जा सके। नग्गर विकास खंड में मतदान और मतगणना की तारीखें इस प्रकार तय की गई हैं। पंचायत प्रधान, उप-प्रधान और पंच 26, 28 और 30 मई मतदान के तुरंत बाद (उसी दिन) परिणाम घोषित होगा। पंचायत समिति और जिला परिषद 26, 28 और 30 मई को चुनाव होंगे जबकि 31 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे। मुकेश ने कहा कि चुनावों को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों और कर्मियों को मतदान प्रक्रिया, पोलिंग बूथों पर पालन किए जाने वाले नियमों, मतदान सामग्री के प्रबंधन और निर्वाचन से जुड़ी अन्य आवश्यक जानकारी दी गई है।

प्रशिक्षण के दौरान बीडीओ नग्गर व उनके साथ चुनाव कर्मी।

41 पंचायतों में चुनावी प्रक्रिया शुरू

प्रशिक्षण के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए बीडीओ मुकेश ने बताया कि नग्गर विकास खंड के तहत आने वाली सभी 41 पंचायतों में चुनाव प्रक्रिया को विधिवत रूप से आरंभ कर दिया गया है।

मनाली के जांबाज पर्वतारोही रजत ठाकुर ने रचा इतिहास

रजत ने फ्रेंडशिप पीक पर लहराया तिरंगा, 40वीं चोटी की फतह

अनंत ज्ञान

मनाली। मनाली के एक छोटे से गांव के युवा पर्वतारोही रजत ठाकुर ने पर्वतारोहण के क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने समुद्र तल से 5289 मीटर ऊंची फ्रेंडशिप पीक पर अपनी 40वीं सफल चढ़ाई पूरी कर ली है।

फ्रेंडशिप पीक पर तिरंगा लहराते हुए रजत।

यह उपलब्धि पूरे माउंटेन कम्युनिटी और कुल्लू घाटी के लिए गर्व का क्षण बन गई है। रजत ने इससे पहले 39 चोटियों को सफलतापूर्वक फतह किया था और अब 40वीं चढ़ाई के साथ उन्होंने अपनी असाधारण क्षमता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। उनकी यह सफलता केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर मेहनत से किसी भी ऊंचाई को हासिल किया जा सकता है। स्थानीय लोगों और पर्वतारोहण समुदाय में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह का माहौल है। सोशल मीडिया से लेकर गांवों तक रजत को बधाइयों का तांता लगा हुआ है। लोगों का कहना है कि उन्होंने न केवल मनाली बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई कि रजत भविष्य में भी इसी तरह नई ऊंचाइयों को छूते रहेंगे और पर्वतारोहण के क्षेत्र में भारत का नाम विश्व स्तर पर और मजबूत करेंगे। उनकी

मनाली में गोविंद ठाकुर का 'मास्टरस्ट्रोक'

नगर परिषद में कांग्रेस का सूपड़ा किया साफ, बूथ स्तर पर मजबूत पकड़ बनी जीत की वजह

अनंत ज्ञान

एम बोकटापा, मनाली। शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के तहत नगर परिषद मनाली के नतीजों ने प्रदेश की राजनीति में एक नया भूचाल ला दिया है। इन चौंकाने वाले और पूरी तरह से एकतरफा आए चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऐतिहासिक और शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली है, जबकि राज्य की सत्ता पर काबिज कांग्रेस पार्टी यहां अपना खाता खोलने में भी नाकाम रही।

राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा इन नतीजों को पूर्व मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह ठाकुर के कुशल नेतृत्व, जमीनी पकड़ और मजबूत राजनीतिक रणनीति की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। नगर परिषद मनाली के चुनाव नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि मनाली क्षेत्र में पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर का राजनीतिक चक्रव्यूह भेद पाना

◆ मनाली चुनाव परिणामों ने बढ़ाई कांग्रेस की संगठनात्मक चुनौतियां

कांग्रेस के लिए फिलहाल नामुमकिन है। कांग्रेस की तमाम कोशिशों और सत्ता के रसूख के बावजूद गोविंद ठाकुर की कुशल चुनावी रणनीति के आगे कांग्रेस ताश के पत्तों की तरह ढह गई और अपना खाता तक नहीं खोल सकी। राजनीतिक गलियारों में इसे गोविंद सिंह ठाकुर के एक बड़े 'कमबैक' और उनके संगठनात्मक दबदबे के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने बूथ स्तर पर घेराबंदी कर कांग्रेस को चारों खाने चित कर दिया। इस जीत ने न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूंकी है, बल्कि 2018 और 2022 के बाद 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए भी गोविंद सिंह ने अपनी मजबूत दावेदारी का डंका बजा दिया है।मनाली की राजनीति में आए पहली बार इस बदलाव ने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अब सभी की नजरें आगामी पंचायत चुनावों पर टिकी हैं।

वहीं, देव संस्कृति जिला कुल्लू के अध्यक्ष जय ठाकुर का कहना है कि अब जहां यह देखना दिलचस्प होगा कि नगर परिषद चुनावों की यह लहर ग्रामीण क्षेत्रों तक कितनी पहुंचती है। क्योंकि कुछ ही दिनों पश्चात जिला परिषद और पंचयत के चुनावों में भी इसका असर दिखा तो कांग्रेस के लिए आने वाला कल परेशानी बढ़ा सकता है।

मनाली निकाय चुनाव में शर्मनाक हार से खड़े हुए कई सवाल

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद मनाली नगर परिषद चुनाव में पार्टी का खाता न खुल पाना संगठन के मुंह पर एक बड़ा तमाचा है। विश्लेषकों की मानें तो कांग्रेस यह चुनाव भाजपा से बाद में हारी, अपनी अंदरूनी गुटबाजी और चाटुकारिता से पहले हारी है। स्थानीय स्तर पर संगठन और सरकार के बीच समन्वय का जनाजा इस कदर निकला कि कार्यकर्ता पूरी तरह निष्क्रिय रहे और जनसंपर्क के मामले में भाजपा से मीलों पिछड़ गए। अनुशासन की कमी और जमीनी हकीकत से दूर होकर केवल हवा में चुनावी रणनीति बनाने का खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है। यदि शिमला में बैठे शीर्ष नेतृत्व ने इस शर्मनाक हार के बाद 'मिशन मोड' में आत्ममंथन नहीं किया और चाटुकारों की फौज को दूर नहीं किया, तो आगामी जिला परिषद और पंचायत चुनावों में भी कांग्रेस को ऐसे ही गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में आज देशव्यापी हड़ताल: कालिया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। देशभर में ऑनलाइन दवाओं की बिक्री और भारी डिस्काउंट नीतियों के विरोध में केमिस्ट और ड्रगिस्ट्स ने आंदोलन तेज कर दिया है। इसी कड़ी में बुधवार को घोषित देशव्यापी हड़ताल के तहत कुल्लू सहित पूरे देश में दवाइयों की दुकानें बंद रहेंगी, जिससे मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। जिला कुल्लू केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने इस आंदोलन को पूर्ण समर्थन दिया है। मंगलवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष ऋषभ कालिया के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और इसे प्रधानमंत्री व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को भेजने की मांग की। ज्ञापन में अवैध ई-फार्मेसी, बिना पर्ची दवा डिलीवरी और भारी छूट वाली ऑनलाइन बिक्री का विरोध किया गया है। एसोसिएशन का कहना है कि दवाएं सामान्य वस्तु नहीं हैं, इनकी अनियंत्रित ऑनलाइन बिक्री से मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा है। साथ ही नशे की दवाओं के दुरुपयोग की आशंका भी बढ़ रही है। एसोसिएशन ने जीएसआर 817(ई) और जीएसआर 220(ई) अधिसूचनाओं को वापस लेने की मांग की है। चेतावनी दी गई है कि मांगें न माने जाने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

योग और ध्यान से आसान बनेगा जीवन: सुधांशु

सुधांशु जी महाराज शिविर के दौरान व साधना शिविर के दौरान एक साधक ध्यान में लीन।

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू जिले के घुड़दौड़ में आयोजित चंद्रायण तप और आनंद वरदान साधना सत्र में साधकों का उत्साह देखते ही बन रहा है। इस सत्र में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, दिल्ली और दुबई से आए अनेक साधक गहराई से साधना में लीन दिखे। साधना के उच्च शिखर की बारीकियों को समझते हुए साधकों ने महत्वपूर्ण बिंदुओं को अपनी डायरी में नोट किया और उन्हें जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस दौरान चलना है दूर मुसाफिर, अब काहे सोवे रे, काम, क्रोध, मद, लोभ में फंसकर उमरिया काहे खोवे रे।

नियमित जप-तप से मिलती है दैवीय शक्ति : अध्यात्म जगत के शीर्ष पुरुष सुधांशु महाराज ने साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि जब जीवन में कुछ अनायास प्राप्त होता है, तो हम उसे परमात्मा की कृपा मानते हैं। जो व्यक्ति नियम से जप, तप और साधना करते हुए जीवन जीता है, उसे परमात्मा व गुरु की कृपा के साथ-साथ दैवीय शक्ति भी प्राप्त होती है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि ध्यान के माध्यम से आन्तरिक और बाह्य दोनों जीवन को बदला जा सकता है। व्यक्ति जीवन के लिए जैसी रूपरेखा तय करता है, उसे उसी के अनुसार कर्म करने चाहिए ताकि अनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकें।

इस अवसर पर डॉ. अर्चिका दीदी ने भी साधकों को जीवनोपयोगी मार्गदर्शन दिया और उन बातों को व्यावहारिक जीवन में लागू करने को कहा।प्रात:कालीन सत्र में साधकों को बताया गया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना जीवन सरल और सुगठित बनाने के लिए योगासन तथा ध्यान को अपनाना अनिवार्य है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू मण्डल प्रधान पवन गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस ध्यान साधना शिविर का समापन 10 जून को नागरिक अभिनंदन और यज्ञ के साथ संपन्न होगा।

जीत के बाद व्यस्त और मस्त हैं नवनिर्वाचित पार्षद

देवी-देवताओं की शरण में जाकर ले रहे आशीर्वाद, जनता का आभार जताना भी नहीं भूल रहे

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू। जब तक वोट नहीं पड़े, तब तक उम्मीदवार जनता के घरद्वार दौड़ते रहे। वोट पड़ गए, फिर भी बेचैनी कम नहीं हुई। मतगणना के बाद परिणाम आने तक तो पूरा दिन धुकधुकी लगी रही। परिणाम आने के बाद अब नवनिर्वाचित पार्षदों के माहौल में जीत का खुशनुमा अहसास है, लेकिन व्यस्तता अभी भी कम नहीं। ठीक उसी तरह, जैसे एक एक वोट पाने के लिए भागमभाग होती रही। अंतर सिर्फ इतना है कि व्यस्त रहने के अलावा नव निर्वाचित सभी पार्षद खुश दिखाई दे रहे हैं।

इस खुशी के माहौल के बीच में जीत के बाद पहले दिन से ही सभी नव निर्वाचित पार्षद सबसे पहले अपने-अपने अधिष्ठाताओं की शरण में जाकर आशीर्वाद लेना नहीं भूल रहे और साथ ही घरद्वार पहुंचे अपने रिश्तेदारों व चाहवानों के साथ-साथ इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बधाइयां स्वीकारने के अलावा अपने अपने वोटरों का भी आभार जता रहे हैं। लिहाजा, जिला कुल्लू में नगर निकायों चुनावों के परिणाम सामने आने के बाद अब नवनिर्वाचित पार्षदों के जीत के जश्न का दौर शुरू हो गया है। वहीं, अपनी-अपनी मनोकामना पूर्ण होने के बाद नवनिर्वाचित पार्षद सबसे पहले अपने अधिष्ठाता देवी-देवताओं का आशीर्वाद लेना नहीं भूल रहे हैं। वहीं, जिले के मनाली, कुल्लू, भुंतर व बंजार नगर निकायों के नवनिर्वाचित सभी पार्षद अब जिलाभर में अपने-अपने अधिष्ठाता देवी-देवताओं की शरण में जाकर अपनी मनोकामना पूरी होने पर पूजा-अर्चाना करके भगवान का आशीर्वाद लेने में जुट गए हैं। यही नहीं सभी के घरों में सुबह से लेकर रात तक जीत की बधाई देने वालों का भी खूब तांता लग रहा है और जश्न का सिलसिला अभी भी जारी है। बधाई देने के चलते नवनिर्वाचित पार्षदों व उनके परिजनों के मोबाइल फोन भी दो दिनों से घनघना रहे हैं। इसी कड़ी में नप कुल्लू के वार्ड दो की पार्षद कुब्जा ठाकुर ने अपने समर्थकों के साथ अखाड़ा बाजार में माथ टेका और आशीर्वाद लिया। वहीं, मनाली के सभी नव निर्वाचित पार्षदों ने एक साथ जाकर अपनी अधिष्ठात्री माता हिडिंबा का आशीर्वाद लिया। वहीं, अन्य सभी नव निर्वाचित पार्षद भी अपने अधिष्ठाता देवी देवताओं की शरण में जाने के साथ साथ वार्ड में जाकर जनता का आभार जताना नहीं भूल रहे। गौर रहे कि जिला के पांच नगर निकायों मनाली, भुंतर व बंजार व निरमंड में से मनाली में भगवा लहराया है जबकि भुंतर में कांग्रेस बहुमत में आई है, बंजार व निरमंड में भी कांग्रेस ने जीत का परचम लहराया है वहीं, नगर परिषद ब कुल्लू में आजाद उम्मीदवारों ने पांच वार्डों में जीत हासिल करते हुए भाजपा व कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को पटखनी दी है। 11 वार्डों वाली इस नगर परिषद कुल्लू में इन आजाद उम्मीदवारों ने भाजपा व कांग्रेस के समीकरण बिगाड़ते हुए जीत का सेहरा अपने नाम किया है और दोनों ही पार्टियां यहां से तीन-तीन सीटें लेने में ही कामयाब हो पाई हैं।

नप कुल्लू के वार्ड 2 से नवनिर्वाचित पार्षद कुब्जा ठाकुर मंदिर में माथा टेका।

मनाली के पार्षदों ने एक साथ माता हिडिंबा से आशीर्वाद लिया।

पंचायत चुनाव के बीच लाहौल-स्पीति भाजपा में बड़ी कार्रवाई

प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने पर संजीव व टशी सोनम निलंबित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। पंचायतीराज के त्रिस्तरीय चुनाव के बीच लाहौल-स्पीति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पार्टी ने अनुशासनहीनता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए दो वरिष्ठ पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया है। इन दोनों नेताओं पर जिला परिषद चुनाव में पार्टी के अधिकृत (आधिकारिक) प्रत्याशियों के खिलाफ मैदान में उतरने का आरोप है। पार्टी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पंचायतीराज चुनाव के लिए गठित अनुशासन समिति ने इस मामले को पार्टी अनुशासनहीनता का गंभीर उल्लंघन माना है।

पार्टी संविधान के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए दोनों नेताओं की प्राथमिक सदस्यता को तुरंत रद्द कर दिया गया है। निलंबित किए गए नेताओं में संजीव कुमार वार्ड नंबर 6, सिस्सू (सदस्य, जनजातीय मोर्चा) व टशी सोनम वार्ड नंबर 7 (जिला भाजपा महामंत्री, अल्पसंख्यक मोर्चा) शामिल हैं। उधर,इस कार्रवाई के बाद जिला भाजपा के भीतर खलबली मच गई है और यह साफ संदेश दे दिया गया है कि चुनाव में पार्टी लाइन से बाहर जाने वाले किसी भी कार्यकर्ता या पदाधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा के लाहौल-स्पीति जिला अध्यक्ष रिगज़ीन समफेल हायरपा ने स्पष्ट किया कि पार्टी संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता या भीतरघात को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरना संगठनात्मक मर्यादाओं का गंभीर उल्लंघन माना जाता है। इसी कारण संबंधित कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में भी यदि कोई पार्टी हितों के विरुद्ध कार्य करता पाया गया, तो उसके खिलाफ इसी तरह कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी

जिला परिषद उम्मीदवार दैनिक खर्च का विवरण निर्वाचन अधिकारी आनी के कार्यालय में करें जमा

अनंत ज्ञान आनी। पंचायतीराज संस्थाओं के निर्वाचन के दृष्टिगत राज्य चुनाव आयोग से प्राप्त आदेशों के अनुसार, जिला परिषद सदस्य का चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवारों को मतदान दिवस तक अपने दैनिक खर्च का विवरण निर्वाचन अधिकारी आनी के कार्यालय में जमा करना होगा। निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में प्रवीण कुमार कंप्यूटर शिक्षक के नेतृत्व में एक व्यय मॉनिटरिंग टीम का गठन किया गया है। निर्वाचन अधिकारी एसडीएम आनी लक्ष्मण कनेट ने कहा कि जिला परिषद सदस्य निर्वाचन के लिए अधिकतम व्यय सीमा एक लाख रुपए है। राज्य निर्वाचन आयोग ने दैनिक व्यय विवरण के लिए कैंडिडेट एक्सपेंडिचर रिपोर्टिंग सिस्टम के नाम से एक मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च की है, जिसे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

उम्मीदवार स्वयं भी इस एप्लिकेशन में विवरण भरकर अपना दैनिक व्यय अपलोड कर सकता है। स्वयं अपलोड न करने पर उम्मीदवार को रोजाना चार बजे से पूर्व निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में गठित मॉनिटरिंग टीम को अपना व्यय विवरण मोबाइल नंबर 9817434711 तथा 8988183837 पर आवश्यक रूप से देना होगा। जिला परिषद उम्मीदवार को चुनाव के पश्चात 30 दिन के भीतर निर्धारित प्रपत्र पर अपने संपूर्ण व्यय का विवरण निर्वाचन अधिकारी को जमा करना होगा जिसका मेल दैनिक व्यय विवरण से होना जरूरी है।

खेलकूद राज्यस्तरीय कराटे स्पर्धा में कराटे संघ कुल्लू के खिलाड़ियों ने बढ़ाया जिले का मान

कुल्लू के कराटे खिलाड़ियों ने जीते 34 पदक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। कराटे संघ जिला कुल्लू के 33 कराटे खिलाड़ियों ने सेंसई हरीश शर्मा के नेतृत्व में महाराजा पैलेस बैजनाथ में हुई राज्यस्तरीय कराटे प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में कुल्लू जिले से सेंसई रजनीश कुमार, सेंसई राकेश कुमार और अभी शर्मा ने ऑफिशियल व अजय कुमार, आयुष कुमार ने कोच के रूप में भाग लिया।

खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 15 स्वर्ण, 6 रजत व 13 कांस्य पदकों के साथ कुल 34 पदकों पर अपना कब्जा जमाया। कैडेट, जूनियर में मेल व फीमेल कुमिते के विभिन्न भार वर्गों में पदमा बोध, यश नेगी, अभी शर्मा, सिहोना ठाकुर, वैभव ठाकुर ने स्वर्ण पदक और अर्णव भारद्वाज, रूप लाल, शौर्य राशपा ने रजत पदक व दक्ष ठाकुर, सैजल शर्मा, नीरज सूरी, आयुष कुमार ने कांस्य पदक जीते।

खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 15 स्वर्ण, 6 रजत व 13 कांस्य पदक जीते। अनंत ज्ञान

सब जूनियर में विभिन्न भार वर्गों में मेल व फीमेल कुमिते में अन्वेषा, श्रीजा गोयल, अहान कपूर, विपुल कश्यप, जिग्मेद, रेयांश शर्मा, कनिष्क ठाकुर, मतंगी ठाकुर ने स्वर्ण पदक और विहान ठाकुर, सान्वी जोशी, अरनव ने रजत पदक और आयुष चंदेल, सूर्यांश चौहान, आरव जम्वाल, प्रियांशी रावत,नवीश शर्मा ने कांस्य पदक जीता।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला कराटे संघ कुल्लू के चेयरमैन वेद प्रकाश, ज्वॉइंट चेयरमैन राकेश कुमार, वरिष्ठ उप प्रधान नीलम उपाध्याय, उपाध्यक्ष सुधांशु सूद, महासचिव केएस पराशर, कोषाध्यक्ष सोनू कुमार, सह सचिव नरोत्तम चंद व लीला कार्की, कार्यकारिणी सदस्य रजनीश कुमार व यादव ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

सोलन नगर निगम चुनाव में घटे मतदान प्रतिशत पर बोले शैलेंद्र गुप्ता

पुरानी मतदाता सूची और समय सीमा बनी कम मतदान की वजह

*अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन नगर निगम चुनाव में इस बार अपेक्षा से कम मतदान दर्ज होने के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण सामने आए हैं। भाजपा नेता शैलेंद्र गुप्ता ने मतदान प्रतिशत कम रहने के **चार प्रमुख कारण** गिनाते हुए कहा कि इनका चुनाव प्रक्रिया पर सीधा प्रभाव पड़ा है।*

1 **वर्ष** 2022 की विधानसभा चुनावों की पुरानी मतदाता सूची का उपयोग किया जाना रहा। पिछले कुछ वर्षों में शहर में बड़ी संख्या में नए मतदाता जुड़े, लेकिन उनके नाम सूची में शामिल नहीं हो सके, जिससे अनेक लोग मतदान से वंचित रह गए।

4 **आचार** संहिता समय से पहले लागू होना। इससे मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया प्रभावित हुई। इन सभी कारणों के चलते इस बार मतदान प्रतिशत उम्मीद से कम रहा।

2 **चुनाव** के दिन अत्यधिक गर्म मौसम और बढ़ा हुआ तापमान रहा। तेज धूप और गर्मी के चलते विशेषकर बुजुर्गों और महिलाओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी हुई।

3 **मतदान** प्रक्रिया का समय शाम 5 बजे के बजाय दोपहर 3 बजे समाप्त किया जाना रहा, जिससे नौकरीपेशा और व्यापारी वर्ग के कई लोग मतदान नहीं कर सके।

*‘ **भाजपा** नेता शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि इन सभी कारणों का संयुक्त रूप से मतदान प्रतिशत पर असर पड़ा और यही वजह रही कि इस बार नगर निगम चुनाव में उम्मीद से कम मतदान दर्ज किया गया।*

साधुपुल में दर्दनाक हादसा

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी कार; युवती की मौत, 4 घायल

अनंत ज्ञान

कंडाघाट। कंडाघाट उपमंडल के साधुपुल क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा पेश आया। यहां एक कार अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी।

- **ग्रामीणों ने कार में फंसे लोगों को निकाला बाहर**
- **सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा**
- **हादसे से जुड़े पहलुओं की जांच में जुटी पुलिस**

हादसे में एक 24 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार शिमला के कोटी क्षेत्र की बताई जा रही है। हादसे का पता चलते ही स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने खाई में उतरकर वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला और सड़क तक पहुंचाया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा काफी भयावह था। स्थानीय लोगों की तत्परता से घायलों को समय रहते सहायता मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सोलन सब्जी मंडी में लहसुन की बंपर आवक बेस्ट क्वालिटी 155 रुपए किलो तक बिकी

चमका लहसुन का कारोबार, बेहतर पैदावार से किसानों के चेहरे खिले

अनंत ज्ञान

सोलन। सब्जी मंडी सोलन में इन दिनों लहसुन की भारी आमद देखने को मिल रही है। जिला सिरमौर और सोलन के ग्रामीण क्षेत्रों से किसान बड़ी मात्रा में लहसुन लेकर मंडी पहुंच रहे हैं। इस बार मौसम अनुकूल रहने और अच्छी पैदावार होने से किसानों के चेहरे खिले हुए हैं।

मंडी में बेस्ट क्वालिटी का लहसुन 155 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, जबकि सामान्य गुणवत्ता के लहसुन के दाम भी किसानों को संतोषजनक मिल रहे हैं। अच्छे दाम मिलने से किसान काफी खुश नजर आ रहे हैं। किसानों का कहना है कि इस बार फसल अच्छी होने के साथ-साथ बाजार में मांग भी बनी हुई है, जिससे उन्हें बेहतर मुनाफा मिल रहा है। व्यापारियों के अनुसार रोजाना मंडी में लहसुन की नई खेप पहुंच रही है। खासकर सिरमौर और सोलन के ग्रामीण इलाकों से बड़ी मात्रा में लहसुन आ रहा है। मंडी में खरीददार भी लगातार पहुंच रहे हैं, जिससे कारोबार में तेजी बनी हुई है।

किसानों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार उत्पादन बेहतर रहा है। वहीं मंडी में मिल रहे अच्छे दामों से किसानों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद जगी है। व्यापारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में भी लहसुन की आवक बनी रहेगी और बाजार में कीमतें स्थिर रहने की संभावना है।

सोलन सब्जी मंडी पहुंची लहसुन की खेप। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

कोठों-सोलन में 46 मस्कुलर डिस्ट्रॉफी मरीजों का हुआ परीक्षण व उपचार

अनंत ज्ञान, सोलन। एमएम मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल द्वारा इंडियन एसोसिएशन ऑफ मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के सहयोग से कोठों-सोलन में एक विशेष बहु-विषयक हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। यह आयोजन इंटीग्रेटेड मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रिहैबिलिटेशन सेंटर, मानव मंदिर, कोठों-सोलन में किया गया, जिसमें मेडिसिन, पीडियाट्रिक, ऑर्थोपेडिक्स, फिजियोथेरेपी, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, नर्सिंग और सहायक स्टाफ की विशेषज्ञ टीमों ने भाग लिया। कैंप का उद्देश्य मरीजों को डायग्नोस्टिक, थेराप्यूटिक, काउंसलिंग और रिहैबिलिटेशन सेवाएं उपलब्ध करवाना था। आयोजन में कुल 46 मरीजों का परीक्षण और उपचार किया गया, जिनमें कई जटिल मामले भी शामिल रहे। जरूरतमंद मरीजों को संस्थान में भर्ती किया गया, जबकि कुछ को घर पर विशेष उपचार उपलब्ध कराया गया। यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारियों ने कैंप की सफलता पर खुशी जताते हुए इसे समाजहित में महत्वपूर्ण पहल बताया।

उपायुक्त ने जिलावासियों से नशा मुक्त भारत की ई-शपथ लेने का किया आग्रह

अनंत ज्ञान, नाहन। उपायुक्त सिरमौर प्रियंका वर्मा ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला के आमजन तथा सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारियों से नशा न करने की ई-शपथ लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जन सहयोग ही नशा मुक्त भारत व नशा मुक्त सिरमौर की परिकल्पना को साकार करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने आमजन से आग्रह किया है कि वह नशे से दूर रहने तथा इसकी रोकथाम का संकल्प लेकर ई-शपथ लें। शपथ व अन्य गतिविधियों की फोटो एनएमबीए ई-प्रतिज्ञा क्यूआर कोड से अपलोड करें ताकि स्वस्थ व नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को सार्थक किया जा सके। इसके अतिरिक्त ई-शपथ का प्राप्त डेटा जिला वार भागीदारी और एनएमबीए के तहत शुरू की गई जागरूकता पहलों के प्रभाव की निगरानी में भी सहायक होगा।

सोलन में मिलेगी प्रीमियम बैंकिंग सेवा ‘एसबीआई वेल्थ’

अनंत ज्ञान, सोलन। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से सोलन की मुख्य शाखा में अत्याधुनिक और प्रीमियम बैंकिंग सेवा ‘एसबीआई वेल्थ’ का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेठी ने वर्चुअल माध्यम से किया। कार्यक्रम में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर महाप्रबंधक प्रभात कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक राजीव कुमार छाबड़ा, मुख्य प्रबंधक सोनिया हांडा, संबंध प्रबंधक वेल्थ कुलदीप तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने एसबीआई वेल्थ सेवा की विशेषताओं और ग्राहकों को मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसबीआई वेल्थ विशेष रूप से हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) ग्राहकों के लिए तैयार की गई प्रीमियम बैंकिंग सेवा है। इसके तहत ग्राहकों को व्यक्तिगत निवेश सलाह, संपत्ति प्रबंधन, वित्तीय योजना, बीमा और निवेश पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। चेयरमैन सीएस सेठी ने कहा कि एसबीआई हमेशा आधुनिक और भरोसेमंद बैंकिंग सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि एसबीआई वेल्थ ग्राहकों को बेहतर निवेश विकल्प और सुरक्षित वित्तीय भविष्य प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सोलन में पार्किंग संकट होगा कम, बैडमिंटन हॉल के पास छह मंजिला पार्किंग निर्माण शुरू

5.34 करोड़ से बनेंगी दो मल्टी स्टोरी पार्किंग

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। शहर में बढ़ती पार्किंग समस्या से लोगों को राहत देने के लिए नगर निगम दो नए पार्किंग स्थलों पर मल्टी स्टोरी पार्किंग का निर्माण कार्य जोर पकड़ चुका है। इस कार्य में करीब 5 करोड़ 34 लाख से अधिक की लागत आएगी। ठोडो ग्राउंड के नजदीक दो नए पार्किंग स्थलों में तेजी से पार्किंग का निर्माण प्रगति पर है। निर्माण हेतु नगर निगम ने लोक निर्माण विभाग को 2 करोड़ 80 लाख रुपए जारी कर दिए हैं और इनमें से एक पार्किंग स्थल का निर्माण भी शुरू कर दिया है

150 वाहनों को मिलेगी सुविधा

नगर निगम द्वारा लंबे समय से प्रस्तावित इन पार्किंग परियोजनाओं का कार्य अब जमीन पर शुरू हो चुका है। शहर के व्यस्त क्षेत्रों में पार्किंग की कमी को देखते हुए यह परियोजना काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों और शहर आने वाले वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। बैडमिंटन हॉल के साथ बनने वाली बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह पार्किंग छह मंजिला होगी। इसके पहले तल पर एक बड़ा हॉल बनाया जाएगा, जबकि ऊपरी पांच मंजिलों में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। इस पार्किंग में लगभग 70 वाहनों को खड़ा करने की क्षमता होगी। वाहनों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए यहां वाहन लिफ्ट की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे गाड़ियों को आसानी से अलग-अलग मंजिलों तक पहुंचाया जा सकेगा। नगर निगम के अनुसार ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से जल्द पूरा किया जाए, ताकि शहर को जल्द पार्किंग सुविधा मिल सके। ठोडो ग्राउंड क्षेत्र में ही फायर ब्रिगेड कार्यालय के पास दूसरी पार्किंग भी बनाई जाएगी। यह पार्किंग तीन मंजिल से अधिक ऊंची होगी और इसमें भी लगभग 60 से 70 वाहनों के खड़े होने की व्यवस्था होगी।

नगर निगम का मानना है कि इन दोनों पार्किंग स्थलों के बनने से ठोडो ग्राउंड व आसपास के बाजार क्षेत्रों में पार्किंग की समस्या काफी हद तक कम होगी। शहर में लगातार बढ़ते वाहनों को देखते हुए बहुमंजिला पार्किंग की यह परियोजना भविष्य के लिहाज से भी अहम मानी जा रही है।

ठोडो ग्राउंड के नजदीक निर्माणाधीन पार्किंग। अनंत ज्ञान

‘ **निगम** कार्यालय के नजदीक पार्किंग निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। अग्निशमन कार्यालय के समीप भी निर्माण प्रक्रिया चल रही है। निर्माण पूरा होते ही यहां करीब 150 वाहन पार्क की सुविधा मिलेगी।

एकता कापटा, आयुक्त सोलन नगर निगम

महिलाओं व शिशुओं को राहत, नाहन बस अड्डे में बना स्तनपान कक्ष

अनंत ज्ञान, नाहन। महिलाओं और शिशुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एचआरटीसी बस अड्डा परिसर नाहन में स्तनपान कक्ष तैयार किया गया है। अब महिला यात्रियों को खुले में शिशुओं को फीड करवाने की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह कक्ष प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। अड्डा इंचार्ज अनिल कुमार ने बताया कि सरकार के करीब एक माह पूर्व जारी आदेशों के बाद इस सुविधा को शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की गोपनीयता और आराम को ध्यान में रखते हुए कक्ष को विशेष रूप से व्यवस्थित किया गया है। उप मंडलीय प्रबंधक के निर्देशों के अनुसार कक्ष में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, ताकि माताओं को सुरक्षित और सहज वातावरण मिल सके। उन्होंने बताया कि सरकार और विभाग यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस पहल से महिला यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा ने लॉरेंस स्कूल के छात्रों को किया प्रेरित

लॉरेंस स्कूल सनावर स्कूल पहुंचे लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सोलन। लेफ्टिनेंट जनरल पुनीत आहूजा एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, चीफ ऑफ स्टाफ, मुख्यालय पश्चिमी कमान ने लॉरेंस स्कूल सनावर का दौरा किया तथा अपने इस प्रतिष्ठित संस्थान के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ संवाद किया। जनरल अधिकारी, जो विद्यालय की गवर्निंग बॉडी के सदस्य भी हैं, ने विद्यालय परिसर एवं विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय के एनसीसी विंग के विद्यार्थियों से भी बातचीत की तथा उनके उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की। विद्यालय के ऐतिहासिक चैपल में आयोजित एक विशेष सभा में लेफ्टिनेंट जनरल आहूजा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें जीवन में अपने लक्ष्य एवं उद्देश्य की पहचान करने तथा उसे दृढ़ निश्चय, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम के साथ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नेतृत्व, सत्यनिष्ठा एवं राष्ट्र सेवा के मूल्यों पर बल देते हुए विद्यार्थियों को अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

सोलन पुलिस की ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर बड़ी कार्रवाई, 245 चालान काटे

अनंत ज्ञान, सोलन। जिला पुलिस सोलन द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 245 चालान किए गए। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार शराब पीकर वाहन चलाने के 15, तेज एवं लापरवाही से वाहन चलाने के 5, ओवर स्पीड के 43, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के 6 तथा मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाने के 2 चालान किए गए। इसके अलावा बिना हेलमेट वाहन चलाने पर 41 तथा बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाने पर 49 चालान काटे गए। अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में 84 चालान किए गए। वहीं धूम्रपान अधिनियम के तहत भी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 40 चालान किए तथा 4300 रुपए जुर्माना वसूला।

पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों से ट्रांसपोर्ट कारोबार प्रभावित

वाहन चालकों, यूनियनों ने सरकार से की टैक्स राहत व नियंत्रण की मांग

अनंत ज्ञान

सोलन। पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब ट्रांसपोर्ट कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ते ईंधन दामों के कारण टैक्सी ऑपरेटर, ट्रक चालक, बस संचालक और निजी वाहन चालक आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं। सोलन के टैक्सी और मालवाहक वाहन चालकों का कहना है कि महंगे ईंधन के कारण रोजमर्रा का खर्च बढ़ गया है, जबकि आमदनी में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है।

- **महंगे ईंधन का सीधा असर व्यापार और आम जनता पर**

ट्रांसपोर्ट कारोबार से जुड़े लोगों के अनुसार डीजल के दाम बढ़ने से माल ढुलाई का खर्च काफी बढ़ गया है, जिसका सीधा असर व्यापार और आम जनता पर भी पड़ रहा है। कई ट्रक ऑपरेटरों का कहना है कि लंबी दूरी के रूटों पर अब पहले की तुलना में काफी अधिक खर्च आ रहा है, जिससे मुनाफा लगातार घटता जा रहा है।

टैक्सी चालकों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि पर्यटकों और स्थानीय यात्रियों की संख्या प्रभावित हो रही है। किराया बढ़ाने पर यात्रियों की नाराजगी झेलनी पड़ती है, जबकि किराया न बढ़ाने पर खर्च निकालना मुश्किल हो रहा है। निजी वाहन चालकों का कहना है कि रोजाना ऑफिस और अन्य कामों के लिए वाहन चलाना अब महंगा साबित हो रहा है।

वाहन चालकों और ट्रांसपोर्ट यूनियनों ने सरकार से पेट्रोल और डीजल पर टैक्स में राहत देने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो ट्रांसपोर्ट कारोबार पर और अधिक संकट गहरा सकता है। उन्होंने सरकार से ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने और ट्रांसपोर्ट सेक्टर के लिए विशेष राहत पैकेज देने की अपील की है।

समाधान समारोह-2026 के तहत सुलह व मध्यस्थता से मामलों के निपटारे पर जोर

अनंत ज्ञान

सोलन। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सोलन के सचिव प्रशांत सिंह नेगी ने कहा कि आम जन के लिए न्याय सुलभ बनाने के उद्देश्य से सर्वोच्च न्यायालय में गत 21 अप्रैल से सर्वोच्च न्यायालय के परिसर में समाधान समारोह-2026 का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि इस विशेष अभियान के तहत विभिन्न मामलों का निपटारा आपसी सहमति, संवाद और मध्यस्थता से किया जा रहा है।

- **विशेष लोक अदालतों में भागीदारी के लिए पक्षकारों से सक्रिय सहयोग की अपील**

उन्होंने कहा कि 21, 22 व 23 अगस्त, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय के परिसर में विशेष लोक अदालतों के आयोजन का समापन होगा। सचिव ने कहा कि इस समाधान समारोह के तहत 21 अप्रैल, 2026 से सुलह एवं मध्यस्थता बैठकों का आयोजन आरम्भ हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह बैठकें उच्च न्यायालय, राज्य, ज़िला एवं तालुका स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरणों एवं समितियों के अंतर्गत स्थापित मध्यस्थता केंद्रों में आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में प्रशिक्षित मध्यस्थ एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी पक्षकारों के बीच सहमति बनाने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं। प्रशांत सिंह नेगी ने कहा कि इन बैठकों में पक्षकार व्यक्तिगत रूप से या वर्चअुल माध्यम से भाग ले सकते हैं। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सोलन के सचिव ने अधिवक्ताओं एवं सम्बन्धित पक्षकारों से आग्रह किया कि वह इस विशेष अभियान सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर अपने मामलों का समाधान करने के लिए आगे आएं।

उन्होंने कहा कि इन लम्बित मामलों को समाधान समारोह विशेष लोक अदालत-2026 में शामिल करने के लिए एक सरल गूगल फार्म तैयार किया गया है, जो सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट एससीआई.जीओवी.इन पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आवेदन करने की तिथि 31 मई, 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी व सहायता के लिए वन स्टॉप सेंटर (वार रुम) से संपर्क किया जा सकता है।

नाहन में नगर खेड़ा क्षेत्रपाल मंदिर में विशाल भंडारा 24 मई को

अनंत ज्ञान, नाहन। नाहन शहर के बड़ा चौक स्थित नगर खेड़ा क्षेत्रपाल देवता मंदिर में रविवार 24 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और शहरवासियों में भी उत्साह का माहौल बना हुआ है। खेड़ा मंदिर समिति नाहन के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम शनिवार 23 मई की रात्रि से शुरू होगा। शनिवार रात 8 बजे गुगा महाराज जी का बसेरा आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसके बाद रविवार सुबह 8 बजे महाकाली पूजा संपन्न होगी, जबकि सुबह 9 बजे पूर्णाहुति का आयोजन किया जाएगा। समिति के अनुसार दोपहर 11 बजे से विशाल भंडारे की शुरुआत होगी, जो देर शाम तक जारी रहेगा। श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

परेशानी देहरादून-चंडीगढ़ हाईवे पर बजरी से भरा ट्रॉला फंसा, घंटों लगा लंबा जाम

स्कूल बसें प्रभावित, निजी स्कूलों में अवकाश घोषित

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। देहरादून-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक बजरी से भरे ट्रॉले के बीच सड़क पर फंस जाने के कारण कई घंटों तक जाम लग गया। ट्राले के बीच में फंसने से देखते ही देखते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं, जिससे देहरादून से चंडीगढ़ और चंडीगढ़ से देहरादून आने-जाने वाला ट्रैफिक पूरी तरह ठप हो गया।

जाम का सबसे बुरा असर स्कूली बच्चों पर पड़ा। सुबह का समय होने के कारण सैकड़ों छात्र-छात्राएं स्कूल जाने के लिए बस स्टॉप पर पहुंचे थे, लेकिन हाईवे पूरी तरह बंद होने की वजह से स्कूल बसें मौके पर नहीं पहुंच सकीं। स्थिति को देखते हुए एक निजी स्कूल प्रबंधन को छुट्टी तक घोषित करनी पड़ी। नाहन आने वाले विद्यार्थियों, नन्हे बच्चों और उनके अभिभावकों को भारी परेशानी के बीच घंटों सड़क पर ही वक्त काटना पड़ा।

हादसे और जाम की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 10:30 बजे एक बड़ी क्रेन की मदद से फंसे हुए ट्राले को बीच सड़क से हटाया गया। इसके बाद पुलिस ने सूझबूझ से दोनों तरफ का ट्रैफिक वन-वे करके धीरे-धीरे जाम खुलवाया और यातायात को सुचारू किया। वहीं गर्मी और चिलचिलाती धुप में लोगो में गुस्सा भी देखने को मिला।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संकरे और चढ़ाई वाले पैच पर भारी वाहनों के कारण लगातार दिक्कतें आ रही हैं। अभी दो दिन पहले ही इसी हाईवे पर उतराई के दौरान आलू से लदे एक ट्रक के ब्रेक फेल हो गए थे, जिसके बाद वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी एक बोलेरो गाड़ी पर पलट गया था। लगातार हो रहे इन हादसों और जाम से नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

देहरादून-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग में बजरी के ट्रॉले से लगा जाम। अनंत ज्ञान

गोंदपुर जयचंद में कार और बाइक में जोरदार टक्कर, युवक की मौत

अनंत ज्ञान

टाहलीवाल। गोंदपुर जयचंद क्षेत्र में सोमवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 34 वर्षीय राज कुमार पुत्र सतपाल निवासी मेंहदवाणी, तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर, पंजाब के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात गोंदपुर जयचंद के पास एक यूपी नंबर कार और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार और बाइक दोनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बाइक सवार राज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को तुरंत दुलेहड़ अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां मौजूद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि राज कुमार क्षेत्र के एक केबल निर्माण उद्योग में कार्यरत था और ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश में जुटी हुई है। इस दुखद हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है, जबकि मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

ऊना जिप चुनाव: 17 सीटों पर प्रतिष्ठा की जंग

पांच विधानसभा क्षेत्रों में सियासी सेमीफाइनल बना चुनाव, भाजपा-कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत

अनंत ज्ञान

राजेश शर्मा, ऊना। जनपद ऊना के पांच विधानसभा क्षेत्रों में फैली 17 जिला परिषद सीटों पर इस बार चुनावी मुकाबला बेहद रोचक और प्रतिष्ठापूर्ण बन गया है। 26 से 30 मई तक होने वाले मतदान को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। जिले में वर्तमान में चार विधायक कांग्रेस से हैं, जबकि एक विधायक भाजपा से संबंध रखते हैं। ऐसे में जिला परिषद चुनाव को राजनीतिक दल आगामी समीकरणों के लिहाज से सेमीफाइनल की तरह देख रहे हैं।

कुटलैहड़ में विवेक शर्मा की प्रतिष्ठा दांव पर

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चार जिला परिषद वार्ड आते हैं। यहां कांग्रेस विधायक विवेक शर्मा के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। क्षेत्र में करीब तीन दशक बाद कांग्रेस का विधायक बनने के कारण पार्टी इस बार जिला परिषद चुनाव में भी मजबूत प्रदर्शन कर अपनी पकड़ साबित करना चाहती है। भाजपा भी यहां कांग्रेस को चुनौती देने के लिए पूरी रणनीति के साथ मैदान में उतरी हुई है।

चिंतपूर्णी में सुदर्शन बबलू के सामने चुनौती

चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के तहत चार जिला परिषद वार्ड आते हैं, जिनमें से एक वार्ड का कुछ हिस्सा गगरेट क्षेत्र से भी जुड़ता है। यहां कांग्रेस विधायक सुदर्शन बबलू की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। कांग्रेस सत्ता और संगठन के दम पर बढ़त बनाने का प्रयास कर रही है, जबकि भाजपा ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पैठ मजबूत कर मुकाबले को कांटे का बना रही है।

गगरेट में तीन सीटों पर सीधी टक्कर

गगरेट विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस विधायक राकेश कालिया के नेतृत्व में पार्टी तीन जिला परिषद सीटों पर कब्जा जमाने की कोशिश में है। वहीं भाजपा भी यहां पूरी ताकत के साथ मैदान में डटी हुई है। क्षेत्र में दोनों दलों के बीच सीधी राजनीतिक जंग देखने को मिल रही है और उम्मीदवारों का व्यक्तिगत प्रभाव भी परिणामों में अहम भूमिका निभा सकता है।

हरोली में उपमुख्यमंत्री के लिए प्रतिष्ठा का सवाल

हरोली विधानसभा क्षेत्र में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के कारण कांग्रेस के लिए यह चुनाव बेहद अहम माना जा रहा है। हालांकि हाल ही में भाजपा ने टाहलीवाल नगर परिषद पर कब्जा जमाकर कांग्रेस को झटका दिया है। ऐसे में जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस के सामने अपनी राजनीतिक पकड़ बरकरार रखने की चुनौती है, जबकि भाजपा इस जीत के उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है।

ऊना में सत्ती बनाम रायजादा की सियासी परीक्षा

ऊना सदर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक सतपाल सिंह सत्ती की सक्रियता के चलते भाजपा मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। हाल ही में तीनों नगर निकायों में भाजपा की जीत ने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है। अब तीन जिला परिषद सीटों पर मुकाबला बेहद कड़ा हो गया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक सतपाल रायजादा की प्रतिष्ठा भी इन चुनावों से जुड़ गई है। सत्ता में होने के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए यहां जीत आसान नहीं मानी जा रही।

सेमीफाइनल की तरह देखे जा रहे चुनाव

जिप चुनावों को दोनों प्रमुख दल आगामी राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से बेहद अहम मान रहे हैं। कांग्रेस जहां सत्ता का लाभ लेकर चुनावी बढ़त बनाने की कोशिश में है, वहीं भाजपा प्रदेश सरकार के खिलाफ माहौल को भुनाने के इरादे से मैदान में उतरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में उम्मीदवारों की व्यक्तिगत छवि, जातीय समीकरण व स्थानीय मुद्दे भी इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। फिलहाल दोनों दल सिर-धड़ की बाजी लगाकर चुनावी मैदान में डटे हुए हैं।

चिंतपूर्णी में बाइक को टक्कर मारने पर मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, चिंतपूर्णी। पुलिस थाना मोईन क्षेत्र के अंतर्गत हुए एक सड़क हादसे में लापरवाही से वाहन चलाकर मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी मोईन संजीव कुमार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता चंचला देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हरवंश पुत्र रमेश चंद्र के साथ बाइक पर सवार होकर जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में नरेश कुमार पुत्र मदन निवासी बाथू टिपरी ने कथित रूप से लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चंचला देवी को चोटें आई हैं। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी नरेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है।

ऊना जिले में गर्मी का कहर तापमान 42.7 डिग्री पहुंचा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी ने जनजीवन को खासा प्रभावित करना शुरू कर दिया है। मंगलवार को ऊना का अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन की तुलना में करीब 2 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान भी 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया था, जबकि दोपहर के समय चली गर्म हवाओं ने हालात और अधिक कठिन बना दिए। कई इलाकों में लू जैसे हालात महसूस किए गए, जिससे लोगों को घरों से बाहर निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी का असर बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी साफ दिखाई दिया। आम दिनों की तुलना में बाजारों में भीड़ कम रही और दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही काफी घट गई। जरूरी कार्यों से बाहर निकलने वाले लोग सिर और चेहरे को कपड़े से ढककर चलते नजर आए। गर्मी बढ़ने के साथ ही ठंडे पेय पदार्थों, आइसक्रीम और फलों की मांग में भी इजाफा देखा गया। वहीं चिकित्सकों ने लोगों को दोपहर के समय धूप में निकलने से बचने, अधिक पानी पीने और शरीर को हाइड्रेट रखने की सलाह दी है।

नगर पंचायत गगरेट में अध्यक्ष से ज्यादा उपाध्यक्ष पद को लेकर तेज हुई लॉबिंग

अनंत ज्ञान

◆ गगरेट में बोर्ड गठन से पहले तेज हुई जोड़तोड़ की राजनीति

गगरेट। नगर पंचायत गगरेट के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद अब राजनीतिक हलचल अध्यक्ष पद से ज्यादा उपाध्यक्ष पद को लेकर तेज होती नजर आ रही है। अध्यक्ष पद महिला वर्ग के लिए आरक्षित होने के चलते जहां महिला पार्षदों के बीच सीमित दावेदारी दिखाई दे रही है, वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए कई दिग्गजों ने अंदरखाते जोड़तोड़ और संपर्क साधना शुरू कर दिया है। पूरे दिन नगर पंचायत की सत्ता के समीकरणों को लेकर बैठकों और राजनीतिक चर्चाओं का दौर चलता रहा।

नगर पंचायत के सात वार्डों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने चार सीटों पर जीत दर्ज कर सबसे बड़ी ताकत के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है, जबकि तीन वार्डों में आजाद प्रत्याशी विजयी रहे हैं। कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी एक भी वार्ड में जीत हासिल नहीं कर पाए, जिससे स्थानीय राजनीति में पार्टी की स्थिति कमजोर नजर आई है(अध्यक्ष पद महिला वर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण वार्ड नंबर तीन से विजयी सरोज कुमारी, वार्ड नंबर चार से विजयी बबीता और वार्ड नंबर सात से विजयी मंजू के नाम चर्चा में बने हुए हैं। हालांकि राजनीतिक गलियारों में सबसे ज्यादा हलचल उपाध्यक्ष पद को लेकर दिखाई दे रही है। अन्य वार्डों से विजयी पुरुष पार्षदों और उनके समर्थकों ने उपाध्यक्ष पद के लिए लॉबिंग तेज कर दी है। कई नेता अपने समर्थित पार्षदों के पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हुए हैं, जबकि आजाद पार्षदों की भूमिका भी सत्ता संतुलन में बेहद अहम मानी जा रही है। दिनभर ढाई-ढाई साल के फार्मूले, समर्थन जुटाने और संभावित बोर्ड गठन को लेकर चर्चाएं गर्म रहीं।

वहीं मनोनीत पार्षदों की नियुक्ति को लेकर भी राजनीतिक आकाओं के पास हाजिरी लगाने वालों की आवाजाही बढ़ी रही। चुनाव परिणामों के बाद अब यह साफ हो गया है कि नगर पंचायत गगरेट में असली राजनीतिक मुकाबला अध्यक्ष पद से ज्यादा उपाध्यक्ष पद को लेकर दिलचस्प बनने जा रहा है, जहां आने वाले दिनों में कई नए समीकरण उभर सकते हैं।

3.016 किलोग्राम गांजा संग बिहार का आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, ऊना। सूबे के मुखिया सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा शुरू किए गए 'नशा मुक्त हिमाचल' अभियान के तहत जिला पुलिस ऊना की ओर से नशे के कारोबारियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। नशे के खिलाफ अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत पुलिस ने 3.016 किलोग्राम गांजा सहित एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी के अनुसार, जिला पुलिस ऊना मादक पदार्थों के सेवन और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत 18 मई को दिन के समय एसआईयू ऊना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर पुराना होशियारपुर रोड स्थित ख्वाजा मंदिर के समीप कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने एक ई-रिक्शा में सवार व्यक्ति की तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के बैग से 3.016 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। आरोपी की पहचान संजीव मेहतो पुत्र योगेंद्र महतो निवासी बिहारीगंज, जिला मधेपुरा, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी यह खेप कहां से लेकर आया था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था।

पुलिस अधीक्षक ऊना सचिन हीरेमठ ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं भी नशे से संबंधित कोई गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

बाथू में निकाली कलश यात्रा श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

अनंत ज्ञान

टाहलीवाल (ऊना)। ग्राम पंचायत बाथू स्थित पातका मंदिर बाबा बालकनाथ में 20 मई से 27 मई तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। धार्मिक आयोजन में गांव सहित आसपास क्षेत्रों के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कलश यात्रा बाबा बालक नाथ मंदिर पातका से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ आरंभ हुई। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन और भगवान के जयकारों के साथ पूरे गांव की परिक्रमा की। यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः मंदिर परिसर में संपन्न हुई। श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर नजर आया। ग्रामवासियों ने भी जगह-जगह श्रद्धालुओं का स्वागत कर धार्मिक आयोजन के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

बाथू में निकाली शोभायात्रा में शामिल लोग। अनंत ज्ञान

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के दौरान प्रसिद्ध कथाव्यास आचार्य प्रदीप शास्त्री प्रतिदिन शाम 5:30 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करवाएंगे। कथा के साथ-साथ प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

मंदिर कमेटी और ग्रामवासियों ने संयुक्त रूप से इस धार्मिक आयोजन की तैयारियां की हैं। मंदिर कमेटी ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित कथा में पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

बकरीद से पहले गो तस्करी रोकने की मांग तेज, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

घुमारवीं। विश्व हिंदू परिषद के गोरक्षा विभाग ने बकरीद से पूर्व प्रदेश में गोवंश हत्या और तस्करी रोकने के लिए प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। संगठन पदाधिकारियों ने एसडीएम घुमारवीं के माध्यम से उपायुक्त शिमला को ज्ञापन सौंपकर बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई।

ज्ञापन में कहा गया कि भारतीय गोवंश देश की पारंपरिक धरोहर होने के साथ समाज को सात्विक ऊर्जा और आर्थिक आधार प्रदान करता है। संगठन ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश गौवंश रक्षण संवर्धन गोवध प्रतिषेध अधिनियम-1979 लागू है, जिसमें समय-समय पर संशोधन भी किए गए हैं। इसके बावजूद कई क्षेत्रों में गोवंश तस्करी और हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं।

संगठन ने प्रशासन से मांग की कि 27 मई 2026 को होने वाली बकरीद से पहले संवेदनशील क्षेत्रों और नाकों पर सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएं। वाहनों की सघन जांच कर गोवंश तस्करी के मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही पुलिस प्रशासन को कानून के प्रभावी पालन के लिए कड़े निर्देश जारी किए जाएं। ज्ञापन सौंपने वालों में विशाल नड्डा, अश्विनी कपिल, लक्की शर्मा, प्रवीण धीमान, अश्विनी चौहान और अजीत पराशर शामिल रहे।

तलाई नगर पंचायत चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की शानदार जीत

अनंत ज्ञान घुमारवीं। तलाई नगर पंचायत चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की शानदार जीत पर भारतीय जनता युवा मोर्चा तलाई मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा ने स्थानीय जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत के सात वार्डों में से पांच में भाजपा प्रत्याशियों की जीत जनता के विश्वास और पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। अजय शर्मा ने कहा कि तलाई की जनता ने विकास और जनहित की राजनीति पर मुहर लगाई है। उन्होंने इस जीत का श्रेय भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, संगठन के पदाधिकारियों तथा बूथ स्तर तक कार्य करने वाले सभी कार्यकर्ताओं को दिया।

उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत कर भाजपा की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाया, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। युवा मोर्चा अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए नगर पंचायत के विकास को नई दिशा देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा आने वाले समय में भी विकास और जनसेवा के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए जनता के बीच मजबूती से कार्य करती रहेगी।

सेवानिवृत्त शिक्षक जगदेव सिंह ने गरीब विद्यार्थियों को बांटी यूनिफार्म

अनंत ज्ञान

स्वारघाट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में स्थानीय निवासी एवं शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त अध्यापक सरदार जगदेव सिंह ने निर्धन विद्यार्थियों की सहायता की अपनी मुहिम को इस वर्ष भी जारी रखते हुए 22 विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म के जूते वितरित किए।

गौरतलब है कि सरदार जगदेव सिंह पिछले सात वर्षों से आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की पढ़ाई में आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार सहयोग कर रहे हैं। वर्ष 2019 में उन्होंने अपनी पेंशन का 10 प्रतिशत हिस्सा जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया था। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालय मजारी-1 और मजारी-2 के विद्यार्थियों को भी वे समय-समय पर स्कूल वर्दी, जूते, कॉपियां तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाते रहते हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने बताया कि विभाग के स्कूल अडॉप्शन प्रोग्राम की जानकारी मिलने पर जगदेव सिंह ने तुरंत विद्यालय से जुड़ने की सहमति दी। उन्होंने विद्यालय की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए मात्र दो दिनों में विद्यार्थियों के लिए जूतों की व्यवस्था कर दी।

प्रधानाचार्य ने उनकी उदार सोच और समाजसेवा की भावना की सराहना करते हुए स्थानीय लोगों से भी इस पवित्र अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। विद्यालय में आयोजित सादे समारोह के दौरान सरदार जगदेव सिंह को माता नैना देवी की चुनरी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य नीलम धीमान, अनुराधा शर्मा, हरप्रीत कौर, रेखा देवी, सतनाम कौर, रेणु शर्मा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अभिभावक-विद्यालय समन्वय से ही बच्चों का उज्ज्वल भविष्य संभव: दीपिका शर्मा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल बरमाना में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर नर्सरी से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों की एक सामूहिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दीपिका शर्मा ने की। इस दौरान प्रधानाचार्या ने विद्यालय की भावी योजनाओं और शैक्षिक दृष्टिकोण को अभिभावकों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करना भी है।

उन्होंने अभिभावकों और विद्यालय के बीच बेहतर तालमेल को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बताया और बच्चों को संस्कारवान व आत्मनिर्भर नागरिक बनाने के प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में अभिभावकों ने विद्यालय की कार्यशैली और नेतृत्व की सराहना करते हुए पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस दौरान आपसी संवाद और विश्वास का सकारात्मक माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में अभिभावकों के लिए बैठने और जलपान की उचित व्यवस्था भी की गई थी।

चम्मयौण दंगल में प्रिंस चांदपुर विजेता व अक्षय मंडी बने उपविजेता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। चम्मयौण गांव में कुश्ती दंगल का भव्य एवं रोचक आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्रभर से आए पहलवानों ने अपने दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। दंगल कमेटी चम्मयौण के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य मुकाबला काफी देर तक चला और दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। दोनों पहलवानों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिला।

प्रतियोगिता में चांदपुर अकादमी के प्रिंस विजेता रहे, जबकि मंडी के चकली गांव के अक्षय उपविजेता रहे। विजेता पहलवान को 7500 रुपए की नकद राशि के साथ गदा देकर सम्मानित किया गया, जबकि उपविजेता को 7100 रुपए की राशि प्रदान की गई। अन्य पहलवानों को भी उनके प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि श्रीश्री ट्रस्ट के अध्यक्ष उदय तिवारी ने पहलवानों को सम्मानित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी पारंपरिक खेल संस्कृति को संजोए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से जहां मनोरंजन होता है वहीं शरीर भी स्वस्थ रहता है। कार्यक्रम का मंच संचालन रामपाल ठाकुर ने बखूबी निभाया। अंत में कुश्ती कमेटी के संयोजक एवं पूर्व प्रधान जोगेंद्र सिंह ठाकुर ने सभी सहयोगियों, ग्रामीणों और पहलवानों का आभार व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट का 'समाधान समारोह 2026' अभियान शुरू

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, बिलासपुर की अध्यक्ष ज्योत्स्ना सुमंत ढडवाल ने बताया कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'समाधान समारोह 2026' अभियान शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों का निपटारा आपसी सहमति और सुलह के माध्यम से करना है।

उन्होंने बताया कि यह अभियान 21 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो चुका है और इसके तहत 21, 22 तथा 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें उपयुक्त मामलों का समाधान आपसी सहमति से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरणों के मध्यस्थता केंद्रों में किया जा रहा है, जहां प्रशिक्षित मध्यस्थ पक्षकारों की सहायता कर रहे हैं। साथ ही बताया कि अपने मामले को 'समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026' में शामिल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध गूगल फॉर्म भरना होगा, जिसकी अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है।

जरूरतमंदों की सहायता को आगे आया अंकुश ठाकुर सेना मेडल चैरिटेबल ट्रस्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। गलवान के अमर शहीद सिपाही अंकुश ठाकुर सेना मेडल की स्मृति में स्थापित चैरिटेबल ट्रस्ट कड़ोहता द्वारा समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए बडैहर गांव की निवासी नीलमा देवी पत्नी रतन चंद को 11 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों क्षेत्र में हुई भारी बारिश और खराब मौसम के चलते नीलमा देवी का मकान क्षतिग्रस्त होकर गिर गया था, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। परिवार की स्थिति की सूचना मिलने पर ट्रस्ट के सदस्यों ने मौके का निरीक्षण किया और मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए सहायता राशि प्रदान कर परिवार को सहयोग दिया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में जरूरतमंद लोगों के साथ खड़ा होना समाज का नैतिक दायित्व है। ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि अमर शहीद सिपाही अंकुश ठाकुर की स्मृति में स्थापित यह ट्रस्ट जरूरतमंद परिवारों की सहायता, समाज सेवा तथा युवाओं में राष्ट्रसेवा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है। सहायता राशि प्रदान करने के दौरान ट्रस्ट के सदस्य मनीष कुमार, भागीरथ शर्मा, विजय कुमार रणावत, विनोद कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एम्स बिलासपुर में हुआ प्रसवपूर्व आनुवंशिकी पर अकादमिक सत्र

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। एम्स बिलासपुर के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा 13 मई को 'प्रसवपूर्व आनुवंशिकी एवं मूल्यांकन: जन्म से पूर्व जीवन की समझ' विषय पर एक अकादमिक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) दलजीत सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जबकि संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पूजन डोगरा के नेतृत्व में किया गया।

सत्र में सहायक आचार्य डॉ. तनवी कटोच ने प्रसवपूर्व आनुवंशिकी और भ्रूण चिकित्सा के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान आनुवंशिक जांच, प्रसवपूर्व परामर्श, भ्रूण निदान में नवीन तकनीकों तथा गर्भस्थ शिशु के उपचारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बिलासपुर सहित विभिन्न जिलों के स्त्री रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसके साथ ही नवजात शिशु रोग, रेडियोडायग्नोसिस और बाल रोग विभाग के संकाय सदस्यों एवं रेजिडेंट चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे बहुविषयक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया गया। यह आयोजन एम्स बिलासपुर की चिकित्सा शिक्षा, शोध और उन्नत अकादमिक गतिविधियों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आंगनबाड़ी कर्मियों से चुनाव ड्यूटी में खाना बनवाने के आदेश का कड़ा विरोध

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर यूनियन, सीटू से संबंधित राज्य कमेटी हिमाचल प्रदेश ने निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव ड्यूटी के दौरान चुनाव कर्मियों के लिए भोजन बनाने संबंधी जारी आदेश का कड़ा विरोध किया है। यूनियन का कहना है कि आंगनवाड़ी कर्मियों पर पहले से ही कार्यभार अत्यधिक है और ऐसे में उन पर अतिरिक्त जिम्मेदारी थोपना उचित नहीं है।

यूनियन ने कहा कि मतदान दल एक दिन पहले ही पोलिंग बूथों पर पहुंच जाते हैं। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि आंगनवाड़ी कर्मी अपने नियमित कार्य करेंगी या फिर चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के लिए भोजन तैयार करेंगी। यूनियन ने यह भी कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में 100 प्रतिशत महिला कर्मी कार्यरत हैं, जबकि चुनाव ड्यूटी में अधिकतर पुरुष कर्मचारी होते हैं। उनके लिए देर रात तक भोजन बनाना और परोसना महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा गंभीर विषय है। यूनियन के अनुसार, भोजन तैयार कराने और खिलाने में रात 10 से 11 बजे तक का समय हो सकता है। ऐसी स्थिति में महिला कर्मियों के लिए देर रात तक बाहर रहना और सुरक्षित घर लौटना बड़ा सवाल है। इससे पहले कभी भी आंगनबाड़ी वर्कर और हेल्पर की ड्यूटी रात के समय नहीं लगाई गई है। आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर यूनियन ने सरकार और निर्वाचन आयोग से मांग की है कि इस आदेश को तुरंत वापस लिया जाए तथा किसी भी महिला कर्मी से जबरन अतिरिक्त कार्य न करवाया जाए।

यूनियन की राज्य अध्यक्ष नीलम जैसवाल और राज्य सचिव वीना शर्मा ने कहा कि महिला कर्मियों की सुरक्षा और कार्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय वापस लिया जाना चाहिए। वहीं, बिलासपुर जिला प्रधान सुषमा और जिला सचिव इंदु ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए आदेश वापस लेने की मांग उठाई है।

चंबा के खिलाड़ियों ने कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर जीते 15 पदक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। चंबा जिले के नन्हे खिलाड़ियों ने बैजनाथ में आयोजित हिमाचल प्रदेश सब जूनियर कराटे चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में चंबा के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल का परिचय देते हुए कुल 15 पदक अपने नाम किए, जिससे पूरे जिले में खुशी और गर्व का माहौल है।

प्रदेशभर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच चंबा जिला की टीम ने आत्मविश्वास, अनुशासन और उत्कृष्ट तकनीक का प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण, 6 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई। इस प्रतियोगिता में चंबा की ओर से कुल 15 खिलाड़ियों ने भाग लिया था, और लगभग सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले की पदक तालिका को समृद्ध किया।

4 स्वर्ण, 6 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर अभिभावकों, खेल प्रेमियों और जिला कराटे संघ ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों और उनके प्रशिक्षकों को बधाई दी है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद चंबा के खिलाड़ी निरंतर मेहनत, समर्पण और लगन के बल पर नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, जो अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने इस उपलब्धि को केवल खिलाड़ियों की जीत नहीं, बल्कि पूरे चंबा जिले के लिए गर्व का क्षण बताया। साथ ही कहा कि यह प्रदर्शन आने वाले समय में अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बनेगा और जिले में खेल संस्कृति को और मजबूत करेगा। खेल प्रेमियों का मानना है कि ये प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भी हिमाचल प्रदेश का नाम और अधिक ऊंचा करेंगे।

सुल्तानपुर, भरमौर चौक में 22 को बंद रहेगी बिजली

अनंत ज्ञान, चंबा। चंबा में 22 मई को विद्युत उपमंडल-1 और उपमंडल चंबा-2 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न 11 केवी फीडरों में आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य किया जाएगा, जिसके चलते कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता तेजू राम ने बताया कि यह कार्य वरिष्ठ कार्यकारी अभियंता (संरक्षण एवं परीक्षण) के निर्देशानुसार किया जा रहा है। सिटी-1, सिटी-2, पक्काटाला, राजेरा, राजनोंन, खजियार, सरोल, कियाणी तथा 33 केवी मरेड़ी फीडर के अंतर्गत आने वाले अनेक क्षेत्रों में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक अथवा कार्य समाप्ति तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी इन क्षेत्रों में सुल्तानपुर, भरमौर चौक, उपायुक्त कार्यालय, सर्किट हाउस, आईटीआई चंबा, मेडिकल कॉलेज सहित कई आवासीय और व्यावसायिक इलाके शामिल हैं। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है तथा कहा है कि यह कार्य मौसम की अनुकूल परिस्थितियों पर निर्भर रहेगा।

आरएस बाली को घेरने के चक्कर में चंबा का अपमान बर्दाश्त नहीं : मनीष सरीन

◆ पवन नैयर के बयान पर किया तीखा पलटवार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। एचपीटीडीसी में नियुक्तियों को लेकर भाजपा नेता एवं पूर्व सदर विधायक पवन नैय्यर की ओर से दिए गए बयान पर सियासी घमासान तेज हो गया है। इस पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं डलहौजी विधानसभा क्षेत्र से 2022 के पूर्व प्रत्याशी मनीष सरीन ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उन पर तीखा हमला बोला है।

भारतीय जनता पार्टी नेता पवन नैय्यर के बयान को लेकर सरीन ने कहा कि आरएस बाली पर राजनीतिक हमला करने के लिए चंबा और हिमाचल के युवाओं की योग्यता पर सवाल उठाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि यह बयान पूरे चंबा जिले के स्वाभिमान पर सीधा आघात है। मनीष सरीन ने आरोप लगाया कि प्रेस वार्ता के दौरान यह संदेश देने की कोशिश की गई कि

एचपीटीडीसी मुद्दे पर बयानबाजी से हिमाचल की सियासी गर्माहट बढ़ी।

केवल एक क्षेत्र विशेष के लोगों को रोजगार मिल रहा है, जिससे अन्य जिलों के युवाओं की योग्यता पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि चंबा के युवाओं ने सेना, प्रशासन, शिक्षा, पर्यटन और व्यापार जैसे हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत साबित की है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि जब भी पार्टी राजनीतिक रूप से कमजोर पड़ती है, वह क्षेत्रवाद और समाज में विभाजन की राजनीति को बढ़ावा देती है। सरीन ने कहा कि हिमाचल की परंपरा हमेशा भाईचारे की रही है, लेकिन कुछ नेता इसे कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि एचपीटीडीसी नियुक्तियों में अनियमितता के आरोप हैं तो उन्हें प्रमाण सहित सामने लाया जाए, न कि बयानबाज़ी के जरिए माहौल खराब किया जाए।

सरीन ने कहा कि प्रदेश के असली मुद्दा सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने अंत में कहा कि आरएस बाली पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने और युवाओं के लिए अवसर बढ़ाने में काम कर रहे हैं, और उनके खिलाफ बयान राजनीतिक हताशा का परिणाम हैं। इस मौके पर राजेश चोभियाल, रजत शर्मा, इच्छा राम टंडन तथा विशाल सिंह भी उपस्थित रहे।

नप चुनावों से बदला सियासी माहौल, पंचायत से लेकर विधानसभा तक दिखेगा असर : हसन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। नगर परिषद चुनाव परिणामों के बाद चंबा में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस के जिला महासचिव हसन दीन भट्टी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार की नीतियों से आम जनता में गहरी निराशा और असंतोष है। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में नगर परिषद चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को मिला जनसमर्थन इस बात का संकेत है कि प्रदेश में राजनीतिक माहौल तेजी से बदल रहा है और जनता का झुकाव कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है।

भट्टी ने कहा कि यह परिणाम केवल एक स्थानीय चुनाव नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीति की दिशा तय करने वाला संकेत है, जिसका असर आगामी पंचायती राज चुनावों में भी देखने को मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों पर पूरी तरह विफल रही है। आम नागरिक आज भी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि सरकार केवल प्रचार और घोषणाओं तक सीमित है।

इसके विपरीत कांग्रेस पार्टी लगातार विकास और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देती रही है। भट्टी ने विश्वास जताया कि यह बदलाव आगे चलकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि जनता अब जवाबदेही, पारदर्शिता और जमीनी विकास चाहती है, और कांग्रेस इसी दिशा में लगातार मजबूत हो रही है।

चुनाव ड्यूटी में आंगनबाड़ी कर्मियों से खाना बनवाने के आदेश का किया विरोध

अनंत ज्ञान ब्यूरो, चंबा। आंगनबाड़ी वर्कर हेल्पर यूनियन ने चुनाव ड्यूटी के दौरान पोलिंग पार्टियों के लिए भोजन तैयार कराने संबंधी आदेशों का कड़ा विरोध किया है। यूनियन ने इसे अव्यवहारिक, महिला विरोधी और तुगलकी फरमान बताते हुए सरकार और राज्य चुनाव आयोग से इसे तुरंत वापस लेने की मांग की है। जिला प्रधान सरोज देवी, सचिव अंजू देवी, उपाध्यक्ष चंपा देवी तथा सीटू जिला महासचिव सुदेश ठाकुर ने संयुक्त बयान में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मुख्य कार्य बच्चों और महिलाओं से जुड़ी सेवाएं देना है, न कि चुनाव ड्यूटी में भोजन व्यवस्था करना। उन्होंने कहा कि सहायिकाएं केंद्रों में भोजन तैयार करती हैं, इसलिए यह अतिरिक्त जिम्मेदारी अनुचित है। यूनियन ने कहा कि चुनाव वाले दिन कर्मियों को अवकाश रहता है, जबकि पोलिंग पार्टियां एक दिन पहले ही बूथों पर पहुंच जाती हैं, जिससे कार्यभार और अधिक बढ़ जाता है। उन्होंने महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अधिकांश आंगनवाड़ी कर्मी महिलाएं हैं, जबकि पोलिंग पार्टियों में अधिकतर पुरुष होते हैं, ऐसे में देर रात तक काम कराना सुरक्षित नहीं है।

ग्रामीण बैंक धरवाला में नई 'प्रिंटर मशीन' लगने से खाताधारकों को मिली राहत

अनंत ज्ञान, देशराज कश्यप, धरवाला। हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा धरवाला में प्रिंटर मशीन खराब होने से खाताधारकों को पिछले लंबे समय से बेहद समस्याएं पेश आ रही थी। गौरतलब है कि विधानसभा क्षेत्र भरमौर की विभिन्न पंचायतों राडी, भटवाड़ा, प्रीणा, गांण, किलोड, कुनेड, कलमला, लोथल, सुनारा, तागी, बलोठ, खुन्देल, ब्रेही, लेच, गैहरा, प्यूहरा सहित दो दर्जन पंचायत के लोगों को ग्रामीण बैंक शाखा धरवाला अपनी सेवाएं देता है। खाता धारकों पूर्ण सिंह, सोनू, प्रहलाद, शरण दास, बालकृष्ण, सुनो देवी, रीता देवी, मनीषा देवी, निशा कुमारी इत्यादि लोगों ने बताया था की शाखा धरवाला में प्रिंटर मशीन खराब होने से दो दर्जन से अधिक पंचायत के लोगों को पासबुक में लेनदेन की सही जानकारी का विवरण ना मिल पाने पर परेशानियां पेश आ रही थी, वहीं अब मंगलवार को नया प्रिंटर मशीन ग्रामीण बैंक शाखा धरवाला में लगने से खाता धारकों को राहत मिलेगी। शाखा प्रबंधक दिनेश कुमार ने खाता धारकों को प्रिंटर मशीन खराब होने से हुई परेशानियों के लिए खेद प्रकट किया है वह खाता धारकों से प्रिंटर मशीन संबंधित सेवाएं लेने का आग्रह किया है।

10 साल बाद बदला चंबा नगर पालिका का ताज, आजाद पार्षद इशू ने पलट दी सियासत

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। चंबा नगरपालिका की सत्ता पर आखिरकार एक दशक बाद कांग्रेस समर्थित खेमे का कब्जा हो गया है। बेहद कांटे की टक्कर और राजनीतिक उठापटक के बीच हटनाला वार्ड से विजयी हुए आजाद पार्षद इशू ने ऐसा फैसला लिया, जिसने पूरी नगरपालिका की राजनीति का रुख ही बदल दिया। उनके एक समर्थन ने कांग्रेस की सत्ता वापसी का रास्ता साफ कर दिया और भाजपा के सारे राजनीतिक समीकरण धराशायी हो गए।

नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों और भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को पांच-पांच सीटें हासिल हुई थीं। ऐसे में 11 सदस्यीय नगरपालिका में बहुमत का जादुई आंकड़ा

विधायक नीरज नैय्यर टोपी पहनकर आभार व्यक्त करते हुए।

हासिल करने के लिए एक अतिरिक्त समर्थन बेहद जरूरी था। पूरे जिले की नजरें हटनाला वार्ड से जीते आजाद पार्षद इशू पर टिकी हुई थीं, क्योंकि वही सत्ता की असली 'चाबी' बन चुके थे। सूत्रों के मुताबिक चुनाव परिणाम सामने आने के बाद दोनों दलों ने इशू को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी। भाजपा के कई बड़े नेताओं ने भी लगातार संपर्क साधा और उन्हें अपने साथ जोड़ने के प्रयास किए। आखिरकार इशू ने अपने मन और जनता के विश्वास को प्राथमिकता देते हुए कांग्रेस के पक्ष में समर्थन देने का फैसला लिया। इसी फैसले के साथ कांग्रेस ने 10 वर्षों बाद चंबा नगरपालिका की सत्ता में जोरदार वापसी दर्ज करवाई। जैसे ही समर्थन की खबर सामने आई, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और देर रात तक जश्न का माहौल बना रहा। बीती रात चंबा सदर के विधायक नीरज नैय्यर ने आजाद पार्षद इशू का विशेष स्वागत किया। इस दौरान उन्हें शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया और कांग्रेस समर्थकों ने नारेबाजी के बीच इसे 'जनता के विश्वास की जीत' बताया। स्वागत समारोह के दौरान माहौल पूरी तरह राजनीतिक उत्साह से सराबोर नजर आया। राजनीतिक जानकारों की मानें तो इशू का यह फैसला आने वाले समय में चंबा की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। वहीं भाजपा समर्थकों के लिए यह परिणाम किसी बड़े झटके से कम नहीं माना जा रहा। अब पूरे शहर की नजरें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि नव-निर्वाचित पार्षदों को शपथ ग्रहण के लिए कब बुलाया जाता है और चंबा नगरपालिका के नए नेतृत्व की औपचारिक शुरुआत कब होती है।

चंडीगढ़ फोटोग्राफर्स एसो. की जनरल हाउस मीटिंग में उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। चंडीगढ़ फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की जनरल हाउस मीटिंग लायंस क्लब, सेक्टर-18 में भव्य रूप से सम्पन्न हुई, जिसमें करीब 200 सदस्यों और अतिथियों ने भाग लिया। बैठक में वरिष्ठ फोटोग्राफर्स को उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर सुरेश शर्मा सहित कई अनुभवी फोटोग्राफर्स को मंच पर सम्मान प्रदान किया गया। एसोसिएशन के महासचिव सुनील भट्ट ने संगठन की पिछले नौ महीनों की उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि अध्यक्ष सरोज सिंह चौहान के नेतृत्व में एसोसिएशन ने कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए हैं, जिनमें रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को अपडेट करना, बैंकिंग व्यवस्था को डिजिटल बनाना और सदस्यों के लिए जीरो बैलेंस खाते की सुविधा शामिल है।

इसके अलावा सदस्यता में वृद्धि, बाढ़ राहत कार्यों में सहयोग और धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान लंगर सेवा जैसे सामाजिक कार्य भी किए गए। आने वाले समय में राज्य स्तरीय फोटो प्रदर्शनी आयोजित करने की योजना भी बनाई गई है। बैठक में बताया गया कि अध्यक्ष सरोज सिंह चौहान को पंजाब की एक फोटोग्राफर्स वेलफेयर एसोसिएशन में संयुक्त सचिव पद पर नियुक्त किया गया है, जिसे संगठन ने बड़ी उपलब्धि बताया।

फतेहाबाद में नीट पेपर लीक और पेट्रोल डीजल वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का धरना

अनंत ज्ञान, फतेहाबाद। नीट पेपर लीक व पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को फतेहाबाद में रोष प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पर धरना दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद्र शर्मा के नेतृत्व में दिए गए धरने में काफी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और सरकार की नीतियों का विरोध किया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेसी नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाने तथा पेट्रोल, डीजल एवं सीएनजी की बढ़ी हुई कीमतों को तुरंत वापस लेने की मांग उठाई गई। जिलाध्यक्ष अरविन्द शर्मा ने कहा कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल नीट परीक्षा का पेपर लीक होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं गंभीर मामला है। इस घटना ने लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों के विश्वास को गहरा आघात पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में वृद्धि किए जाने से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। महंगाई पहले ही चरम पर है और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से परिवहन, कृषि, उद्योग एवं रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर जयपाल सिंह लाली, मंगतराम लालवास, बलजिंद्र ठरवीं, अभिमन्यु दौलतपुरिया, दिलशेर सिंह टोहाना, मास्टर सतबीर सिंह भूथन, संजय ठरवा, अजय मैहता भूना आदि उपस्थित थे।

पंजाब के विकास मॉडल पर सांसद संधू और चंद्रबाबू नायडू में हुई चर्चा

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात कर पंजाब के आर्थिक विकास रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश के 'स्पीड ऑफ डूइंग बिजनेस' मॉडल और औद्योगिक नीतियों का अध्ययन किया।

बैठक का उद्देश्य ऐसे शासन मॉडल को समझना था, जिसने आंध्र प्रदेश को निवेश आकर्षित करने और तकनीकी क्षेत्र में मजबूत पहचान दिलाने में मदद की है। इस मॉडल के आधार पर पंजाब के लिए एक व्यापक विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है, जिसमें राज्य को कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर आईटी, एआई, सेमीकंडक्टर, हेल्थकेयर और स्टार्टअप हब के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया है।

चर्चा के दौरान नायडू के '4पी मॉडल' (पब्लिक, पॉलिसी, प्राइवेट पार्टनरशिप) और निवेश अनुकूल नीतियों पर भी विचार किया गया, जिन्हें तेज और परिणामोन्मुख शासन का उदाहरण बताया गया। सांसद संधू ने कहा कि इस मॉडल से पंजाब में उद्यमिता और रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं, जिससे युवाओं का पलायन कम होगा। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि पंजाब और आंध्र प्रदेश दोनों कृषि प्रधान राज्य हैं, लेकिन अब इन्हें 'डीप टेक क्रांति' की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में तकनीक आधारित विकास ही राज्यों की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। संधू ने अमरावती में विकसित किए जा रहे टेक और नॉलेज हब का भी उल्लेख किया और इसे वैश्विक स्तर की पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन से प्राप्त अनुभव पंजाब के लिए एक मजबूत विकास मॉडल तैयार करने में सहायक होंगे।

सिरसा: जनता बुलेट ट्रेन के सपने छोड़ दे, साइकिल चलाए: सैलजा

अनंत ज्ञान, सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार एक तरफ तो बुलेट ट्रेन चलाने की बात करती है, वहीं साइकिल चलाने को कह रही है। जनता अब बुलेट ट्रेन के सपने लेने छोड़ दे। साथ ही उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की घटनाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार देश की परीक्षा व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल रही है। सांसद सैलजा मंगलवार को सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी।

सांसद ने कहा कि राहुल गांधी लगातार जिस खतरे की ओर देश का ध्यान दिलाते रहे हैं, आज वही स्थिति पूरे देश में दिखाई दे रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदारी कौन लेगा। हर बार छोटे स्तर पर कार्रवाई दिखाकर सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। जब लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा हो, तब जवाबदेही शीर्ष स्तर पर तय होनी चाहिए। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश का युवा मेहनत कर रहा है, लेकिन भाजपा सरकार व्यवस्था सुधारने के बजाय अपनी विफलताओं को छुपाने में लगी है। सांसद ने सरकार से मांग की कि बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए। सैलजा ने कहा कि भाजपा नेता साइकिल चलाकर फोटो खिंचवा रहे हैं। यह चंद दिनों का दिखावा है और असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है। सैलजा ने कहा कि वे बार-बार लोकसभा में हरियाणा में तेजी से फैल रहे कैंसर का मुद्दा उठा चुकी हैं, लेकिन सरकार डिनायल मोड़ में काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से कैंसर की रोकथाम के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं और यहां तक कि व्यापक सर्वे करवाने की भी तैयारी नहीं दिखाई दे रही।

सुपवा में सिखा रहे फिल्मों के सेट बनाने का हुनर

अनंत ज्ञान

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के छात्र इन दिनों फिल्मों के सेट तैयार करने की विधा सीख रहे हैं। इसके लिए बॉलीवुड के प्रॉडक्शन डिजाइनर राहुल बाला सुपवा आए हैं, जो फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी के छात्रों की वर्कशॉप ले रहे हैं। वर्कशॉप के दौरान वे सेट तैयार करने के दौरान ध्यान रखी जाने वाली बारीरियों से छात्रों को अवगत करा रहे हैं।

फिल्म एवं टेलीविजन फैकेल्टी के एफसी महेश टीपी बताते हैं कि राहुल बाला एफटीआईआई, पुणे और कॉलेज ऑफ आर्ट, दिल्ली से फोटोग्राफी व प्रॉडक्शन डिजाइन में प्रशिक्षित हैं। वे सोहम शाह फिल्म्स की चमकीला, स्टेज ओटीटी की वेब सीरीज अखाड़ा, इम्तियाज अली द्वारा प्रस्तुत और जीना अभी बाकी है, में प्रॉडक्शन डिजाइनर के तौर पर कार्य कर चुके हैं। बच्चों की शॉर्ट फिल्म दूरबीन का सह-निर्माण और शूट भी उन्होंने ही किया था, जिसने एनडीएफएफ 2021 में सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी पुरस्कार हासिल किया था। कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने कहा कि फिल्मों में दिखने वाली भव्यता सिर्फ कलाकारों या लोकेशन की देन नहीं होती, बल्कि उसके पीछे एक पूरी टीम की महीनों की मेहनत छिपी होती है। जब भी आप किसी ऐतिहासिक या भव्य फिल्म को देखते हैं तो उसके सेट आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाते हैं। लेकिन यह जादू अचानक नहीं बनता, बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित और बेहद तकनीकी प्रक्रिया होती है।

बॉलीवुड के प्रॉडक्शन डिजाइनर राहुल बाला ने छात्रों को बताया कि फिल्म का सेट तैयार करने की जिम्मेदारी प्रॉडक्शन डिजाइनर व आर्ट डायरेक्टर की होती है। ये लोग निर्देशक के विजन को समझकर पहले ब्लूप्रिंट तैयार करते हैं। इसमें हर छोटी-बड़ी डिटेल शामिल होती है, जैसे महल का आकार, दरवाजों की डिजाइन, रंगों का संयोजन और यहां तक कि दीवारों की बनावट कैसी रहेगी। इसके बाद लकड़ी, फाइबर, प्लास्टर और अन्य विशेष सामग्री की मदद से सेट को धीरे-धीरे खड़ा किया जाता है।

नारनौल रेलवे स्टेशन पर अचेत मिले साधु की अस्पताल में मौत

अनंत ज्ञान, नारनौल। नारनौल रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को एक साधु बाबा अचेत अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों ने इसकी सूचना तुरंत रेलवे प्रशासन और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और साधु बाबा को उपचार के लिए तुरंत नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जीआरपी चौकी इंचार्ज कैलाश चंद ने बताया कि साधु बाबा गाड़ी संख्या 09639 मदार-रोहतक ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। ट्रेन के नारनौल रेलवे स्टेशन पहुंचने पर वे बेहोशी की हालत में पाए गए। इसके बाद रेलवे कर्मचारियों और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस के माध्यम से उन्हें अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने साधु की जांच की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। जीआरपी पुलिस आसपास के क्षेत्रों, रेलवे स्टेशनों और अन्य माध्यमों से साधु बाबा की पहचान करवाने के प्रयास कर रही है।

जींद में लू का प्रकोप शुरू, 16 किमी प्रति घंटा से चली गर्म हवाएं

अनंत ज्ञान

जींद। पिछले तीन दिन से सूर्य देवता आग उगल रहे हैं। दिन के समय 16 किलोमीटर की रफ्तार से गर्म हवाएं चल रही हैं। मंगलवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री व न्यूनतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 13 प्रतिशत व हवा की गति 16 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। दिनभर चली गरम हवाओं ने आमजन को बेहाल करके रख दिया। वहीं चिकित्सकों ने लोगों को सलाह दी है कि तेज धूप में घर से बाहर न निकलें और ज्यादा से ज्यादा स्वच्छ पेय पदार्थो का प्रयोग करें। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि आगामी तीन दिन दिन तक हीट वेव रहने के आसार हैं।

मंगलवार को दिन निकलने के साथ ही सूर्य देवता ने आग उगलनी शुरु कर दी थी। सुबह नौ बजे ही तापमान 32 डिग्री पर जा पहुंचा था। दोपहर 12 बजे तापमान 40 डिग्री पर पहुंच गया था। हवा की गति सुबह के समय दस किलोमीटर प्रति घंटा तो दोपहर को 16 किलोमीटर प्रति घंटा तक जा पहुंची। दोपहर बाद अढ़ाई बजे तापमान 44 डिग्री पार भी पहुंच गया। हवा का मिजाज भी काफी गर्म हो गया, जिसके चलते सड़कें व बाजार सुनसान दिखाई दिए और दिनचर्या भी प्रभावित हुई। नागरिक अस्पताल की सीएमओ डा. सुमन कोहली ने बताया कि तापमान 44 डिग्री के आसपास रह रहा है। लोगों को चाहिए कि वे धूप में बाहर निकलने से बचें, विशेषकर बच्चे व बुजुर्ग। ज्यादा से ज्यादा स्वच्छ पेय पदार्थो का प्रयोग करें। सूर्य की सीधी किरणों से बचें, जरूरी होने पर बाहर निकलते समय अपने शरीर को कपडे या छाता लेकर निकलें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं।

गर्मी व लू से बचाव को लेकर प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर दी है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाडियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है हम लू से बचे रहें।

यमुनानगर में प्रतिबंधित दवाओं सहित युवक दबोचा

अनंत ज्ञान

यमुनानगर। यमुनानगर पुलिस के एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने प्रतिबंधित दवाओं के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से ट्रामाडोल के 312 कैप्सूल बरामद किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया, जहां से रिमांड पर लिया गया। एंटी नारकोटिक सेल के प्रभारी अनिल कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतापनगर बस स्टैंड के समीप एक युवक प्रतिबंधित दवाइयों के साथ संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है और उन्हें बेचने की तैयारी में है।

सूचना के आधार पर एक टीम गठित कर मौके पर भेजी गई। पुलिस टीम ने संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर नियमानुसार तलाशी प्रक्रिया पूरी की। तलाशी के दौरान उसके पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कैप्सूल बरामद हुए। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार बरामद दवाओं की जांच ड्रग कंट्रोलर रितु मेहला से कराई गई, जिसमें 312 ट्रामाडोल कैप्सूल पाए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन दवाओं का बिना वैध अनुमति परिवहन और भंडारण प्रतिबंधित है। आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

पूछताछ में आरोपी की पहचान गांव अराईयावाला निवासी मुनीश के रूप में हुई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी प्रतिबंधित दवाइयां कहां से लेकर आया था और किन लोगों तक उनकी आपूर्ति की जानी थी।

‘गांव की सरकार’ के लिए जबरदस्त मुकाबला

पंचायत चुनाव: कई वार्डों में 15 तक पहुंचे उम्मीदवार, बैलेट पेपर पड़े कम, अब दोबारा छप रहे

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायत चुनावों को लेकर इस बार गांव-गांव में जबरदस्त राजनीतिक सरगर्मी देखने को मिल रही है। प्रधान, उप प्रधान, वार्ड सदस्य, बीडीसी और जिला परिषद सीटों पर उम्मीदवारों की रिकॉर्ड संख्या ने चुनावी मुकाबले को बेहद दिलचस्प और रोमांचक बना दिया है। प्रदेश की 3,754 पंचायतों में 26, 28 और 30 मई को तीन चरणों में मतदान होगा, जबकि 31 मई को बीडीसी और जिला परिषद सदस्यों की मतगणना जिला व ब्लॉक मुख्यालयों में करवाई जाएगी। चुनाव मैदान में कुल 70 हजार 224 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिससे इस बार पंचायत चुनावों में अभूतपूर्व उत्साह दिखाई दे रहा है।

जानकारी के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग के सामने इस बार सबसे बड़ी चुनौती उम्मीदवारों की बढ़ती संख्या बन गई है। कई पंचायतों और वार्डों में प्रत्याशियों की संख्या इतनी अधिक पहुंच गई कि पहले से छपे बैलेट पेपर छोटे पड़ गए। आयोग को अब आनन-फानन में नए और लंबे बैलेट पेपर दोबारा प्रिंट करवाने पड़ रहे हैं। पहले बैलेट पेपर में अधिकतम 10 उम्मीदवारों के नाम रखने की व्यवस्था थी, लेकिन अब कई स्थानों पर उम्मीदवारों की संख्या 15 तक पहुंच गई है। इससे चुनावी प्रक्रिया और व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। सबसे अधिक चर्चा मंडी जिले के जिला परिषद बेहल वार्ड नंबर-25 की हो रही है, जहां 15 उम्मीदवार मैदान में उतर गए हैं और 16वां विकल्प नोटा का होगा। इसी तरह बिलासपुर के बड़गांव जिला परिषद वार्ड में 13 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। कांगड़ा जिले में भी कई पंचायतों में मुकाबला बेहद कांटे का बन गया है। कांगड़ा की पंजाहरा पंचायत में प्रधान पद के लिए सबसे ज्यादा 14 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि मंडी की देवधार पंचायत में 13 और भांबला पंचायत में 11 उम्मीदवार आमने-सामने हैं। इससे साफ है कि इस बार पंचायत चुनावों में ग्रामीण राजनीति अपने चरम पर पहुंच गई है।

पंचायत चुनाव बने प्रतिष्ठा की लड़ाई

इस बार पंचायत चुनाव केवल स्थानीय प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि गांवों में यह प्रतिष्ठा और राजनीतिक ताकत का बड़ा मुकाबला बन चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में चुनाव प्रचार तेज हो गया है और हर उम्मीदवार अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुटा हुआ है। बढ़ती उम्मीदवार संख्या यह संकेत दे रही है कि अब गांव की राजनीति में लोगों की दिलचस्पी और भागीदारी लगातार बढ़ रही है। लिहाजा, पंचायत चुनाव 2026 को लेकर इस बार जिस तरह का उत्साह दिखाई दे रहा है, उसने पूरे प्रदेश का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

- **3,754 पंचायतों में चुनावी रण तेज, 70,224 उम्मीदवार मैदान में**
- **31 को होगी बीडीसी और जिला परिषद की काउंटिंग**

जिला परिषद, बीडीसी और उप प्रधान पदों पर भी उम्मीदवारों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। चंबा के गेहरा-6 और करवाल-16 वार्ड में 10-10 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि नैनीखड्ड-12 वार्ड में 12 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। मंडी के बंड्यारा-1 वार्ड में 10 और बिलासपुर के बड़गांव-5 वार्ड में 13 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। बीडीसी चुनाव में शिमला, चंबा और बिलासपुर के कुछ वार्डों में 10 से 11 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा। वहीं उप प्रधान पद के लिए कांगड़ा, चंबा, हमीरपुर और बिलासपुर की पंचायतों में 10 से 11 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। उम्मीदवारों की यह भीड़ दर्शाती है कि गांव की सरकार में भागीदारी को लेकर लोगों का उत्साह पहले से कहीं ज्यादा बढ़ा है।

प्रधान, उप प्रधान और वार्ड सदस्य पदों की मतगणना मतदान वाले दिन ही पंचायत भवनों में पूरी कर परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। राज्य में कुल 3 हजार 754 प्रधान, 3 हजार 754 उप प्रधान, 21 हजार 654 वार्ड सदस्य, 1 हजार 769 बीडीसी सदस्य और 251 जिला परिषद सदस्य चुने जाएंगे। निर्वाचन आयोग ने सभी जिलों में चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न करवाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां तेज कर दी गई हैं ताकि मतदान और मतगणना के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

जयराम ठाकुर बोले- झूठे आंकड़ों से पंचायत चुनाव प्रभावित करना चाहते हैं सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान

समर्थकों के साथ पूर्व सीएम जयराम ठाकुर। ●अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों को लेकर झूठे आंकड़े पेश कर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। सराज प्रवास के दौरान शंकरदेहरा और जरोल में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित बैठकों को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार चुनावी गारंटियों और योजनाओं को लेकर पहले ही जनता को भ्रमित कर चुकी है और अब पंचायत चुनावों में नुकसान से बचने के लिए स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ ही कांग्रेस सरकार के खिलाफ विदाई की शहनाई बज चुकी है और शहरी क्षेत्रों के बाद अब ग्रामीण जनता भी कांग्रेस सरकार से खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। जयराम ठाकुर ने दावा किया कि भाजपा ने अधिकृत सूची जारी कर अपने प्रत्याशी मैदान में उतारे थे, जिनमें से अधिकांश ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं किए थे, ऐसे में जीत के दावे करना जनता को गुमराह करने जैसा है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं, बेरोजगारी बढ़ रही है और सरकार के पास विकास के लिए न तो स्पष्ट नीति बची है और न ही संसाधन। उन्होंने कहा कि जनता अब कांग्रेस सरकार की कथनी और करनी का अंतर समझ चुकी है तथा आने वाले नगर निगम, जिला परिषद और पंचायत चुनावों में कांग्रेस को करारा जवाब मिलेगा।

नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस को मिला जनसमर्थन: केवल पठानिया

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिले व्यापक जनसमर्थन पर प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे जनहितकारी कार्यों, विकासोन्मुख नीतियों और व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में उठाए गए ऐतिहासिक कदमों पर जनता की स्पष्ट मुहर है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बीते साढ़े तीन वर्षों में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा शिक्षा क्षेत्र में सुधार जैसे अनेक बड़े निर्णय लेकर आम लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। शिमला में आयोजित प्रेस वार्ता में केवल सिंह पठानिया ने आगे कहा कि राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है, वहीं दुग्ध उत्पादकों के हित में गाय और भैंस

के दूध के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी कर किसानों और पशुपालकों को आर्थिक मजबूती प्रदान की गई है। उन्होंने कांगड़ा में हवाई अड्डा विस्तार, पर्यटन विकास और आधारभूत ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कांगड़ा को पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की जीत इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की जनता सरकार की विकासात्मक सोच और जनकल्याणकारी नीतियों के साथ मजबूती से खड़ी है।

हिमाचल में नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस की जीत के बीच हार की पड़ताल शुरू

दिग्गज मंत्रियों के गढ़ में मिली शिकस्त पर मंथन तेज

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश के नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस भले ही 47 में से 31 निकायों में जीत का दावा कर रही हो, लेकिन पार्टी अब उन 16 निकायों की हार को लेकर भीतर ही भीतर गंभीर मंथन में जुट गई है, जहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हो पाया। खास बात यह है कि कई ऐसे क्षेत्र भी हार की सूची में शामिल हैं, जिन्हें सरकार के प्रभावशाली मंत्रियों और बड़े नेताओं का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस संगठन अब केवल जीत का उत्सव मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि हार के पीछे छिपे कारणों की तह तक पहुंचने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित करने की तैयारी कर रहा है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि निकाय चुनावों ने कई क्षेत्रों में संगठनात्मक कमजोरी, स्थानीय नाराजगी और कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल की कमी को उजागर किया है, जिसे समय रहते दूर करना जरूरी है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के भीतर इस समय जिला और ब्लॉक स्तर पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। पार्टी यह जानने की कोशिश कर रही है कि किन क्षेत्रों में संगठन कमजोर पड़ा, कहां प्रत्याशी चयन को लेकर असंतोष रहा और किन स्थानों पर स्थानीय मुद्दे चुनावी हार का कारण बने। शिमला, ऊना, बिलासपुर और सोलन जैसे जिलों के परिणामों पर विशेष नजर रखी जा रही है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के गृह जिला ऊना में कांग्रेस का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं माना जा रहा, जबकि बिलासपुर में भी भाजपा समर्थित उम्मीदवारों का दबदबा देखने को मिला। शिमला जिले में जुब्बल-कोटखाई और अन्य क्षेत्रों के मिले-जुले परिणामों ने भी पार्टी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। कांग्रेस अब हर बूथ और वार्ड स्तर पर समीक्षा कर यह समझने का प्रयास कर रही है कि आखिर जनता का रुझान कहां और क्यों बदला।

कांग्रेस महासचिव विनोद जिंटा ने साफ कहा है कि पार्टी हार से घबराने वाली नहीं है, बल्कि कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एक-दो सीटों की हार के आधार पर मंत्रियों की कार्यक्षमता का आकलन करना उचित नहीं होगा, क्योंकि कई क्षेत्रों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन भी किया है। पार्टी का कहना है कि सत्ता संभालने के बाद यह पहला बड़ा स्थानीय चुनाव था और परिणामों में जनता का मिला-जुला संदेश सामने आया है। संगठन अब उन क्षेत्रों में विशेष रणनीति तैयार करेगा, जहां कांग्रेस अपेक्षाकृत कमजोर रही। इसके साथ ही पार्टी यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि आगामी नगर निगम चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर संगठन और अधिक मजबूत दिखाई दे।

नगर निगम चुनावों को कांग्रेस मान रही असली अग्निपरीक्षा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद विनय कुमार के नेतृत्व में यह पहला बड़ा चुनावी मुकाबला था, जिसमें पार्टी ने कई निकायों में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत दिखाई है। हालांकि कांग्रेस अब खुलकर स्वीकार कर रही है कि असली राजनीतिक परीक्षा अभी बाकी है, क्योंकि आगामी नगर निगम चुनाव सीधे चुनाव चिन्ह पर लड़े जाएंगे और वहीं से जनता का स्पष्ट रुझान सामने आएगा। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि निकाय चुनावों ने जहां कई क्षेत्रों में उम्मीद जगाई है, वहीं कुछ जगहों पर चेतावनी भी दी है। ऐसे में कांग्रेस अब जीत और हार दोनों से सबक लेते हुए संगठन को धार देने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से काम कर रही है।

- **16 जगह मिली हार के कारण तलाशने उतरे संगठन व सरकार के रणनीतिकार**

बेरोजगारी ने युवाओं को राजनीति की राह पर धकेला, पंचायत चुनावों में दिख रहा नया जोश

अनंत ज्ञान

- **नौकरी नहीं मिलने पर युवा तलाश रहे सियासत में भविष्य घर-घर जाकर मांग रहे समर्थन**

महेंद्र सिंह राणा, भौर। हिमाचल प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी के बीच अब शिक्षित युवाओं का रुझान तेजी से राजनीति की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। पंचायतीराज चुनावों के नजदीक आते ही गांवों में चुनाव प्रचार ने जोर पकड़ लिया है और युवा प्रत्याशी सुबह से शाम तक घर-घर जाकर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में जुटे हैं। चौक पंचायत से उपप्रधान पद के युवा उम्मीदवार विरेंद्र सिंह ने बताया कि वह रोज सुबह छह बजे से प्रचार में निकल जाते हैं और देर शाम तक लोगों से मिलकर पंचायत के विकास का रोडमैप साझा करते हैं।

उन्होंने कहा कि गांव में स्वच्छ वातावरण, बेहतर सुविधाएं और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करना उनकी प्राथमिकता है। चुनाव प्रचार के दौरान युवा प्रत्याशी सोशल मीडिया का भी सहारा ले रहे हैं और फेसबुक व इंस्टाग्राम जैसे माध्यमों से मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। क्षेत्र में यह चर्चा भी जोरों पर है कि अब पढ़े-लिखे युवाओं को मौका मिलना चाहिए ताकि पंचायतों में नई सोच और नई ऊर्जा के साथ विकास कार्य आगे बढ़ सकें। बेरोजगारी के कारण युवा अब राजनीति में अपना भविष्य तलाश रहे हैं और कड़ी मेहनत कर बड़े नेताओं की नजर में आने की कोशिश कर रहे हैं ताकि भविष्य में उन्हें कोई जिम्मेदारी मिल सके।

ज्येष्ठ महीने की तपती धूप में पानी की बोतल लेकर घर-घर घूमते युवा प्रत्याशी दोपहर में पेड़ों की छांव में कुछ देर सुस्ताकर फिर प्रचार में जुट जाते हैं। लोगों का कहना है कि यदि सरकार समय रहते युवाओं को रोजगार, कारोबार और स्वरोजगार की ओर प्रेरित नहीं करती तो आने वाले समय में बड़ी संख्या में युवा राजनीति को ही अपना मुख्य विकल्प बना लेंगे। लोगों ने मांग उठाई कि सरकार को बिना ब्याज ऋण, कारोबार संबंधी मार्गदर्शन और समय-समय पर युवाओं से संवाद जैसे कार्यक्रम शुरू करने चाहिए, ताकि युवाओं की ऊर्जा सही दिशा में लग सके।

चुनाव पूर्व सर्वेक्षण: धर्मपुर में जिला परिषद के लिए गैर पार्टी उम्मीदवारों की स्थिति बेहतर

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले टिहरा,सरी और सोहर तीन वार्डों और एक मिश्रित वार्ड नबाही से इस बार भाजपा व कांग्रेस समर्थित उमीदवारों को छोड़ कर निर्दलीय उम्मीदवार बेहतर स्थिति में नजर आ रहे हैं। सबसे ज्यादा चर्चित टिहरा वार्ड है जहां से भाजपा ने पूर्व मंत्री की बेटी बंदना गुलेरिया को उम्मीदवार बनाया है लेकिन उनके खिलाफ पूर्व में रहे मुख्यमंत्री के ओएसडी व चोलथरा निवासी कर्मवीर वर्मा की बहू रजिता कुमारी ने चुनौती दे दी है। वहीं कांग्रेस की प्रत्याशी अनिता कुमारी को केवल उनके पति की मौत की सहानुभूति की उम्मीद है। जबकि पार्टी संगठन कमजोर स्थिति में है इसलिए सहानुभूति कॉर्ड खेल कर कांग्रेस ने अपनी साख बचाने का दांव खेला गया है, लेकिन सहानुभूति फैक्टर केवल 2-3 पंचायतों तक ही सीमित बताया जा रहा है। वहीं इस वार्ड से बार-बार वंदना को उमीदवार बनाने का अंदर खाते विरोध है व लोग बदलाव के मूड में हैं। ऐसी ही स्थिति सरी ज़िला परिषद वार्ड से है जहां भाजपा की पैराशूटी उम्मीदवार रीना कुमारी के खिलाफ भी बगावत हो गयी है और लंबे अरसे से पार्टी से जुड़ी एवं पूर्व प्रधान ऋतु निराला ने बगावत कर दी है जिसकी स्थिति रीना से बेहतर बताई जा रही है। वहीं कॉंग्रेस ने भी एक नई उम्मीदवार को उतारा है जबकि वहां पर कुमाहरड्डु की पूर्व सीबीप्रधान मीना कुमारी ज्यादा मज़बूत उमीदवार थी जिसे विधायक ने इग्नोर कर दिया है। ऐसे में यहां से निर्दलीय प्रत्याशी सपना देवी की स्थिति बेहतर है जिसे सरी-लौंगनी की तरफ़ का होने का क्षेत्रीय लाभ भी मिल रहा है क्योंकि वो अपने क्षेत्र की सात ग्राम पंचायतों से अकेली उम्मीदवार है।

इसके अलावा तीसरा वार्ड सोहर-संधोल के नाम से है जहां से भाजपा ने अंजना देवी की उम्मीदवार बनाया है और कांग्रेस पार्टी अभी तक किसी को भी अपना अधिकृत उम्मीदवार घोषित नहीं कर पाई है। इस वार्ड से कोठुवां पंचायत से सबंध रखने वाली निर्दलीय उम्मीदवार रमेशा देवी की स्थिति बेहतर बताई जा रही है कियूंकि उनके पति जो एक अच्छे रसूकदार अध्यापक हैं जिनकी क्षेत्र में अच्छी पहचान बताई जा रही है।

इसके अलावा नबाही वार्ड में भाजपा ने एक रिटायर्ड पुलिस वाले को उम्मीदवार बनाया है व कांग्रेस यहां पर भी उम्मीदवार घोषित नहीं कर पाई है। यहां से बसन्तपुर पंचायत के पूर्व में रहे प्रधान एवं पंचायत समिति सदस्य विजय कुमार की स्थिति भाजपा उम्मीदवार के बराबर बताई जा रही है कियूंकि वे ज़मीनी स्तर पर लोगों से जुड़े हैं और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में लंबे समय से कार्य कर रहे हैं।

इन सभी वार्डों में माकपा नेता एवं पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने भी ऐसे उम्मीदवारों को समर्थन देने का बयान दो दिन पहले दिया है कि वे और उनका संगठन भाजपा और कांग्रेस द्वारा अधिकृत उम्मीदवारों को छोड़कर किसी निर्दलीय उम्मीदवार को सपोर्ट करेंगे।जिससे टिहरा वार्ड से रजिता कुमारी, सरी से सपना देवी, सोहर से रमेशा देवी और नबाही विजय कुमार को उनका समर्थन मिल सकता है।

- **भाजपा में विद्रोह तो कांग्रेस के खिलाफ नाराजगी है कारण माकपा निभाएगी अहम भूमिका**

चुनाव प्रचार में भीषण गर्मी से प्रत्याशी व समर्थकों की बढ़ी बेचैनी

चुनावों को लेकर सुबह-शाम प्रचार, दोपहर को लौट रहे घर, डोर-टू-डोर में समर्थक भी हो रहे भौचक्के

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। चुनाव प्रचार के जोड़ पकड़ने के साथ ही भीषण पड़ रही गर्मी के बीच प्रत्याशी और समर्थक दोनों परेशानी में हैं। कारण यह है कि बीते सोमवार के बाद गर्मी का प्रकोप खतरनाक दिखने लगा है। दिन के समय घरों से बाहर निकलना आसान नहीं रहा है। इसलिए अब प्रत्याशी और उनके समर्थ के सुबह-सुबह और शाम के समय ही प्रचार में डोर-टू-डोर का काम संभाले हुए हैं दिन के समय घरों पर आराम करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। हालांकि दिन के समय भी कई प्रत्याशी हिम्मत नहीं हार रहे।

वजह यह है कि भीषण गर्मी के दौरान लोग अपने-अपने घरों में ही दुबक रहे हैं। इसलिए प्रत्याशियों को भी वोटर घर पर ही उपलब्ध हो रहे हैं। समस्या एक ही है कि कड़कती धूप के दरमियान में गर्मी को वे कितना सहन करने में सक्षम हो पा रहे। कुछ दिनों तक गर्मी का प्रकोप और ज्यादा बढ़ेगा और धूप यदि पड़ती रही, तो फिर चुनाव प्रचार में सभी प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को जबरदस्त पसीना बहाना पड़ेगा।

टोलियों में हो रहा प्रचार

पंचायतों की प्रधानी के लिए चुनाव प्रचार का दायरा छोटा है, लेकिन बीडीसी और जिला परिषद के प्रत्याशियों के लिए गर्मी का प्रकोप सबसे ज्यादा ‘कहर’ ढाने लगा है। असली समस्या उन वार्डों में है जहां पर दो से ज्यादा उम्मीदवार खड़े हैं। पार्टी के भीतर बागियों ने परेशानियां बढ़ाई हुई हैं। इसलिए कई जगह बार-बार वोटरों को मनाने का जो दौर चल रहा है। वह इस भीषण गर्मी में सबसे बड़ी परेशानी का सबब बनता हुआ नजर आ रहा है।

भाजपा के लिए प्रत्याशियों की घोषणा सिरदर्द

भाजपा के लिए सबसे बड़ी सिर दर्द प्रत्याशियों की घोषणा है, पार्टी ने जहां-जहां भी पार्टी प्रत्याशी घोषित किए हैं, वहां पर कई बागी भी चुनावी दंगल में हैं। जिला परिषद के चुनाव के लिए भाजपा ने पार्टी के प्रत्याशी बाकायदा घोषित किए हुए हैं, जबकि कांग्रेस ने ऐसा करने से गुरेज किया है। कुछ विधानसभा क्षेत्रों में उन्होंने सदस्यों को चिन्हित किया हुआ है। लेकिन सभी जगह ऐसा नहीं है। यही स्थिति बीडीसी के चुनाव की है। यही वजह है कि भाजपा के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का सवाल बने हुए हैं। हालांकि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का यह गृह जिला है। लेकिन उन्होंने जिस तरीके से स्थानीय निकाय के सुजानपुर और भोटा में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भाजपा को कंट्रोल करने में खुद को बेहतर साबित करने का प्रयास किया है वही स्थिति जिला परिषद के चुनावों को लेकर भी कई वार्डों में दिख रही है।

जिले में कांग्रेस के पास ‘खोने’ के लिए कुछ भी नहीं

जिले में कांग्रेस के पास ‘खोने’ के लिए कुछ भी नहीं है, लेकिन भाजपा के नेता एक दूसरे को नीचा और कमजोर दिखाने के लिए जितनी अंदरूनी मजबूती के साथ संघर्ष में डूबे हुए हैं, इसका असर पंचायती राज व्यवस्था के इन चुनावों पर भी खास अंदाज में पड़ रहा है, महसूस हो रहा है। नगर परिषद और नगर पंचायत के चुनाव में तो इसका खामियाजा वह और उसके नेता भुगत ही चुके हैं। अब जिला परिषद और डीसी के चावन को लेकर भी ज्यादातर जगहों पर वही स्थिति बनी हुई है। हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थानीय विधायक आशीष शर्मा के पास फिर से नई चुनौती उन्हें खुद को बेहतर साबित करने के लिए संघर्ष में ‘,झोंके’ हुए हैं। कारण साफ है वह हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र में अपने बलबूते ही नई भाजपा के प्रभाव को मौजूदा परिस्थितियों में और आने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए बेहतर तरीके से साबित करने की जहमत भी उठाए हुए हैं। ठीक यही स्थिति सुजानपुर में भी अख्तियार कर चुकी है। वहां भी भाजपा के कुछ बाकी जिला परिषद चुनाव में खुद को बेहतर साबित करने के लिए नेताओं को आंख दिखा रहे हैं।

कांग्रेस के गढ़ रामपुर में बदले सियासी समीकरण

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। रामपुर बुशहर नगर परिषद चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गए हैं और मतदान परिणाम सामने आने के बाद नगर की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। वर्षों से कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले रामपुर में इस बार नगर परिषद चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। वहीं भाजपा खेमा नगर परिषद के 9 वार्डों में से 5 सीटों पर जीत का दावा जता रहा है, जिससे परिषद में भाजपा का पलड़ा भारी नजर आने लगा है।

चुनाव परिणाम सामने आते ही कांग्रेस नेताओं की रणनीति और संगठनात्मक कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। सता के नजदीक मित्रों और समर्थकों को फायदा पहुंचाने की राजनीति कांग्रेस के लिए उलटी साबित हुई और इसका असर सीधे चुनाव परिणामों में दिखाई दिया।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस की यह गिरावट नई नहीं है। बीते विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को रामपुर क्षेत्र में अपेक्षित मजबूती नहीं मिल पाई थी। हालांकि कांग्रेस प्रत्याशी जीत दर्ज करने में सफल रहा, लेकिन जीत का अंतर बेहद चौंकाने वाला रहा। रामपुर विधानसभा चुनाव क्षेत्र मै वर्षो पूर्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व मंत्री सिंघी राम के समय में चुनाव मै लगभग 24 हजार वोटों की बढ़ता से मजबूत मानी जाने वाली बढ़त बर्तमान चुनाव मै वर्तमान विधायक को सिमटकर मात्र 500 वोटों से जीत तक रह गई थी। अब नगर परिषद चुनाव के बाद परिषद में प्रधान पद को लेकर कश्मकश तेज हो गई है। प्रधान पद के चुनाव के कुंजी 5 महिला पार्षदो के हाथ मै आ गयी है दोनों दलों के बीच जोड़-तोड़ की राजनीति शुरू हो चुकी है और प्रधान पद पर कब्जा जमाने के लिए रणनीतियां बनाई जा रही हैं।

- **प्रधान पद को लेकर तेज हुई राजनीतिक गतिविधियां**

सियासत चुनावों में भाजपा ने बदली रणनीति, मंडल से जिला स्तर तक बढ़ी निगरानी

भाजपा का अनुशासन चक्र हुआ और तेज

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल की सियासत में पंचायतीराज चुनावों को देखते हुए अब दलों के भीतर अनुशासन और संगठनात्मक पकड़ को लेकर नई हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने हालिया नगर निकाय चुनाव में हुए बगावती घटनाक्रमों के बीच यह संकेत देने का प्रयास किया है कि आने वाले समय में पार्टी लाइन से अलग चलने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रति रुख पहले से कहीं अधिक सख्त रहने वाला है। सत्ता और संगठन की इस सियासी सरगर्मी के बीच भाजपा अपने संगठनात्मक ढांचे को भी अधिक धारदार और नियंत्रित स्वरूप देने की दिशा में बढ़ती दिखाई दे रही है।

राजनीतिक गलियारों में इसे भाजपा की अंदरूनी अनुशासन नीति का नया अध्याय माना जा रहा है, जहां वफादारी, संगठनात्मक मर्यादा व अधिकृत प्रत्याशियों के समर्थन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रदेश भाजपा द्वारा जारी ताजा कार्रवाई को भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। शीर्ष नेतृत्व ने साफ संकेत दिए हैं कि चुनावों के दौरान अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ मोर्चा खोलना, समानांतर गतिविधियां चलाना या संगठन की आधिकारिक नीति से अलग राह अपनाना अब सीधे अनुशासनात्मक दायरे में आएगा।

भाजपा के भीतर यह माना जा रहा है कि पिछले कुछ समय से कई क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर उभर रही गुटबाजी और असंतोष ने संगठन की चुनावी रणनीति को प्रभावित किया था, जिसके बाद शीर्ष नेतृत्व ने जिला, मंडल और बूथ स्तर तक निगरानी तंत्र को अधिक सक्रिय करने का निर्णय लिया है।

सूत्रों के अनुसार पार्टी अब केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहती, अपितु संगठनात्मक समीक्षा की प्रक्रिया को भी अधिक व्यवस्थित ढंग से लागू किया जा रहा है। भाजपा के विभिन्न मोर्चों व प्रकोष्ठों से जुड़े पदाधिकारियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ-साथ यह भी देखा जा रहा है कि चुनावों के दौरान किस स्तर पर पार्टी हितों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हुई। यही कारण है कि हालिया कार्रवाई को केवल एक संगठनात्मक कदम नहीं, बल्कि भविष्य के लिए चेतावनी और संदेश दोनों के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में भाजपा आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संगठन के भीतर किसी भी प्रकार की ढील या बगावती स्वर को सीमित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन ही चुनावी विजय का आधार होता है और यदि स्थानीय स्तर पर अनुशासन कमजोर पड़ता है तो उसका असर सीधे जनाधार पर दिखाई देता है। यही वजह है कि अब पार्टी के भीतर एक नेतृत्व, एक रणनीति और एक दिशा की नीति को और मजबूती से लागू करने की तैयारी चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल के नेतृत्व में संगठनात्मक सख्ती का यह संदेश दूर तक देने की कोशिश की जा रही है ताकि आने वाले समय में कोई भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता पार्टी की अधिकृत लाइन से हटकर कदम उठाने से पहले कई बार सोचने को मजबूर हो।

संगठन की सियासत में अब अनुशासन ही सबसे बड़ा अस्त्र

राजनीतिक जानकारों की मानें तो भाजपा अब राज्य में अपने संगठन को चुनावी मशीनरी की तरह अनुशासित और नियंत्रित स्वरूप देने में जुटी है। निकाय चुनावों के बाद शुरू हुई यह सख्ती आने वाले महीनों में और तेज हो सकती है। ऐसे में स्पष्ट संकेत हैं कि भाजपा अब भीतर की बगावत, स्थानीय असंतोष और संगठन विरोधी गतिविधियों को लेकर किसी भी प्रकार की नरमी दिखाने के मूड में नहीं दिखाई दे रही।

सरकाघाट नप का चर्चित चुनाव परिणाम कांग्रेस प्रत्याशी को मिला सिर्फ एक वोट

अनंत ज्ञान

रितेश चौहान, सरकाघाट। नगर परिषद सरकाघाट के वार्ड नंबर 7 बैहड़ से पार्षद पद पर चुनावोव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी सुमित कुमार को मतगणना में मात्र एक वोट मिलने से यह मामला पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गया है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ आम लोगों में भी इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

जानकारी के अनुसार सुमित कुमार कुछ माह पूर्व ही भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। कांग्रेस नेता पवन ठाकुर की जनसभा के दौरान उन्हें पार्टी में शामिल कराया गया था। उस समय कांग्रेस नेताओं ने इसे पार्टी के लिए मजबूती का संकेत बताया था।

नगर परिषद चुनाव में वार्ड आरक्षण बदलने के बाद सुमित कुमार ने बैहड़ वार्ड नंबर 7 से चुनाव मैदान में उतरने का फैसला किया। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने पूरे वार्ड में लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया। समर्थकों के साथ घर-घर जाकर प्रचार किया गया तथा पोस्टर-बैनर और प्रचार सामग्री पर भी काफी खर्च किया गया। उन्होंने साथ चलने वाले वर्करों को खाने पिलाने की भी काफी सेवा की स्थानीय लोगों के अनुसार प्रचार के दौरान सुमित कुमार के साथ बड़ी संख्या में समर्थक दिखाई देते थे और चुनाव को लेकर माहौल भी उनके पक्ष में बताया जा रहा था। हालांकि मतगणना के दौरान उन्हें केवल एक वोट प्राप्त हुआ, जिससे उनकी जमानत भी जब्त हो गई।

चुनाव परिणाम के बाद शहर में यह मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ है। लोग इसे स्थानीय राजनीति का अप्रत्याशित परिणाम बता रहे हैं। वहीं राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह परिणाम जमीनी समर्थन और वास्तविक वोट बैंक के बीच अंतर को भी दर्शाता है।

- **शहर में चर्चा का विषय बना परिणाम, जनसंपर्क-पोस्टर और प्रचार सब रहा बेअसर**